राष्ट्रीय दैनिक

प्रात·किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 रोहित शर्मा को क्यों मुंबई इंडियन ...

मध्यप्रदेश में 7 सांसद बदलने तो... 12

वर्ष : 14 | अंक : 265 | नई दिल्ली, बुधवार, 07 फरवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मप्र के हरदा शहर में पटाखा कारखाने में आग लगने से नौ लोगों की मौत, 200 घायल

प्रात : किरण

हरदा/भोपाल/एजेंसी। मध्यप्रदेश के हरदा शहर में मंगलवार को एक पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद आग लग गई, जिससे इसमें नौ लोगों की मौत हो गयी जबकि 200 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसमें घटनास्थल पर रुक-रुक कर हो रहे विस्फोटों के साथ आग लगने के बीच लोग खुद को बचाने के लिए भागते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कारखाने से निकलते धुएं के घरे गुबार दिखाई दे रहे हैं। यह घटना प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 150 किलोमीटर दूर हरदा शहर के बाहरी इलाके मगरधा रोड पर बैरागढ़ में हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह संजय दुबे ने बताया, हरदा घटना में अब तक नौ लोगों के मौत की खबर है और लगभग 200 अन्य घायल हुए हैं। घायल खतरे से बाहर हैं। अधिकारियों के अनुसार विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चला है और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। घटना के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक की और

कहा कि बचाव कार्य के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था के लिए सेना से संपर्क किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, मैंने संबंधित अधिकारियों से बात की और घटना का विवरण मांगा है। उन्होंने कहा कि घटना के बारे में केंद्र को सूचित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मरने वाले के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। यादव ने कहा कि घायलों के उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के मंत्री उदय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी और होमगार्ड के महानिदेशक अरविंद कुमार को हेलीकॉप्टर से हरदा पहुंचने का निर्देश दिया।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने जताया शोक

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने दुख जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वह इस त्रासदी में लोगों की मौत से बेहद दुखी हैं और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मध्यप्रदेश के हरदा में एक पटाखा कारखाने में दुर्घटना के कारण लोगों की मौत से व्यथित हूं। उन सभी के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जो घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

अधिकतम तापमान 17°C
न्यूनतम तापमान 13°C

बाजार

सोना 64,355

चांदी 78,800

सेंसेक्स 72,186

निफ्टी 21,929

संक्षिप्त खबरें

भाजपा और आरएसएस ने देश में नफरत और हिंसा फैलाई :राहुल गांधी

राउरकेला। लोकसभा चुनाव शुरू होने में कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर से मुंबई तक 6,700 किलोमीटर से ज्यादा की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर दी है। उनकी यात्रा आज ओडिशा में प्रवेश करेगी। बता दें, यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। असम में यह यात्रा 25 जनवरी तक जारी रहेगी और 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिलहाल झारखंड के खूंटी पहुंच गई है।

तीन मंदिर मांगने पर भड़के ओवैसी बोले अब धोखा नहीं खाएंगे

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने इस देश के मुसलमानों से सिर्फ तीन मंदिर मांगे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि हमें दे दें तो दूसरी मस्जिदों की तरफ हम नहीं देखेंगे। महाराज के इस बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहुत बुरी तरह भड़क गए हैं। उन्होंने कहा है कि यह तो सीधा-सीधा ब्लैकमेल है। वे मुस्लिम समुदाय को खुले तौर पर धमकी दे रहे हैं। यह एक तरह से ब्लैकमेल है कि हमें जो चाहिए, वह नहीं दिया गया तो हम वही करेंगे जो छह दिसंबर 1992 को किया था। यह हिंसा का आह्वान है। यह पूछने पर कि यह धमकी कैसे हुई? हिंदू पक्ष शांतिपूर्ण ढंग से ये बात कर रहा है कि ये तीनों जगह हमें सौंप दी जाए। इस पर ओवैसी ने कहा कि ये लोग झूठे हैं। झूठ बोलना इनकी फितरत में है। इन्होंने पहले भी ऐसा किया था। ये लोग कौन होते हैं, मांग करने वाले।

सीएम धामी ने पेश किया यूसीसी विधेयक, जय श्री राम के लगाए नारे

प्रात : किरण/एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को सत्र के दूसरे दिन आज यूसीसी बिल पेश किया गया है। इस दौरान सरकार द्वारा लाया गया समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश हो गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के द्वारा सदन में यूसीसी विधेयक को पेश करने के दौरान जय श्री राम के नारे भी लगे। हालांकि बाद में कार्रवाई स्थगित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज सरकार समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में पेश कर दिया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भारतीय संविधान की एक प्रति के साथ देहरादून स्थित अपने आवास से रवाना हुए थे। उन्होंने सदन की कार्यवाही के दौरान यूसीसी विधेयक पेश किया। सीएम धामी द्वारा विधानसभा में समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक पेश करने के बाद राज्य विधानसभा के अंदर विधायकों द्वारा वंदे मातरम और जय श्री राम के नारे लगाए गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही आज दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। समान नागरिक संहिता के प्रमुख बिंदुओं में तलाक के लिए सभी धर्मों

का एक कानून होगा। तलाक के बाद भरण पोषण का नियम एक होगा। गोद लेने के लिए सभी धर्मों का एक कानून होगा। संपत्ति बटवारे में लड़की का समान हक सभी धर्मों में लागू होगा। अन्य धर्म या जाति में विवाह करने पर भी लड़की के अधिकारों का हनन नहीं होगा। सभी धर्मों में विवाह की आयु लड़की के लिए 18 वर्ष अनिवार्य होगी। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण जरूरी होगा। प्रदेश की जनजातियां इस कानून से बाहर होंगी तथा एक पति पत्नी का नियम सब पर लागू होगा, बहुपत्नी प्रथा समाप्त होगी, शामिल किए गए हैं।

उत्तराखंड में लागू यूसीसी बिल को सीएम धामी ने बताया ऐतिहासिक

देहरादून। करीब 20 महीनों के लंबे इंतजार के बाद उत्तराखंड में यूसीसी बिल लागू होने जा रहा है। इसे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ऐतिहासिक बताया है। बता दें कि आखिरकार वो दिन आ ही गया, जब यूनिफार्म सिविल कोड का ड्राफ्ट गांव, गली, शहर से होते हुए विधानसभा की सीढ़ियां चढेगा। मंगलवार को पुष्कर सिंह धामी सरकार इसे विधानसभा के पटल पर पेश करने जा रही है। इस ऐतिहासिक अवसर से पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ये युगांतकारी समय है। सभी को इसका जोरदार समर्थन करना चाहिए। 20 महीनों के लंबे इंतजार के बाद यूसीसी का ड्राफ्ट विधेयक के रूप में सदन में पेश किया जा रहा है। हालांकि सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश के लोग इस पल का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा ये युगांतकारी समय है। उन्होंने विपक्ष से भी अपील की कि वे भी सकारात्मक रूप से इस चर्चा में भाग लें। ये बिल हर धर्म, हर पंत के अच्छे के लिए ही लाया गया है। इस संबंध में विधानसभा स्पीकर ऋतु खंडूरी का कहना है कि ये एक गौरवपूर्ण क्षण है। महिलाओं के लिए भी और बतौर स्पीकर उनके लिए भी क्योंकि ये बिल उनके स्पीकर रहते हुए पास हो रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त करने वाला ये बिल ऐसे समय में पेश होगा, जब स्पीकर से लेकर चीफ सेक्रेटरी और चीफ जस्टिस तक सभी जगह महिलाएं तैनात हैं।

केंद्र सरकार ईडी के छापों से 'आप' नेताओं को डराने की कोशिश कर रही : आतिशी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार उसके नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के जरिए पार्टी को "डराने और चुप कराने" की कोशिश कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले की जांच के तहत मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार और 'आप' के राज्यसभा सदस्य तथा पार्टी के कोषाध्यक्ष एन डी गुप्ता के परिसरों की तलाशी ली। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कुमार और गुप्ता के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय के कर्मी सुबह सात बजे से तलाशी ले रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अन्य 'आप' नेताओं के परिसरों पर और छापेमारी की जाएगी। आतिशी ने कहा, "कल मैंने कहा था कि मैं आज सुबह 10 बजे ईडी के बारे में 'सनसनीखेज खुलासा' करूंगा। इस खुलासे को रोकने तथा 'आप' को डराने के लिए ईडी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के परिसरों पर सुबह सात बजे से छापे मार रही है। हमारे नेता एन डी गुप्ता और मुख्यमंत्री

अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक के आवास पर तलाशी ली जा रही है।"

उन्होंने कहा, "ऐसी खबरें हैं कि ईडी 'आप' नेताओं के खिलाफ दिनभर छापेमारी करेगी। भाजपा नीत केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर पार्टी को डराने का प्रयास कर रही है।" उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति मामले से जुड़े गवाहों और आरोपियों के बयान जबरन तथा धमकी देकर दिलवाए हैं।

मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार 'आप' के नेताओं पर छापे मारकर पार्टी को "डराने और चुप" कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल कर रही है लेकिन वे डरे नहीं हैं। आतिशी ने कहा कि दो साल की जांच के बावजूद एजेंसियों को कथित आबकारी नीति घोटाले में कुछ नहीं मिला है। उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले एक आरोपी ने पूछताछ की सीसीटीवी फुटेज देने का अनुरोध करते हुए अदालत में एक अर्जी दायर की थी। ईडी ने उनका एक सरकारी गवाह से आमना-सामना कराया था और यह ऐसे कमरे में हुआ था जहां सीसीटीवी कैमरा लगा था। उन्होंने यह अर्जी इसलिए दाखिल की क्योंकि ईडी द्वारा अदालत में दिया गया बयान उस कमरे में दर्ज किए गए बयान से अलग था।" मंत्री ने दावा किया कि ईडी द्वारा अदालत में सौंपी गयी फुटेज में 'ऑडियो' नहीं था। उन्होंने कहा, "ईडी ने पूछताछ की वीडिया फुटेज की 'ऑडियो रिकॉर्डिंग' डिलीट कर दी थी। हमें विश्वस्त सूत्रों से यह पता चला है कि ईडी ने मामले में की गई डेढ़ साल की पूछताछ की ऑडियो रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी है।"

आतिशी ने कहा, "हमने अदालत से अनुरोध किया है कि ईडी पूछताछ का वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग पेश करे।" जांच एजेंसी पर सवाल उठाते हुए आतिशी ने कहा, "मेरे दो सवाल हैं -ईडी क्या छिपाना चाहती है? ईडी ने कितने बयान दर्ज किए, उनमें से कितने बयान कैमरे में दर्ज किए गए और उनमें से किन बयानों की ऑडियो रिकॉर्डिंग है?" आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के तहत राष्ट्रीय राजधानी के करीब 10 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने इन आरोपों पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दुनिया के विकास के लिए भारत समर्थ व सक्षम बनना जरूरी : मोहन भागवत

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के विकास को लेकर एक अहम बयान दिया है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि देश को दुनिया के लिए अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और अपना विकास करना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया को विनाश से बचने के लिए भारत को समर्थ और सक्षम बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर देश को यह मुकाम हासिल करने में असफलता मिलती है, तब दुनिया कई परेशानियों से गिर जाएगी। पूरी दुनिया वर्तमान में कई परेशानियों से ग्रसित है। दुनिया भर में स्थिति बेहद उथल-पुथल हो गई है, जिसका जिक्र कई बुद्धिजीवियों ने भी किया है। संघ प्रमुख ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण

प्रतिष्ठा करवाना एक साहसी कार्य था। भगवान के आशीर्वाद के बाद कार्य पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद में अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। प्राण प्रतिष्ठा भगवान की इच्छा के कारण ही पूरा हुआ है। अब देश को आगे बढ़ना होगा क्योंकि दुनिया को देश की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकायों में ओबीसी की भागीदारी बढ़ेगी: नित्यानंद राय

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आज कहा कि जम्मू-कश्मीर स्थानीय निकाय विधियां (संशोधन) विधेयक 2024 पारित करके इसके माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग को स्थानीय निकायों में आरक्षण देकर इस वर्ग के साथ न्याय किया जा सकेगा। राय ने इस विधेयक पर लोकसभा में हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह प्रगतिशील विधेयक है और इसके माध्यम से पंचायतों, नगर निगमों और नगरपालिकाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण प्रदान किया जा सकेगा। इस विधेयक पर हुई चर्चा में शामिल होते हुये कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल ने कहा कि आम जनता से जुड़े कार्य वाले विभागों को संचालित करने की जिम्मेदारी स्थानीय निकायों को दी जानी चाहिये। स्थानीय निकायों

के प्रतिनिधि आम जन से निरंतर जुड़े रहते हैं, वे उनकी समस्याओं को बेहतर तरीके से समझते हैं जिससे वे लोगों की समस्याओं को दूर करने में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि लंबे समय से अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग इस विधेयक का इंतजार कर रहे थे। इस विधेयक के माध्यम से उनके साथ न्याय किया जा सकेगा। इससे इस वर्ग के लोगों का मनोबल बढ़ेगा। राज्य में सत्तारूढ़ रहीं नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस वर्ग के साथ नाइंसाफी का रुख बनाये रखा। अब मोदी सरकार यह विधेयक लाकर स्पष्ट किया है कि वह किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से पंचायतों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकेगा। वह इस विधेयक का समर्थन करते हैं। नेशनल कांफ्रेंस के हसनैन मसूदी ने कहा कि इस विधेयक पर चर्चा के साथ-साथ पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाने के फैसले के बाद बने हालात पर भी चर्चा होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराये जाने चाहिये जिससे वहां के स्थानीय प्रतिनिधि इस तरह के कानून पारित करा सकें। राज्य सरकार अपने राज्य के लोगों के हितों से जुड़े मामले और समस्याओं को बेहतर तरीके से संबोधित कर सकती है।

यूपी से कुमार विश्वास को राज्यसभा में भेज सकती भाजपा

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सात राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने 35 नाम की एक सूची तैयार की है। दिलचस्प है कि इस सूची में तेज-तर्रार प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी को फिर से भेजने के साथ-साथ कुमार विश्वास के नाम पर भी चर्चा की गई है। हाल के दिनों में कुमार विश्वास पूरी तरीके से भाजपा के रंग में रंगे दिखाई दिए हैं। इसके बाद अगर पार्टी की ओर से उन्हें राज्यसभा भेजा जाता है, तब इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई थी। बैठक में इन 35 प्रत्याशियों के नाम को लेकर चर्चा की गई है। इसके अलावा कुमार विश्वास को गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की भी तैयारी है। इसकी भी चर्चा उत्तर प्रदेश की राजनीति में खूब चल रही है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कुमार विश्वास को लेकर

भाजपा की क्या रणनीति है? हाल के दिनों में वह लगातार कथा वाचन और कविताओं के जरिए लोगों के बीच रहते हैं। रामचरितमानस को लेकर भी वह विशेष व्याख्यान देते हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद कुमार विश्वास पर बेहद खुश नजर आए। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन वहां मौजूद रहे। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद भी दिया था। उत्तर प्रदेश में 10 राज्य सभा की सीटें खाली हो रही है। इनमें से सात भाजपा के खाते में है, वहीं तीन समाजवादी पार्टी के खाते में है।

भारत की तरफ आंख उठाने वाले को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : राजनाथ सिंह

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणी के बाद सदन में यह बयान दिया है। बता दें कि चर्चा में भाग लेते हुए चौधरी ने कहा कि अभिभाषण में देश की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्व की यथास्थिति की बहाली का क्या हुआ? कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश से

लेकर लद्दाख तक हाल बुरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में चीन से संबंधित नीति लगातार विफल रही है। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संदर्भ में चौधरी ने जो भी कुछ कहा है कि वह उससे असहमति व्यक्त करते हैं। सिंह ने कहा, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत अब कमजोर भारत नहीं है। भारत अब ताकतवर भारत बन गया है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की जुर्रत करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। संसद के पटल पर देश को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा, अगर कांग्रेस की सरकार भी होती तो हमारी पार्टी देश के मान-सम्मान के साथ खड़ी रही है और खड़ी रहती।ह्न उन्होंने कहा कि वह चौधरी की इस बात की निंदा करते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजीजू ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, चीन ने जितनी भूमि पर कब्जा किया है, वो कांग्रेस के शासन के समय किया है। मोदी जी के शासनकाल में एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की एक जैसी हो गई है।

संबोधन पीएम ने गोवा में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

भारत जल्दी ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : मोदी

प्रात : किरण

पंजिम/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत जल्दी ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा तथा देश की आर्थिक वृद्धि में ऊर्जा क्षेत्र का महत्व बढ़ रहा है और देश प्राथमिक ऊर्जा के विभिन्न रूपों में प्राकृतिक गैस के उपयोग बढायेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश में हर जगह किफायती दर पर ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है तथा वैश्विक बाजार में उथल-पुथल के बाद भी भारत एक ऐसा देश है, जहां भी बीते दो वर्षों में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हुये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश इस समय विभिन्न प्रकार की प्राथमिक ऊर्जा जिस अनुपात में कर रहा है, उसमें प्राकृतिक गैस का

अनुपात छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। इसके लिये पांच-छह वर्ष में सात अरब डालर का निवेश करने की योजना है। प्रधानमंत्री गोवा में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इसमें दुनिया भर से आमंत्रित तेल और प्राकृतिक गैस उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री मोदी ने गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, रामेश्वर तेली और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कहा, भविष्य की इन जरूरतों को देखते हुये, समझते हुये भारत अभी से तैयारी कर रहा है। उन्होंने दुनिया भर से जुटे इस उद्योग के प्रतिनिधियों को आपस में उन्नत प्रौद्योगिकीय सहयोग करने, एक-दूसरे से सीखने और स्वस्थ ऊर्जा के स्रोतों के विकास में सहयोग करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन ऐसे समय हो रहा है जबकि चालू वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में ही, भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि दर साढ़े सात फीसदी से अधिक रही है और यह पहले के अनुमानों से बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है हम ऐसे ही तेज गति से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, ह्यआज पूरी दुनिया के एक्सपर्ट ये मान रहे हैं कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत की आर्थिक वृद्धि की इस गाथा में ऊर्जा क्षेत्र की बहुत महत्वपूर्ण है, स्वाभाविक रूप से उसका महात्मय बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की खपत के मामले में भारत पहले ही विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एनएनजी आयातक, चौथा सबसे बड़े तेल शोधनकर्ता और चौथा सबसे बड़ा वाहन विनिमार्ता हैवाले देश हैं। भारत इस समय 25.4 करोड़ टन वार्षिक शोधन क्षमता के साथ पहले ही विश्व के सबसे बड़े तेल शोधनकताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा, ह्यहमने 2030 तक भारत की रिफाइनिंग कैपेसिटी को 45 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। भारत पेट्रो रसायन और अन्य तैयार पेट्रोलियम उत्पादों के क्षेत्र में भी एक बड़ा निर्यातक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती मांग के बीच भारत, देश के हर कोने में किफायती ऊर्जा की उपलब्धता को भी सुनिश्चत कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर और कार की भिड़ंत में चाचा-भतीजे की मौत

लक्सर। भगवानपुर के समीप ट्रैक्टर और कार की आमने-सामने की टक्कर में कार में सवार दो सगे भाई व एक भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एक चाचा और भतीजे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायल का उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार, रविवार की देर रात भिक्कमपुर जीतपुर गांव निवासी धर्मपाल (50), अपने भाई वेदपाल (47) और भतीजा आयुष(20) के साथ कार से लक्सर से बालावाली की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह कुड़ी भगवानपुर के पास पहुंचे तो बालवाली की ओर से आ रहे एक ट्रैक्टर से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसा होता देख ग्रामीणों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को लक्सर अस्पताल पहुंचाया। जहां आयुष को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि धर्मपाल की गंभीर हालत देखते हुए भूमानंद अस्पताल हरिद्वार के लिए रेफर कर दिया। जबकि वेदपाल को लक्सर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, कुछ देर बाद इलाज के दौरान धर्मपाल की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

गांव की आवासीय भूमि को आबादी में दर्ज कराने की मुख्यमंत्री से गुहार

देहरादून, एजेंसी। ग्राम प्रधान लीलावती शर्मा ने बताया कि आवासीय भूमि पर मालिकाना हक के लिए करीब 16 वर्षों से संघर्ष जारी है। मुख्यमंत्री से कई बार इसकी गुहार लगाई गई। हाईकोर्ट ने भी शासन को चार माह में ग्रामवासियों की भूमि को आबादी में दर्ज करने के लिए कार्यवाही करने के आदेश दिए। 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आबादी में दर्ज करने की घोषणा की थी। 18 अक्टूबर 2023 को राजस्व सचिव सचिन कुर्वे से इसके लिए गुहार लगाई गई। कहा, गांव के 350 परिवार लंबे समय से मालिकाना हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में दीपा, सवित्री, पूनम अधिकारी, बिमला देवी आदि ग्रामवासी शामिल रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

खानपुर। एचआर डिग्री कॉलेज की ओर से नेशनल कन्या इंटर कॉलेज खानपुर में इंटरमीडिएट कक्षाओं के छात्रों की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित कर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम गुप्ता ने बताया कि शीतकालीन अवकाश से पूर्व कक्षा-12 में अध्ययनरत 250 छात्र-छात्राओं ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में अभिषेक ने प्रथम, अनुकूल ने द्वितीय और प्रियांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिग्री कॉलेज की टीम में राहुल शर्मा, ध्वनि, मोनिका, सुशील कुमार ने तीन विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर बलराम गुप्ता, प्रमोद कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, सविता धारीवाल, पंकज कुमार, बबीता देवी, संजय गुप्ता, सुधा रानी, रंजना, नूतन, अमित कुमार, विशाल कुमार आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ने साइकिल सवार मजदूर को कुचला, मौत

लक्सर। साइकिल से घर जा रहे मजदूर को मुंडाखेड़ा कलां के पास ट्रैक्टर ने कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के मुंडाखेड़ा कलां गांव निवासी फकीर चंद (42) मजदूरी करते थे। रविवार की देर शाम वह निरंजनपुर गांव से मजदूरी कर साइकिल से घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वह मुंडाखेड़ा कलां के पास पहुंचे तो ट्रैक्टर ने साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होता देख राहगीर मौके पर पहुंचे तो तब तक फकीर चंद की मौत हो चुकी थी। वहीं, ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना की जानकारी परिजनों को दी। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है। मामले की तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

किशोरियों के साथ हुई अपहरण व दुष्कर्म की घटनाओं पर महिला आयोग सख्त, कार्रवाई के निर्देश

देहरादून, एजेंसी। देहरादून के डोईवाला में नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के एक मामले में कुसुम कंडवाल ने एसओ डोईवाला से फोन पर वार्ता करते हुए मामले में जानकारी ली।

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने किशोरियों के साथ हुई घटनाओं का संज्ञान लेते हुए पुलिस से वार्ता की। यह मामले डोईवाला और पिथौरागढ़ के धारचूला में हुए हैं। आयोग ने महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता के आदेश दिए हैं। इसके अलावा अध्यक्ष ने हल्द्वानी में चलती कार में युवती से छेड़छाड़ की घटना पर भी संज्ञान लिया है।

देहरादून के डोईवाला में नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के एक मामले में कुसुम कंडवाल ने

एसओ डोईवाला से फोन पर वार्ता करते हुए मामले में जानकारी ली। एसओ ने बताया कि उक्त मामले में आरोपी पीड़िता को इंस्टाग्राम पर बातचीत कर उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद दुष्कर्म किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, पिथौरागढ़ के धारचूला निवासी दो बहनों के संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो जाने के मामले में एसपी पिथौरागढ़ से फोन पर वार्ता कर जानकारी ली।

इसमें सामने आया कि उक्त घटना में आरोपी वहीं नाई का काम करता था, जो गायब किशोरियों को बहला फुसला कर बरेली ले गया था। उसे बरेली से गिरफ्तार कर लिया गया व किशोरियों बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

कुसुम कंडवाल ने दोनों प्रकरणों में आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने नजदीकी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को इन मामलों के संबंध में जागरूक करें। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव व पॉक्सो अधिनियम से भी अवगत कराएं।

हल्द्वानी में चलती कार में 22 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ के मामले में भी अध्यक्ष ने संज्ञान लिया है। इसमें नोडल अधिकारी एसपी देहात ने बताया कि उक्त मामले में किशोरी आरोपियों के साथ स्वयं उनकी कार की अग्रिम सीट पर बैठी थी। युवती की गैंगरेप की शिकायत के अनुसार मामला दर्ज कर मेडिकल कराया गया है, इसमें दुष्कर्म की पुष्टि नहीं पाई गई है। उक्त मामले में पीड़िता के बयानों के आधार पर 354 में छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य दो आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुसुम कंडवाल ने कहा कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों इसके लिए पुलिस को रात के समय वाहनों की चेकिंग बढ़ानी चाहिए।

नैनीताल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ओलावृष्टि

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल और इसके आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही मौसम का मिजाज बिगड़ा रहा। दिन भर रुक-रुक कर बारिश होती रही। सुबह और दोपहर बाद शहर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हुई लेकिन बर्फबारी का इंतजार अभी बना हुआ है। सोमवार को सुबह से ही आसमान बादलों से घिरा रहा। दोपहर तक शहर के चारों ओर पहाड़ियों में कोहरा छा गया। दोपहर में कुछ देर के लिए बारिश थमी लेकिन आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर बाद फिर से बारिश शुरू हो गई। शाम पांच बजे के करीब कुछ देर के लिए तेज बारिश हुई जो बाद में थम गई। चायनापीक, पंगोट और सिगड़ी गांव में दिन भर में ओलावृष्टि हुई। सिगड़ी के ग्राम प्रधान मोहन सिंह अधिकारी और स्थानीय निवासी मनोज बिष्ट ने बताया कि सिगड़ी और इसके आसपास सुबह साढ़े दस बजे के करीब और दोपहर एक बजे ओलावृष्टि हुई है।

परशुराम मंदिर के विष्णु और बालक राम में कई समानताएं

उत्तरकाशी, एजेंसी। इस संयोग ही कहेंगे कि उत्तरकाशी जनपद के परशुराम मंदिर में स्थापित विष्णु जी की मूर्ति और अयोध्या के राम मंदिर में हाल ही में स्थापित बालक राम की मूर्ति में कई समानताएं हैं।

पुरातत्व विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक परशुराम मंदिर में विष्णु जी की यह मूर्ति आठवीं से नवीं सदी के बीच में स्थापित की गई थी। जबकि अयोध्या राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हुई थी। इसके बाद भी इन दोनों मूर्तियों में बहुत समानताएं हैं। पढ़िए विपिन नेगी की रिपोर्ट...

पंडित शैलेंद्र नौटियाल बताते हैं कि परशुराम विष्णु जी के अवतार माने गए हैं। स्कन्द पुराण के केदारखंड में वर्णित है कि परशुराम का क्षत्रियों के साथ युद्ध हुआ था। इस दौरान वे बहुत क्रोधित हो गए थे। काफी प्रयास के बाद भी उनका क्रोध शांत नहीं हुआ था। इस पर भगवान शिव ने उन्हें हिमालय के उत्तरकाशी में उन्हें तपस्या करने को कहा था।

इसके बाद परशुराम ने वरुणावत पर्वत के विमलेश्वर मंदिर में तपस्या की थी। जिसके बाद उनका क्रोध शांत हुआ और सौम्य हो गए थे। इस पर भगवान काशी विश्वनाथ ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि इस स्थान को सौम्यकाशी के नाम से जाना जाएगा। परशुराम द्वारा यहां स्वयंभू शिवलिंग पर मंदिर का निर्माण किया गया था।

ये हैं समानताएं

- दोनों में विष्णु के दस अवतारों की आकृतियां उकेरी गई हैं। दोनों मूर्तियों की विहंगमता और हावभाव भी एक जैसे ही हैं। दोनों ही मूर्तियों में कमलासन बना हुआ है।
- दोनों ही मूर्तियों में भगवान खड़ी मुद्रा में हैं। दोनों मूर्तियां काले पत्थर की हैं।

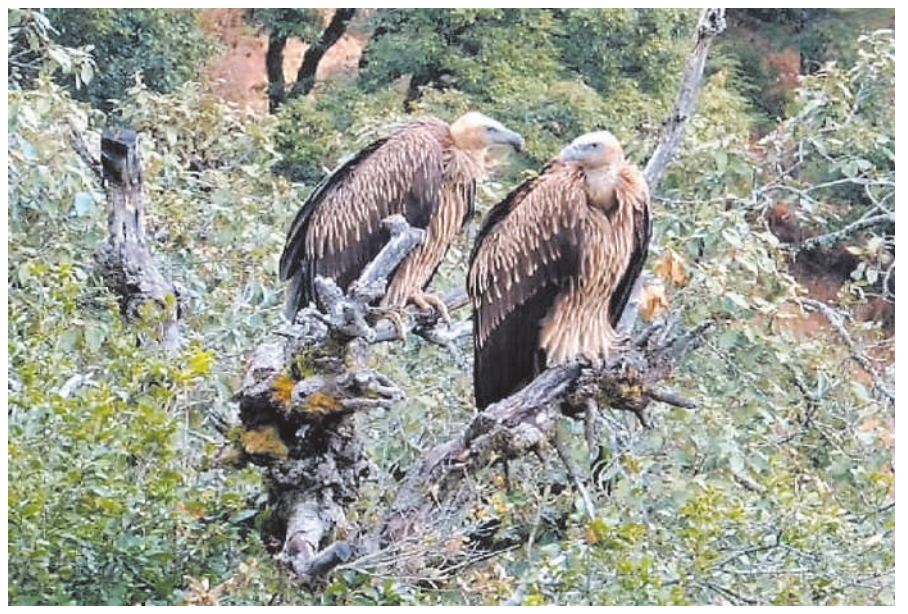

नैनीताल में लंबे समय के बाद दिखे गिद्ध

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल के चिड़ियाघर क्षेत्र के जंगल में इन दिनों हिमालयन ग्रीफन (गिद्ध) का झुंड दिखाई दे रहा है। दो दिनों से गिद्धों का यह झुंड पेड़ व आसमान में मंडराता नजर आ रहा है। इसे पारिस्थितिकीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हिमालयन ग्रीफन गिद्ध हिमालय में 1200 से 5000 मीटर तक की ऊंचाई पर देखे जा सकते हैं। जानकारों के मुताबिक नैनीताल के समीप कूड़ा खड्ड के आसपास के क्षेत्र में लगभग एक दशक पहले हिमालयन ग्रीफन गिद्ध बड़ी संख्या में नजर आते थे लेकिन उसके बाद इन पहाड़ियों से गिद्धों का झुंड अचानक गायब हो गया। हालांकि कभी-कभी नैनीताल के समीप हनुमानगढ़ी क्षेत्र की पहाड़ियों में दो गिद्धों को देखा गया। आमतौर पर गिद्धों का झुंड किसी जानवर के शव के समीप देखा जाता है। इसके अलावा इस क्षेत्र में गिद्ध धूप सेंकते भी नजर आते हैं। वन क्षेत्राधिकारी प्रमोद तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में गिद्धों के झुंड का दिखना पर्यावरण के लिए अच्छे संकेत हैं। गिद्ध हमारे इको सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आमतौर पर गिद्धों का झुंड किसी मरे जानवर की गंध को सूंघकर आकर्षित होते हैं। आसमान में काफी ऊंचाई पर उड़ते हुए भी मरे हुए जानवर को देख कर एक समूह में उसे खाने के लिए आते हैं। ये एक समूह में पेड़ों पर या चट्टान पर बैठे दिखाई देते हैं।

खाटूश्याम के लिए हल्द्वानी से रवाना हुई बस

हल्द्वानी, एजेंसी। राजस्थान स्थित खाटूश्याम मंदिर के लिए हल्द्वानी से सीधी बस सेवा शुरू हो गई है। सोमवार को मंडलीय महाप्रबंधक ने हरी झंडी दिखाकर बस को खाटूश्याम के लिए रवाना किया। हर महीने खाटूश्याम मंदिर के दर्शन के लिए सैकड़ों भक्त हल्द्वानी से जाते हैं। इसलिए लंबे समय से हल्द्वानी से खाटूश्याम के लिए बस चलाने की मांग भी की जा रह थी। सोमवार को उत्तराखंड परिवहन निगम ने बस सेवा की शुरुआत की। काठगोदाम डिपो ने खाटूश्याम के लिए बस सेवा शुरू की है। बस को मंडलीय महाप्रबंधक संचालन पूजा जोशी, काठगोदाम डिपो के सहायक महाप्रबंधक आलोक बनवाल, सहायक महाप्रबंधक हल्द्वानी एसएस बिष्ट, सहायक महाप्रबंधक कार्मिक मनोज दुर्गापाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एआरएम आलोक बनवाल ने बताया कि बस प्रतिदिन दोपहर एक बजे हल्द्वानी बस अड्डे से रवाना होगी और शाम तीन बजे वहां से हल्द्वानी को आएगी। उन्होंने बताया कि 653 किलोमीटर दूरी के लिए 810 किराया तय किया गया है। इस दौरान वरिष्ठ केंद्र प्रभारी महेंद्र कुमार, डीएम जोशी, आन सिंह जीना, कमल पपनै आदि मौजूद रहे।

खाटूश्याम की एक तरफ की दूरी 653 किलोमीटर है। दोनों तरफ मिलाकर एक चालक को 1306 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। इस पर कुछ निगम कर्मचारियों ने भी विरोध जताया है।

हाथियों ने सीतावनी मंदिर में की तोड़फोड़

रामनगर (नैनीताल), एजेंसी। रामनगर वन प्रभाग की कोटा रेंज स्थित सीतावनी मंदिर परिसर में हाथियों के झुंड ने पुजारी के कमरे में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर कोटा रेंज के कर्मचारियों ने रात्रि गश्त के दौरान हाथियों को भगाया। कोटा रेंजर रमेश चंद्र ध्यानी ने बताया कि इस समय हाथियों की आवाजाही इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा है इसलिए लोग वन क्षेत्र के आस पास जाने में सावधानी बरतें। उधर, कॉर्बेट पार्क के बिजरानी रेंज के रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला ने बताया कि उनके कार्यालय में तैनात चौकीदार दीपक शर्मा गौजानी में रहता है। रविवार की रात को चौकीदार के मकान पर एक हाथी पहुंच गया, जिसने उसके मकान के आसपास की तारबाड़ को तोड़ डाला। सोमवार सुबह करीब पांच बजे के आसपास वह फिर से वहां पहुंच गया और उत्पात मचाने लगा।

देखते ही देखते तबाह हुआ परिवार, पिता के सामने ननद-भाभी ने तोड़ा था दम; सदमे में परिवार

नैनीताल , एजेंसी। हल्द्वानी में सड़क हादसे में हुई ननद-भाभी की मौत से परिवार सदमे में है। बीते साल ही दोनों की शादी हुई थी। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को उनकी अंत्येष्टि हो गई।

हल्द्वानी के नीलियम कॉलोनी निवासी नरेंद्र सिंह नौलिया की बहू और बेटी की सड़क हादसे में मौत से परिवार सदमे में है तो पड़ोसियों की भी आंखें नम हैं। बीते साल ही दोनों की शादी हुई थी। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार को उनकी अंत्येष्टि हो गई।

नरेंद्र सिंह नौलिया अपनी पत्नी, बेटे पंकज और बहू कविता के साथ रहते थे। बेटे पंकज और कविता की शादी पिछले वर्ष 26 नवंबर को हुई थी, जबकि बेटी सविता की शादी पिछले वर्ष छह अप्रैल को देवीधुरा चंपावत में की थी। सविता अपने पति पान सिंह बिष्ट के साथ नीलांचल कॉलोनी डहरिया में रहती थी।

नरेंद्र सिंह नौलिया ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि रविवार देर शाम बरेली रोड पर शादी समारोह में जा रहे थे। उनकी बेटी सविता और बहू कविता एक स्कूटी पर थीं जबकि दूसरी स्कूटी पर वह उनके पीछे चल रहे थे। मंडी बाईपास के पास ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे कविता और सविता ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। उसके बाद रानीबाग स्थित चित्रशिलाघाट पर कविता की अंत्येष्टि कर दी गई। जबकि सविता का शव उसकी ससुराल वाले देवीधुरा ले गए।

कपड़े के शोरूम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के हीरानगर में एक कपड़े के शोरूम में अचानक आग लग गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। आग लगने से दुकान का सारा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

हल्द्वानी के हीरानगर स्थित एक कपड़े के शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी। सूचना पाकर फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। वहीं आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग से लाखों का नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बता दें कि, हीरानगर स्थित वीनस ट्रेडर्स की दुकान दो मंजिल पर है। लोगों ने सुबह दुकान और गोदाम से धुआं निकलता देखा और इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की। फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर बमुश्किल काबू पाया।

फोर जी सेच्युरेशन प्रोजेक्ट के तहत बीएसएनएल के 65 टावर स्थापित

हल्द्वानी, एजेंसी। बीएसएनएल के फोर-जी सेच्युरेशन प्रोजेक्ट के चलते कुमाऊं के करीब 500 गांवों के लोगों को पहली बार फोर जी इंटरनेट की सुविधा मिलने जा रही है। इस फोर-जी सेच्युरेशन प्रोजेक्ट के तहत कुमाऊं मंडल में कुल 231 टावर स्थापित किए जाऐंगे। इसमें नैनीताल और अल्मोड़ा ऑपरेशनल यूनिट में 65 टावर स्थापित भी कर दिए गए हैं। दूर-दराज के गांवों तक फोर जी इंटरनेट की सुविधा देने के लिए फोर-जी सेच्युरेशन प्रोजेक्ट चल रहा है। इसमें बीएसएनएल की ओर से नैनीताल और अल्मोड़ा को ऑपरेशनल यूनिट बनाया गया है। दोनों यूनिट में अब तक 65 टावर लगा दिए गए हैं। इसमें नैनिताल में 17, यूएस नगर में 13, अल्मोड़ा में नौ, बागेश्वर में पांच, पिथौरागढ़ में 10, चंपावत में 11 टावर लगा दिए गए हैं। इसके लिए बीएसएनएल ने जिला प्रशासन से भूमि की मांग की थी, जहां 90 प्रतिशत भूमि सरकार ने बीएसएनएल को उपलब्ध करा दी है। वहीं, 10 प्रतिशत निजी भूमि पर बीएसएनएल फोर जी टावर लगाएगा। इस प्रोजेक्ट के चलते गांव के लोगों को फोर जी इंटरनेट से जुड़ी सभी सेवाएं जैसे बैंकिंग सेवा, ऑनलाइन पढ़ाई, और अन्य डिजिटल सेवा का लाभ मिलेगा।

बिना लाइफ जैकेट नौकायन करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नैनीताल, एजेंसी। नगर पालिका की सख्ती का कोई असर देखने को नहीं मिला है। नौका चालक अब भी सैलानियों को बगैर लाइफ जैकेट पहनाए नौकायन करा रहे हैं। यही नहीं कई सैलानी तो झील के बीचों बीच नाव में खड़े होकर फोटोशूट तक करा रहे हैं। ऐसे में यदि झील में कोई हादसा हो जाए तो इसका जिम्मेदार कौन होगा यह सवाल बना हुआ है।

नगर पालिका ने दो दिन पहले ही बगैर लाइफ जैकेट नौकायन करा रहे नौका चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की थी और साथ ही बगैर लाइफ जैकेट किसी को भी नौकायन न कराने की चेतावनी भी दी थी। सोमवार को पालिका की यह सख्ती बेअसर नजर आई। अमर उजाला की टीम ने सोमवार को झील में हो रहे नौकायन का जायजा लिया तो कई सैलानी पैडल बोट में बगैर लाइफ जैकेट पहने और मस्ती करते हुए नौकायन करते नजर आए। इस दौरान न तो किसी ने ऐसे पर्यटकों को टोका और न ही पालिका की टीम की ओर से कोई कार्रवाई की गई।

इस संबंध में पूछे जाने पर ईओ राहुल आनंद ने बताया कि दो दिन पहले ही बगैर लाइफ जैकेट पहने नौकायन कराते नाव चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि अब बिना लाइफ जैकेट नौकायन करने वाले पर्यटकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

आप का बड़ा खुलासा, ईडी ने सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज से डिलीट की ऑडियो

बिना ऑडियो के कैसे पता चलेगा कि गवाहों से लिए गए बयान सही हैं या गलत या फिर उनकी गवाही से मेल खाते हैं या नहीं : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने तथाकथित आबकारी घोटाले मामले में चल रही ईडी की जांच पर बड़ा खुलासा किया है। मंगलवार को ह्यआपह्लह्ल की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि ईडी ने सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज से ऑडियो को डिलीट कर दिया है। लिहाजा, यह प्रश्न उठ रहा है कि बिना ऑडियो के कैसे पता चलेगा कि ईडी ने जिन गवाहों से बयान लिए, वो सही है या गलत है या फिर उनकी गवाही से मेल खाते हैं या नहीं। सच तो यह है कि ईडी की पूरी जांच ही फर्जी है। ईडी जांच नहीं कर रही है, बल्कि उसकी जांच में ही घोटाला है। उन्होंने 2020 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि कोई भी जांच सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में एजेंसी गवाहों से पूछताछ करेगी और वीडियो के साथ ऑडियो भी रिकॉर्ड करना होगा। इसके बावजूद ईडी ने ऑडियो रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी। आखिर किसे बचाया जा रहा है। इसलिए ईडी से हमारी मांग है कि पिछले डेढ़ साल में गवाहों से हुई पूछताछ की ऑडियो देश और कोर्ट के सामने रखे। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेन्स में आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि जबसे सोमवार शाम ट्विटर में बताया कि मंगलवार सुबह ईडी को एक्सपोज करने को लेकर एक बहुत बड़ा खुलासा करने जा रहे हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी को डराने और चुप कराने के लिए मंगलवार सुबह 7 बजे से ही पार्टी से जुड़े लोगों के घर में ईडी की रेड शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और कोषाध्यक्ष एनडी गुप्ता और उनके पीए के घर पर रेड हो रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए के घर में रेड हो रही है और सुनने में आ रहा है कि आज दिन भर आम आदमी पार्टी के नेताओं के घर में ईडी रेड करने वाली है। बीजेपी शासित केंद्र सरकार की एजेंसी ईडी आम आदमी पार्टी को डराने, धमकाने और दबाने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी और उनकी एजेंसियों ईडी और सीबीआई को यह बताना चाहती है कि वह किसी धमकियों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल से आम आदमी पार्टी के नेताओं को डराया और धमकाया जा रहा है। इस तथाकथित शराब घोटाले के नाम पर कभी किसी नेता के घर पर छापा पड़ता है, कभी किसी नेता को समन आता है तो कभी किसी को गिरफ्तार किया जाता है। लेकिन इस 2 साल की जांच में ईडी को अभी तक कोई भी सबूत नहीं मिला है। किसी भी क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन में 3 चीज महत्वपूर्ण होती है। सबसे पहले रिकवरी आफ मनी, जिसकी लॉन्ड्रिंग हुई है। ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट की तहत कार्रवाई करता है। लेकिन 2 साल की जांच और रेड के बाद भी ईडी एक भी रुपये की रिकवरी नहीं कर पाई है। किसी केस में दूसरी सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है सबूत। लेकिन 2 साल की जांच के बाद भी ईडी को एक भी सबूत नहीं मिला है। वहीं, किसी भी केस में तीसरी महत्वपूर्ण चीज होती है स्टेटमेंट यानी की गवाही। ईडी का सारा कैस स्टेटमेंट पर था और उसने कई लोगों को सरकारी गवाह बनाकर स्टेटमेंट दिलवाए थे। आतिशी ने कहा कि आज जो खुलासा करने जा रहे हैं, उससे पता चल जाएगा कि ये सारी स्टेटमेंट फर्जी हैं। ईडी ने सारे स्टेटमेंट में फजीर्वाड़ा किया हुआ है। ईडी के स्टेटमेंट लेने के बाद कई गवाह सामने आए और उन्होंने कहा कि उनसे स्टेटमेंट दबाव पूर्वक लिया गया है। इनमें से एक गवाह ने तो यहां तक कहा कि ईडी वालों ने स्टेटमेंट लेने के लिए उनके कान पर इतने जोर से थप्पड़ मारा की कनपटी फट गई, इसलिए उसने दबाव में स्टेटमेंट दिया। एक गवाह ने कहा कि ईडी ने उनसे कहा कि अगर आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ बयान नहीं दिया तो हम देखेंगे कि तुम्हारी बेटी कॉलेज कैसे जाती है। एक गवाह को डराया और कहा गया कि अगर तुमने आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ बयान नहीं दिया तो तुम्हारी पत्नी को गिरफ्तार कर लेंगे। ऐसे में बार-बार डरा- धमका कर अलग-अलग लोगों से स्टेटमेंट ली गई। अब कैसे पता चलेगा कि जो स्टेटमेंट ईडी ने कोर्ट में पेश किया है, वह सही है या। गलत। आप की वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस देश में एजेंसी और पुलिस के डराने और धमकाने को रोकने के लिए साल 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने एक आर्डर दिया था। परमवीर सिंह सैनी वर्सेज बलजीत सिंह एंड अदर्स के आर्डर के तहत किसी भी इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी को अपनी पूछताछ सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में करनी होती है। इस जजमेंट में स्पष्ट तौर पर लिखा है कि यह आदेश ईडी पर भी लागू होता है। इस आर्डर में साफ तौर पर यह भी लिखा है कि सीसीटीवी की फुटेज केवल वीडियो नहीं हो सकती है, बल्कि ऑडियो भी होनी चाहिए, क्योंकि अगर ऑडियो और वीडियो फुटेज नहीं होगी तो यह सबूत नहीं बचेगा कि क्या किसी को डराया और धमकाया गया है। जो गवाह ने बोला और कागज पर लिखा है, क्या वह एक ही चीज है या अलग-अलग है। सीबीआई के स्पेशल कोर्ट में जब एक आरोपी ने ईडी की सीसीटीवी फुटेज मांगी तो इसी आदेश का वाला देते हुए जस्टिस एमके नागपाल ने कहा कि हर गवाह और आरोपी का अधिकार है कि उसे ऑडियो और वीडियो के साथ सीसीटीवी फुटेज मिले। जब एक आरोपी, जिसका ईडी ने एक सरकारी गवाह से आमना-सामना करवाया और स्टेटमेंट ली गई तो उसने कुछ दिन पहले कोर्ट में एप्लीकेशन डाली और कहा कि उसे सीसीटीवी फुटेज चाहिए। आरोपी और सरकारी गवाह के आामने-सामने की इस पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी की निगरानी में हुई, लेकिन जब वह स्टेटमेंट कोर्ट में जमा कराई गई तो आरोपी ने देखा कि जो बात कमरे के अंदर हुई है और जो बात स्टेटमेंट में लिखी हुई है, वह दोनों अलग-अलग है। आरोपी के मांगने पर जब ईडी ने उस सीसीटीवी फुटेज को जमा कराया तो उसका ऑडियो डिलीट कर दिया, केवल वीडियो फुटेज दी गई। ऑडियो न होने के चलते वीडियो फुटेज में बातचीत के सारे सबूत मिट गए थे। न केवल उसे केस में, बल्कि आम आदमी पार्टी के पास विश्वसनीय सूत्रों से खबर है कि जब से इस आबकारी नीति के इन्वेस्टिगेशन का मैटर शुरू हुआ है। पिछले डेढ़ साल के सारे इंटेरोगेशन सारे सवाल-जवाब जो ईडी में हुए थे, सभी के ऑडियो फुटेज को डिलीट कर दिए गए है। आतिशी ने कहा कि इससे पता चलता है कि एक तो पैसों की रिकवरी नहीं हुई। दूसरा सबूत नहीं मिला और जो ईडी का कोर्ट में एकमात्र आधार स्टेटमेंट था, वह भी फर्जी निकला। अगर स्टेटमेंट से फर्जी नहीं होती तो ईडी को ऑडियो डिलीट करने की जरूरत नहीं पड़ती। आज देश के सामने यह बात आ गई है कि यहां पर घोटाले की जांच नहीं हो रही है। ईडी के इस जांच में ही घोटाला है। ईडी से पूछना चाहते हैं कि वह ऑडियो रिकॉर्डिंग डिलीट करके किसको बचाना चाहती है। ईडी ऐसा क्या छिपाना चाहती है, जिसकी वजह से उन्होंने पिछले डेढ़ साल की सारी ऑडियो रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी है। आप पूरे देश और कोर्ट के सामने पूरी डिटेल रखिए कि पिछले डेढ़ साल में आपने जितनी जांच और सवाल-जवाब किए हैं, उनमें से कितनों के ऑडियो रिकॉर्डिंग आपके पास मौजूद हैं। ईडी अगर ऑडियो रिकॉर्डिंग देश और कोर्ट के सामने नहीं रख पाती है तो इस सारे इन्वेस्टिगेशन के दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इसको लेकर आम आदमी पार्टी ने राऊज एवेन्यू के ईडी और सीबीआई कोर्ट में एप्लीकेशन फाइल कर सारे वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग की डिमांड की है।

अब संपन्न लोग भी अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों से निकाल कर सरकारी स्कूलों में भर्ती करा रहे हैं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सीएम ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी तो हमारा मकसद गरीबों के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा देना था। कई लोगों ने सलाह दी कि एक आदेश जारी कर दो कि सारे आईएएस, आईपीएस अफसरों और मंत्रियों के बच्चे भी अनिवार्य रूप से सरकारी स्कूलों में ही पढ़ेंगे। लेकिन जबरजस्ती करने से शिक्षा अच्छी नहीं होती है। हमनें दूसरा आइडिया अपनाया कि हम सारे सरकारी स्कूलों को इतना अच्छा कर देंगे कि सभी मंत्री, आईएएस और आईपीएस अफसर अपने बच्चों का खुद सरकारी स्कूलों में दाखिला करवाना चाहेंगे। मुझे ये कहते हुए खुशी हो रही है कि हमारे कई विधायकों ने अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में दाखिला करवाया है। मटियाला विधानसभा से विधायक गुलाब सिंह और ओखला से विधायक अमानातुल्लाह खान जैसे कई विधायक हैं जिनके बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भर्ती करवाया, क्योंकि उनको लगता है कि उनके इलाके का सरकारी स्कूल अब बहुत अच्छा हो गया है। ऐसे कई सारे अमीर लोग भी हैं। सुप्रीम कोर्ट के बहुत बड़े वकील ने अपने बच्चे को एक नामी प्राइवेट स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में भर्ती करवाया है। उनके पास पैसों की कोई कमी नहीं है। उनको लगता है कि जो सरकारी स्कूल उनके घर के पास बना है, उसमें वो सुविधाएं हैं जो उस प्राइवेट स्कूल में नहीं हैं। मुझे एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले एक बच्चे ने बताया कि वो दिल्ली के नामी सेंट कोलंबस स्कूल से आया है। जब सेंट कोलंबस जैसे स्कूलों से नाम कटवाकर बच्चे सरकारी स्कूलों में भर्ती हो रहे हैं। हमारे सरकारी स्कूलों में कुछ तो अच्छा हो रहा होगा, तभी लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों से निकालकर इन सरकारी स्कूलों में भर्ती करवा रहे हैं। हमारा ये मॉडल सफल हुआ। हमने सबके लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया। हमने ऑर्डर पास कर जबरजस्ती नहीं की।

स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस की 6 हजार सीटों के लिए 1.40 लाख बच्चों ने आवेदन किया- आतिशी

अगले शैक्षिक सत्र से स्कूल में एस्टीम करिकुलम की भी पढ़ाई होगी

- दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चे और ये है अरविंद केजरीवाल की शिक्षा क्रांति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि ये अरविंद केजरीवाल की शिक्षा क्रांति का ही कमाल है कि इस साल जब हमारे एएसओएसई के लिए 6 हजार सीटों पर एडमिशन खुला तो 1 लाख 40 हजार बच्चों ने आवेदन पत्र आए। आज हमारे सरकारी स्कूल से पढ़े हुए बच्चे किसी दुकान में नौकरी, किसी के घर में काम, कहीं ड्राइवर या मैकेनिक का काम करने के बारे में नहीं सोचते हैं। आज दिल्ली के सरकारी स्कूल से पढ़े हुए बच्चा ये सोचता है कि आईआईटी में एडमिशन ले लूं, कंप्यूटर साइंस इंजीनियर बन जाऊं, जेई पास कर लूं, नीट क्लीयर कर लूं, बड़ा डॉक्टर या इंजीनियर बन जाऊं, अपना बिजनेस या रेस्टोरेंट शुरू कर लूं। आज ये हैं दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चे और ये है अरविंद केजरीवाल की शिक्षा क्रांति। पिछले कई सालों से हर साल दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 500 से ज्यादा बच्चों ने आईआईटी और नीट का इन्जाम पास किया। पिछले साल हमारे 1500 से ज्यादा बच्चों ने आईआईटी और नीट का इन्जाम पास किया था। आज वो बच्चे देश के बड़े-बड़े डॉक्टर और इंजीनियर कॉलेज में दाखिला ले लेकर पढ़ाई कर रहे हैं।

वर्तमान में इस स्कूल में राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय (आरपीवीवी) और अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस-ह्यूमिनिटीज के बच्चे पढ़ते हैं। आरपीवीवी में 10वीं, 11वीं और 12वीं के 245 छात्र हैं, जबकि एएसओएसई में 9वीं और 10वीं के 110 छात्र ह्यूमिनिटी की पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं आगामी शैक्षिक सत्र 2024-25 में एस्टीम (एसटीईएम) का करिकुलम भी लागू किया जाएगा। यहां पश्चिम विहार, नांगलोई और पीरागढ़ी से बच्चे पढ़ने आते हैं। साथ ही यह पश्चिम दिल्ली का यह पहला अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एएसओएसई) है।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बावजूद ईडी ने गवाह के बयान की ऑडियो रिकॉर्डिंग क्यों नहीं है ?: सौरभ भारद्वाज

- ईडी अधिकारी के नाम, पद व हस्ताक्षर के साथ ईडी अपना आधिकारिक बयान जारी करे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कल हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदन में लंबा चौड़ा भाषण दिया, सभी न्यूज चैनलों पर वह भाषण दिखाया गया कपरंतु सोचिए यदि उस भाषण में ऑडियो नहीं होती तो वह कैसा लगता कप्रधानमंत्री जी केवल इशारे करते हुए नजर आते कप्रश्न पूछते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार का बिना ऑडियो वाला वीडियो कोई न्यूज चैनल अपने चैनल पर दिखता क उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के ऐसे बिना आवाज वाले वीडियो की क्या ही तो कीमत रह जाती कइस बात को कोर्ट में आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ चल रहे एक तथाकथित मामले के साथ जोड़कर सुप्रीम कोर्ट के 2 दिसंबर 2020 के एक मामले में दिए गए आदेश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह सख्त निर्देश है, कि किसी भी प्रकार की जांच में जांच एजेंसियों को बयान लेते वक्त उसकी ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग की जानी जरूरी है, ताकि इस बात की तस्दीक की जा सके, कि जो बयान उस गवाह से लिया गया है, वह उसने अपनी मर्जी से दिया है और उस पर जांच एजेंसी द्वारा किसी भी प्रकार का कोई दबाव नहीं बनाया गया है कउन्होंने कहा, परंतु सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश होने के बावजूद भी केंद्र शासित ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए, आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ चल रहे तथाकथित मामले में गवाह और अभियुक्तों के बयान की ऑडियो रिकॉर्डिंग नहीं की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि किसी भी मामले में यह जानने के लिए की जिस व्यक्ति से बयान लिया गया है वह व्यक्ति गवाह है या मुजरिम है, और जो बयान उसके द्वारा दिया गया है वह उसे डरा धमकाकर या उस पर दबाव बनाकर तो नहीं लिया गया है, इन बातों की तस्दीक करने के लिए ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग का होना बेहद जरूरी है, परंतु इस मामले में ऑडियो रिकॉर्डिंग नहीं है कउन्होंने कहा कि जब ऑडियो रिकॉर्डिंग की ही नहीं गई है, तो यह कैसे पता चलेगा कि जो ईडी द्वारा लिखित में कोर्ट के सामने बयान प्रस्तुत किया जाता है, गवाह ने वही बातें बोली थी या नहीं बोली थी ? मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि न केवल 2 दिसंबर 2020 की मामले में बल्कि इस मामले में भी 19 जुलाई 2023 को कोर्ट द्वारा साफ तौर पर इस बात को कहा गया है, कि इस मामले में गवाहों के बयानों की पूरी तरीके से रिकॉर्डिंग होनी चाहिए, इसके बावजूद भी गवाह के बयान की ऑडियो रिकॉर्डिंग ईडी द्वारा नहीं की गई। ईडी की इस प्रकार की गैर जिम्मेदाराना कार्यवाही पर प्रश्न उठाते हुए उन्होंने कहा, कि एक तो इस मामले में कोर्ट के सख्त आदेश होने के बावजूद भी ईडी द्वारा गवाह की ऑडियो रिकॉर्डिंग नहीं की गई और उस पर हास्यास्पद यह है, कि ईडी द्वारा बयान जारी किया जाता है, परंतु उस बयान पर ना तो किसी अधिकारी का नाम लिखा होता है, ना किसी अधिकारी के हस्ताक्षर होते हैं क अर्थात यह मालूम ही नहीं है कि यह जो बयान ईडी की ओर से जारी किया जा रहा है, यह बयान किसके द्वारा दिया जा रहा है कउन्होंने कहा कि यदि ईडी ने किसी प्रकार का कोई गैर संवैधानिक काम नहीं किया है, तो ईडी द्वारा यह बयान आधिकारिक तौर पर दिया जाना चाहिए और इस बयान में उस अधिकारी का नाम, पद और हस्ताक्षर होने चाहिए, जिस अधिकारी द्वारा यह बयान ईडी की ओर से जारी किया जा रहा है कसौरभ भारद्वाज ने बीते दिनों उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा दिए गए एक बयान, जिसमें उन्होंने कहा था, कि दिल्ली बाल आयोग को दिए जाने वाला पैसा बंद किया जाएगा और जो खबर सभी अखबारों में भी खूब चर्चा में रही, इसका हवाला देते हुए कहा, कि बाद में उपराज्यपाल महोदय अपने इस बयान से मुकर गए, कि हमने इस प्रकार का कोई बयान नहीं दिया है कइस प्रकार से ईडी द्वारा जारी किए गए इस बयान की भी तब तक कोई प्रमाणिकता नहीं है, जब तक की इस बयान पर जारी करने वाले अधिकारी का नाम उसका पद और हस्ताक्षर नहीं लिख दिए जाते ।

दिल्ली सरकार ने डेढ साल में बिल्डिंग बनाकर किया समर्पित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

यह स्कूल भवन भूतल के अलावा तीन मंजिला बना है, जिसे पीडब्ल्यूडी ने बनाया है। इससे पहले 1997 में भूतल समेत दो मंजिला बिल्डिंग का निर्माण किया गया था और 45 अर्ध स्थायी संरचना भी शामिल है। यह स्कूल 1990 के दशक में दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित शुरूआती तीन राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालयों में से एक है। सुरक्षा कारणों से 2019 में इस स्कूल में बने अर्ध स्थायी संरचना वाले कमरों को गिरा दिया गया था। बच्चों की शिक्षा पर विपरित असर न पड़े, इसे देखते हुए अस्थाई शेड में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था। केजरीवाल सरकार ने 2020 में स्कूल परिसर में ग्राउंड के अलावा तीन मंजिला बिल्डिंग बनाने की मंजूरी दी। जुलाई 2022 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ और फरवरी 2024 में निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। नई बिल्डिंग में बने हैं 129 बड़े-बड़े कमरे-स्कूल की जमीन का कुल क्षेत्रफल 14,713.041 वर्ग मीटर है, जो लगभग 3.6 एकड़ है। नई बिल्डिंग में 129 बड़े-बड़े कमरे बने हैं। जिसमें ग्रीन बोर्ड और फर्नीचर से लैस 54 क्लास रूम, 13 लैब, लाइब्रेरी, एक्टिविटी और अन्य कमरे, हर मंजिल पर टॉयलेट ब्लॉक और दो लिफ्ट, 130 लोगों की क्षमता वाला एयर कंडीशन्ड हॉल, असेंबली के लिए खुला मैदान है।

दिल्ली सरकार के सेवानिवृत्त पैंशनरों टेंडर रिन्यू नहीं होने से दवा सप्लाई बाधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के सेवानिवृत्त पैंशनरों को कैशलेश मेडिकल सेवाओं के अंतर्गत नार्थ डिस्ट्रिक्ट में स्थित दिल्ली सरकार की डिस्पेंसरियों से दवाओं की आपूर्ति 13जनवरी से इसलिए बाधित हो रही हैं क्योंकि दिल्ली सरकार ने दवा सप्लायर का दवा आपूर्ति का टेंडर अभी नहीं किया है। दवा आपूर्ति रुक जाने से बुजुर्ग पैंशनर कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या हर साल आती है। दिल्ली सरकार सेवानिवृत्त पेंशनर्स कर्मचारी डी.जी.ई.एच.एस लाभार्थी कल्याण संघ के अध्यक्ष दयानंद वत्स ने इस संबंध में दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज को एक्स पर पोस्ट कर उनका ध्यान इस समस्या की और आकृष्ट करते हुए उनसे मांग की है कि दवा सप्लायर का टेंडर तत्काल कराया जाए ताकि पैंशनरों को दवा नहीं मिलने से हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

सभी बच्चों से अपील, इस देश ने आपको अच्छी शिक्षा दी है, कभी अपने देश को न भूलना : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले ज्यादातर बच्चे गरीब परिवारों से जरूर आते हैं लेकिन हर एक के मन में एक सपना होता है। हर बच्चा कुछ करना और कुछ बनना चाहता है। पहले उनके पास वह सपना पूरा करने के लिए साधन नहीं होते थे और सपने मर जाया करते थे, लेकिन अब हमने इन बच्चों को अपने सपने पूरे करने के लिए पंख दिए हैं, सारी सहूलियतें और साधन दिए हैं। अब अपने सपनों को पूरा करने के लिए जी-जान लगा देना। जीवन में कुछ भी फ्री में नहीं मिलता। ये पैसा दिल्ली सरकार से आ रहा है, जो दिल्ली के दो करोड़ लोगों के टैक्स का पैसा है। गरीब से गरीब आदमी भी जब बाजार से माचीस, पैंसिल या कलम कुछ भी समान खरीदता है तो उसपर जीएसटी, एक्साइज समेत कई टैक्स देता है। उनके टैक्स के पैसों से आपको शिक्षा मिल रही है। आप आगे चलकर जिस भी क्षेत्र में जाओ लेकिन अपने देश को नहीं भूलना। क्योकि इस देश ने आपको अच्छी शिक्षा दी है। उन्होंने कहा कि मेरे मन में भी देश के लिए हमेशा यही भावना रहती है। 1989 में मैं आईआईटी खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग पास किया। वहां हमें सारी सुविधाएं मिलती थी, लेकिन हमारी ट्यूशन फीस 30 रुपये महीना हुआ करती थी। 30 रुपए महीने के अंदर आईआईटी जैसे शानदार संस्थान में इतनी शानदार पढ़ाई नहीं हो सकती। मेरा देश मुझे पढ़ा रहा था। मेरा देश नें मेरी शिक्षा के ऊपर पैसा खर्च किया, इसलिए मैं आज यहां तक पहुंच पाया। इसलिए आप जो भी बन जाओ ये हमेशा याद रखना की आपके देश ने आपको पढ़ाया है। इस देश का सबसे बड़ा योगदान है। आप इस देश की सेवा जरूर करना।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षा क्रांति आ गई है- आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि पिछले नौ साल में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की क्रांति आई है। इस दौरान हमने ना सिर्फ नए स्कूल बनवाए बल्कि स्कूलों में हो रही कमरों की कमी को भी पूरा किया। 2015 में पूरी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मात्र 24 हजार कमरे हुआ करते थे। यानि 1947 में जब देश आजाद हुआ तबसे 2015 तक दिल्ली में केवल 24 हजार कमरे बने। सीएम अरविंद केजरीवाल ने मात्र 9 साल में 20 हजार यानि लगभग दोगुना कमरे बनाकर दिखा दिए। ये होती है लीडरशिप। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से किसी मामले में कम नहीं हैं। पिछले 7 सालों से लगातार दिल्ली के सरकारी स्कूलों के नतीजे, प्राइवेट स्कूलों से बेहतर आ रहे हैं। आज इस स्कूल बिल्डिंग में आरपीवीवी के साथ अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस चल रहा है।

ईडी ने गायब किया गवाह का आडियो : जस्मिन शाह

- ईडी को आज तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, फिर भी आप के नेताओं को लगातार जेल भेजा जा रहा है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने तथाकथित आबकारी मामले में ईडी द्वारा कोर्ट में पेश वीडियो फुटेज से ऑडियो गायब किए जाने पर गंभीर प्रश्न खड़ा किया है। आप के वरिष्ठ नेता जस्मिन शाह का कहना है कि बीते तीन फरवरी को एक आरोपी ने कोर्ट में कहा कि जब उसने ईडी से उसकी एक सरकारी गवाह के आमने-सामने की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग मांगी, तो ईडी ने केवल वीडियो फुटेज दी, वीडियो में से ऑडियो पूरी तरह से गायब कर दी गई। उन्होंने कहा, ह्यह्यआपह्लह्ल को पता चला है कि यह पहली घटना नहीं है, बल्कि ईडी ने कई अन्य वीडियो की ऑडियो को गायब कर दिया है। दरअसल, यह पूरा मामला ही फर्जी है। ईडी ने सरकारी गवाहों के बयानों पर यह पूरा केस खड़ा किया है। ईडी को बताना चाहिए कि पूछताछ की ऑडियो-वीडियो की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के कोर्ट के आदेश के बावजूद उसने किसके दबाव में आकर वीडियो से ऑडियो को गायब कर दिया। उन्होंने कहा कि इस केस का मूल मकसद अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर आम आदमी पार्टी को खत्म करना है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता जस्मिन शाह ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर ईडी की जांच पर प्रश्नचिन्ह उठाया। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में दिल्ली का तथाकथित शराब घोटाला पहला ऐसा मामला होगा, जिसमें पिछले दो साल से ईडी की जांच चल रही है। पूरे देश में ईडी अब तक हजारों रेड मार चुकी है, लेकिन एक चवन्नी की रिकवरी नहीं हुई है और न तो कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को लगातार जेल में भेजा जा रहा है। ईडी ने पहले जिन लोगों को इस मामले में आरोपी बनाया था, उनमें से कुछ आरोपी अब सरकारी गवाह बन गए हैं। उन सरकार गवाहों के बयानों के आधार पर यह पूरा केस खड़ा किया गया है और झूठों का पूरा पुलिंदा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी गवाहों के बयानों में कितनी सच्चाई है, हमें इसे समझने की जरूरत है। पिछले साल कई आरोपी और गवाहों ने कोर्ट में जाकर कहा था कि हमें डरा-धमका कर जबरदस्ती बयान पर हस्ताक्षर कराया गया है। एक गवाह ने कोर्ट में लिखित बयान दिया है कि मेरे कान के नीचे इतने जोर का थप्पड़ मारा गया कि कान के पर्दे फट गए, अब सुनाई नहीं देता है। दूसरे गवाह ने कहा है कि ईडी ने उससे कहा कि अगर आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं का नाम नहीं लोगे तो हम देखेंगे कि तुम्हारी बेटी कॉलेज कैसे जाती है? जबकि एक अन्य गवाह ने कहा कि मेरी बीवी को अरेस्ट करके डराया-धमकाया गया और एक नकली बयान पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। इन तीनों गवाहों ने लिखित रूप में यह बयान कोर्ट के सामने रखा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह यह जांच चल रहा है। आप के वरिष्ठ नेता जस्मिन शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिसंबर 2020 को परमवीर सिंह सैन बनाम बलजीत सिंह व अन्य मामले में एक ऐतिहासिक ऑर्डर पास किया था।

मोदी सरकार ने 10 साल में बनाया आंतरिक सुरक्षा का एक मजबूत तंत्र: अमित शाह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ह्यसिक्योरिटी बियॉन्ड टुमॉरो: फोर्जिंग इंडियाज रेजिलिएंट फ्यूचरह्ल विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि, ह्यबीते 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश में आंतरिक सुरक्षा का एक मजबूत तंत्र तैयार करने में महत्त्वपूर्ण कामयाबी हासिल की है।ह्ल इस मौके पर शाह ने ह्यओआरएफ फॉरेन पॉलिसी सर्वेह्ल को भी लॉन्च किया। आजादी के बाद दशकों तक तुष्टिकरण की राजनीति के चलते देश ने चुनौतियों का सामना किया और विकास की राह में कहीं पीछे छूट गया। यह बात जगजाहिर है कि सालों तक आंतरिक सुरक्षा के मामले में देश आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से ग्रसित रहा, जिसका उदाहरण है जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट। इन क्षेत्रों में न कभी विकास संभव हो सका, न ही कभी कनेक्टिविटी बढ़ाई जा सकी और इंफ्रास्ट्रक्चर हमेशा अधर में लटका रहा। साल 2014 के बाद मोदी जी की जीरो टॉलरेंस की नीति और आतंकवाद को मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन समझने वाले शाह के सख़्त फैसलों की वजह से जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र और नॉर्थ ईस्ट जैसे तीन बड़े हॉट-स्पॉट आज विकास की राह पर अग्रसर हैं। सालों से उपेक्षित नॉर्थईस्ट के सभी राज्यों में आज रेल और एयर कनेक्टिविटी का काम तेज गति से जारी है। शाह का मानना है कि अगर देश की सीमाएँ सुरक्षित नहीं हैं, तो देश सुरक्षित नहीं रह सकता, क्योंकि बॉर्डर सिक्योरिटी ही नेशनल सिक्योरिटी है। मोदी जी की दूरदर्शिता और शाह की नीतियों के कारण आज अमृतकाल में गरीबी उन्मूलन से लेकर हेल्थ, अंतरिक्ष, इंवेस्टमेंट के साथ-साथ आंतरिक और वाह्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत पहले के मुकाबले बेहद सशक्त हुआ है। आज मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में 70 साल की कमियों को समाप्त करने का काम तेज गति से हो रहा है। मोदी जी की दूरदर्शिता और अमित शाह की अंत्योदय की राजनीति का परिणाम है कि, बीते 10 वर्षों में सालों से वंचित करोड़ों गरीबों को आवास, हर घर बिजली, हर घर नल से जल, शौचालय, मुफ्त गैस कनेक्शन के साथ-साथ 5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा देने का काम किया जा रहा है। आजादी के बाद दशकों तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूर देश के विकास में रोड़ा बना हुआ था। आज अमृतकाल में मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे नासूरों को न सिर्फ जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया जा रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव रखने का काम भी निरंतर जारी है। बीते 10 सालों में देश में राजनीतिक स्थिरता और भ्रष्टाचारमुक्त शासन को स्थापित करने का काम बखूबी किया गया है। नया भारत उपलब्धियों के नित नए आयाम को हासिल करते हुए दुनिया भर में अपनी एक नई पहचान बना रहा है। भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह का दावा बिलकुल सही साबित होने वाला है कि मोदी जी के आने वाले तीसरे कार्यकाल में भारत तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य जरूर हासिल करेगा। क्योंकि पूरी दुनिया ने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर पर पहुँचने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। बीते 10 वर्षों की उपलब्धियों के आधार पर इस बात को कहने से कोई गुरेज नहीं कि 2024 में एक बार फिर देश की जनता प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी जी का ही चुनाव करेगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-26-T-R3-23-24-E3 03 वर्ष की सीएएमसी के साथ दिल्ली मंडल में नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के संबंध में विद्युत कार्य।		
निविदा की अनुमानित लागत	₹231.87 लाख	बयाना राशि	₹2,65,900/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली		
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	06.03.2024 को 12:00 बजे		
निविदा खोलने की दिनांक व समय	06.03.2024 को 12:00 बजे		
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली		

383/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कुपवाड़ा में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी दिल्ली से गिरफ्तार

कुछ साल पहले नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद लश्कर के लिए काम करना शुरू कर दिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी रियाज अहमद राथर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान में बैठे लश्कर आकाओं के निर्देश पर रियाज अहमद राथर ने एलओसी के पार से हथियार व गोला बारूद प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह पहले सेना में नौकरी करता था। कुछ साल पहले सेवानिवृत्त हो जाने के बाद लश्कर के लिए काम करना शुरू कर दिया था। डीसीपी रेलवे केपीएस मल्होत्रा के मुताबिक रियाज अहमद राथर मूलरूप से गांव न्यू गबरा, तहसील करनाह ,जिला कुपवाड़ा, जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। यह लश्कर आकाओं द्वारा एलओसी के पार से हथियार और गोला-बारूद प्राप्त करने में खुर्शीद अहमद राथर और गुलाम सरवर राथर के साथ साजिश रचने में शामिल था। जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार हुए थे पांच आतंकी-चार फरवरी को जम्मू-कश्मीर पुलिस से नई दिल्ली रेलवे थाना पुलिस को सूचना मिली कि कि रियाज अहमद राथर, हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आतंकी माड्यूल के सक्रिय सदस्य हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस व सेना की संयुक्त कार्रवाई में पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। उनके कब्जे से पांच एके-47 राइफल, पांच मैग्जीन, 16 कारतूस सहित कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। इस संबंध में करनाह थाना पुलिस ने आपराधिक साजिश रचने, भारतीय शस्त्र अधिनियम, 13, 18, 20, 23, 38, 39 व यूएपीए अधिनियम आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया था। इनके कब्जे से बरामद हथियार और गोला-बारूद पीओके स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आका मंजूर अहमद शेख उर्फ शकूर (गबरा करनाह) और काजी मोहम्मद खुशाल (धन्नी करनाह) द्वारा भेजे गए थे। दोनों सीमा पार से ऑपरेट कर रहे थे। इससे पूछताछ में पता चला था कि रियाज अहमद ट्रेन से दिल्ली के लिए गया है। थानाध्यक्ष विश्वनाथ पासवान, एसआइ नसीब सिंह, एएसआइ यादराम, सुशील, हवलदार जयवीर और गौरव ने जांच शुरू कर दी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास उसकी लोकेशन का पता चलने पर स्टेशन के प्रवेश व निकास द्वारों पर पुलिस टीमों ने जांच शुरू कर दी। भीड़ में रियाज अहमद पर नजर पड़ने पर पुलिसकर्मियों ने जब उसे सुबह के समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के निकास गेट नंबर एक पर पकड़ने की कोशिश की तब वह वहां से भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन अलर्ट पुलिस टीम ने उसे वहां से दबोच लिया। दूसरे ठिकाने भागने की फिराक में था रियाज- पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने दोस्त अल्ताफ के साथ जबलपुर से महाकौशल एक्सप्रेस में सवार हुआ था और तीन फरवरी की दोपहर करीब तीन बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहां से आटो लेकर वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा था। रियाज अहमद राथर किसी दूसरे ठिकाने पर जाने वाला था इससे पहले वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। रियाज अहमद पर खुर्शीद अहमद राथर से हथियार और गोला-बारूद की खेप प्राप्त करने का आरोप है। यूसुफ राथर और गुलाम सरवर राथर को जम्मू-कश्मीर पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। रियाज अहमद और उसका दोस्त अल्ताफ 31 जनवरी 2023 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड बरामद किया गया है। रियाज अहमद को कानून की उचित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और जम्मू-कश्मीर के संबंधित थाना पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले हुड्डा के आंगन में पक रहा है सियासी पकवान

कांग्रेस नेता के घर पहुंचे चौधरी बीरेंद्र सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा आयोजित लंच में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह पहुंचे। बता दें कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा प्रतिवर्ष जनवरी-फरवरी माह में आयोजित संसद सत्र के दौरान अपने दिल्ली स्थित आवास पर लंच का आयोजन करते हैं। कई वर्ष बाद हुड्डा के लंच में शामिल हुए बीरेंद्र सिंह-इस लंच में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं सहित भारतीय जनता पार्टी व अन्य दलों के प्रमुख नेता भी शामिल होते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह कई वर्ष बाद हुड्डा के इस लंच में शामिल हुए हैं। पिछली बार हुड्डा के लंच में भारतीय जनता पार्टी के सांसद सांसद धर्मबीर सिंह, रमेश कौशिक तत्कालीन अलवर के सांसद और मौजूदा राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक महंत बालक नाथ सहित सपा नेता धर्मेंद्र यादव भी शामिल हुए थे। आनंद शर्मा समेत कई दिग्गज नेता भी शामिल- इस बार लंच में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी रहे कांग्रेस के दिग्गज नेता जनार्दन द्विवेदी, बीके हरिप्रसाद सहित पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी कुमार और आनंद शर्मा भी पहुंच चुके हैं। हुड्डा के पुत्र और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा आगंतुक अतिथियों का स्वागत कर रहे हैं। हुड्डा नाते में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के फुफेरे भाई हैं और इस लंच में वह अपने बेटे बृजेंद्र सिंह (भाजपा के हिसार से सांसद) के साथ पहुंचे थे। हुड्डा और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह कांग्रेस में रहते हुए भी राजनीतिक राह अलग रही थी।

मंत्री-विधायक सरकारी स्कूलों में बच्चों का करवा रहे एडमिशन

नई स्कूल बिल्डिंग के उद्घाटन के दौरान बोले सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार दोपहर को पश्चिम विहार के अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एएसओएसई) के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी भी उनके साथ रही। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब मैं स्कूल में घुसा, पहली नजर बिल्डिंग पर पड़ी, तो लगा कि क्या शानदार स्कूल बना है। केजरीवाल ने बचपन का किया जिक्र-एनसीसी के बच्चों ने प्रोफेशनल तरीके से सलामी दी। इस दौरान अपने बचपन को याद करते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा कि काश मैं भी ऐसे स्कूल में पढ़ा होता। जिस स्कूल से केजरीवाल ने पढ़ाई की, उससे भी बेहतर ये स्कूल है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह हरिणाणा के हिसार का रहने वाले हैं। उन्होंने हिसार के सबसे बेस्ट प्राइवेट स्कूल से शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन वो प्राइवेट स्कूल भी इतना बेस्ट नहीं था, जितना बेस्ट ये सरकारी स्कूल है।स्कूल में है 54 क्लासरूम-केजरीवाल ने बताया कि स्कूल में 54 से ज्यादा क्लासरूम हैं, दो बड़ी लाइब्रेरी हैं। 13 से ज्यादा लैबोरेटरी हैं और 18 एक्टिविटी हाल हैं। इतनी शानदार सुविधा दिल्ली के बड़े से बड़े नामी ग्रामी प्राइवेट स्कूल में भी नहीं होंगी। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि दिल्ली के बच्चों को बेस्ट से बेस्ट सुविधाएं मिले। चाहे कोई गरीब का बच्चा हो या अमीर का, सब को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। इस स्कूल में 1200 से ज्यादा बच्चे शिक्षा लें सकेंगे। देश को याद रखे छात्र-केजरीवाल ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वह किसी भी क्षेत्र में जाएं, लेकिन देश को न भूलें, क्योंकि इस देश ने ही उन्हें अच्छी शिक्षा दी है। उन्होंने कहा कि वह आईआईटी खड़कपुर से पढ़े हैं। उन्होंने मकेनिकल इंजीनियरिंग की थी और वर्ष 1989 में पासआउट हुए थे। वहां उन्हें सारी सुविधा मिलती थी। हां की ट्यूशन फीस मात्र 30 रुपये महीना होती थी। उन्होंने कहा कि इतनी कम फीस में कोई नहीं पढ़ सकता। सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों का एडमिशन करवा रहे विधायक-दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक अपने बच्चों के नाम प्राइवेट स्कूलों से कटवाकर सरकारी में दाखिला करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह सरकार में आए तो कुछ लोग उनसे कहते थे कि यह आदेश जारी कर दीजिए कि सभी आईएएस, आईपीएस के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे, जबरदस्ती कर दो। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती करने से शिक्षा अच्छी नहीं होती। उन्होंने कहा कि उन्होंने दूसरा आइडिया अपनाया कि वह सरकारी स्कूलों को इतना अच्छा कर देंगे कि सभी मंत्री, आईएएस अपने बच्चों को वालंटियरली सरकारी स्कूलों में भेजना शुरू करेंगे। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी थी। तब सरकारी स्कूलों के हालात देखकर आंखों में आंसू आ जाते थे। टायलेट से बदबू आती थी।बच्चों के बैठने के लिए डेस्क, कुर्सी नहीं होती थी।शिक्षक की जगह-जगह ड्यूटी लगी होती थी। सरकारी स्कूल के बच्चे हीन भावना से जुझते थे। पिछले नौ वर्ष में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की क्रांति आई है।

आप सरकार ने दिल्ली को वेंटिलेटर पर डाला : मीनाक्षी लेखी

- खुद को कट्टर ईमानदार कहने वाले बन गए भ्रष्टाचार की परिभाषा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली को वेंटिलेटर पर डाल दिया है। सोमवार को अदालत ने कहा कि दिल्ली में तीन करोड़ की जनसंख्या पर मात्र छह सिटी स्कैन मशीन है। इसे लेकर दिया गया शपथ पत्र भी झूठा पाया गया। कट्टर ईमानदार कहकर सत्ता में आने वाले अब भ्रष्टाचार की परिभाषा बन गए हैं। ईडी की जांच में ढाई से तीन हजार करोड़ की चोरी की बात-प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा किसी भी राज्य की रीढ़ की हड्डी होती है जिसे इस सरकार ने बर्बाद करने का काम किया। आबकारी घोटाले में ईडी की जांच में ढाई से तीन हजार करोड़ रुपये की चोरी होने की बात सामने आई है। अभी इसकी जांच चल ही रही है कि जल बोर्ड और स्वास्थ्य विभाग का घोटाला सामने आ गया। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में 30 हजार नए बेड की व्यस्था करने और प्रत्येक पांच हजार लोगों पर पांच बेड उपलब्ध कराने का वादा किया था जिसे पूरा नहीं किया गया। दवा खरीद में सबसे अधिक भ्रष्टाचार-900 प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाने का वादा किया था, परंतु नए खुलने की जगह पुराने भी बंद हो रहे हैं। मोहल्ला क्लीनिक के लिए बनाए गए पोर्टा कैबिन का खर्च 40 से 50 लाख रुपये बताया गया है। दवा खरीद में पारदर्शिता का वादा था, लेकिन इसमें सबसे अधिक भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निजी सचिव बिभव कुमार, जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार और सांसद व आप के कोषाध्यक्ष एनडी गुप्ता के ठिकानों पर जल बोर्ड व मनी लान्ड्रिंग मामलों में ईडी के छापे पड़ रहे हैं। पांच समन के बाद भी मुख्यमंत्री ईडी के सामने नहीं गए। शामिल नहीं हुए। आतिशी इधर-उधर की बात करती हैं लेकिन यह नहीं बताती हैं कि मुख्यमंत्री ईडी के सामने कब जा रहे हैं।

दिल्ली के वसंत विहार में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या की

दिल्ली में एक बार फिर चाकू बाजी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामले में साउथ दिल्ली के वसंत विहार में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात को अज्ञात बदमाशों ने अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक युवक की पहचान अश्विनी के रूप में हुई है। युवक के शरीर पर कई जगह चाकू से वार किए गए हैं। मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की है। अभी तक आरोपितों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 6 बजे इलाके के कुछ लोगों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वसंत विहार पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और बताया कि पीड़ित की पहचान अश्विनी (35) के रूप में हुई है। कुछ संदिग्धों को राउंडअप किया गया है। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें काम कर रही हैं।

बैठक में छोले-भटूरे का लुत्फ उठाने में लगे रहे पार्षद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली-एमसीडी की बैठक में पार्षद छोले भटूरे का लुफ्त उठाने में लगे रहे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दूसरी तरफ बजट पर चर्चा होती रही। वहीं, दिल्ली एमसीडी में कांग्रेस पार्षदों ने मेयर पर आरोप लगाया है। कांग्रेस पार्षदों का कहना है कि मेयर ने डीएमसी एक्ट का उल्लंघन किया है। आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे के साथ दिल्ली नगर निगम के पहले दिन का बजट सत्र सोमवार शाम को करीब साढ़े छह बजे समाप्त हुआ। दोपहर दो बजे से सदन की मीटिंग बुलाई गई थी और कार्यवाही शुरू होने के बाद सबसे पहले कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश को बोलने का मौका मिला था।

दिल्ली में सिक्किम की युवती से दरिंदगी : लोहे की रॉड से पीटा

फिर उड़ेली खौलती दाल; पांच घंटे तक तड़पती रही लड़की

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दक्षिण दिल्ली के नेबसराय इलाके से हैवानियत की सारी हदें पार करने वाला एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने दिल्ली को एक बार शर्मसार कर दिया है। इस घटना का शिकार सिक्किम की एक युवती हुई है, जिसके अपने प्रेमी ने ही उसे रूह कंपाने वाली सजा दी। दरअसल दक्षिण जिले के नेबसराय इलाके में सिक्किम की एक 32 वर्षीय युवती के साथ पहले उसके प्रेमी ने दुष्कर्म किया। फिर लोहे के रॉड से उसकी देर तक पिटाई की। इतने से भी उसका जी नहीं भरा तो आरोपी ने खौलती हुई दाल महिला पर उड़ेल दी और उसे तड़पने के लिए छोड़कर वहां से भाग गया। फेसबुक से हुई दोस्ती- दरअसल नॉर्थ-ईस्ट की युवती की दोस्ती फेसबुक के माध्यम से दिल्ली में रहने वाले पारस से हुई। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती गहरी हुई तो युवती पारस पर भरोसा करने लगी। उसने पारस को जॉब के लिए बोला। इस पर पारस ने युवती से जॉब के लिए दिल्ली आने की बात कही। इसी साल 10 जनवरी को पारस पर भरोसा कर जॉब के लिए युवती दिल्ली आ गई। दिल्ली आकर वह पारस के साथ ही खानपुर में रहने लगी। 30 जनवरी की है घटना-युवती और आरोपी के साथ-साथ रहने के चलते दोनों के बीच कई बार शारीरिक संबंध बने। दोनों एक-दूसरे से शादी की बातें भी करने लगे। 30 जनवरी के दिन भी दोनों के बीच शादी को लेकर बात हुई। उस दिन युवती पारस पर शादी के लिए कुछ ज्यादा ही दबाव बनाने लगी। इसस गुस्साए पारस ने पहले लोहे के सरिए से उसकी जमकर देर तक पिटाई की। इसके बाद गैस पर चढ़े दाल को उठाकर युवती के ऊपर फेंक दिया, जिससे युवती के चेहरा और हाथ जल गए। पांच घंटे तक तड़पी युवती-इस पूरी वारदात को अंजाम देने के बाद पारस युवती को तड़पता छोड़ कमरे को बंद कर चला गया। लगभग पांच घंटे तक युवती दर्द और जलन से रोती-चिल्लाती रही। उसकी चीख किसी तरह मकान मालिक तक पहुंची तो वह आया और उसने युवती को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी। पारस हुआ गिरफ्तार-पुलिस ने युवती को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। युवती के बयान पर नेब सराय थाने ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी पारस की तलाश शुरू कर दी। जिसे बाद में सतबरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। युवती के शरीर पर बीस जगह चोट के निशान हैं।

आरएमएल अस्पताल में युवक के अंगदान से बचेगी तीन मरीजों की जान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

एनसीआर में हाल के वर्षों में अंगदान बढ़ा है, लेकिन दिल्ली और एनसीआर अंगदान का बड़ा केंद्र एम्स ट्रॉमा सेंटर ही रहा है। बाकी बड़े अस्पतालों में कभी कभार ही अंगदान होते हैं। इसी क्रम में आरएमएल अस्पताल में लंबे समय बाद मंगलवार को हादसे के शिकार 32 वर्षीय युवक का अंगदान हुआ। पहली मंजिल से गिर गया था युवक-इससे तीन मरीजों को जीवन मिलेगा। शाम तक तीनों मरीजों की अंग प्रत्यारोपण सर्जरी हो जाएगी, जो लंबे समय से आर्गेन फेल्योर की बीमारी से जूझ रहे हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार आजादपुर के रहने वाला वह युवक शराब के नशे के कारण घर की छत की पहली मंजिल से गिर गया था। इस वजह से उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। उसे इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल के ट्रामा सेंटर ब्लाक में भर्ती कराया गया था, लेकिन वह ब्रेन डेड हो गया। इस वजह से अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने परिवार के लोगों से उसके अंगदान के लिए प्रेरित किया। किडनी और लिवर दान की प्रक्रिया हुई शुरू-परिवार के लोगों ने इसकी स्वीकृति दी। इसके बाद दोनों किडनी और लिवर दान की प्रक्रिया शुरू की गई। एक किडनी एम्स में एक मरीज को प्रत्यारोपित की जाएगी। दूसरी किडनी आरएमएल में एक अन्य मरीज को प्रत्यारोपित की जाएगी। वहीं लिवर दिल्ली के एक अन्य सरकारी अस्पताल में ले जाकर प्रत्यारोपित किया जाएगा।

संजय सिंह न्यायिक हिरासत से जाएंगे राज्यसभा

- शपथ लेने के लिए कोर्ट से फिर मिली अनुमति

नोएडा, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दूसरी बार मंगलवार को संसद जाकर राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने की इजाजत दे दी। उन्हें पुलिस हिरासत में 8 फरवरी या 9 फरवरी को संसद जाने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के आदेश पर पहले भी उन्हें शपथ दिलाने की अनुमति दी गई थी। उन्हें 5 फरवरी को राज्यसभा में ले जाया गया था, लेकिन कुछ कारणों की वजह से शपथ नहीं दिलाई जा सकी। इसलिए अब उन्हें शपथ दिलाने की नई तारीखों का एलान किया है। कोर्ट से फिर मांगी थी अनुमति- विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने संजय सिंह के आवेदन को स्वीकार करते हुए कहा कि 3 फरवरी को इस अदालत ने जेल अधिकारियों को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाने के लिए आरोपी को न्यायिक हिरासत से राज्यसभा में ले जाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने आगे कहा कि संजय सिंह को उन दो तारीखों में से किसी एक को न्यायिक हिरासत से कड़ी सुरक्षा में राज्यसभा ले जाया जाए। इस संबंध में जेल अधीक्षक को राज्यसभा सचिवालय से संवाद करने का निर्देश दिया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई गिरफ्तारी-संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति (2021-22) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। पिछले हफ्ते दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में दायर नियमित जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। मामले में उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने 4 अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया था।

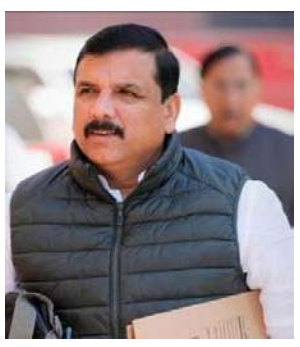

केजरीवाल के पीएस और सांसद एनडी गुप्ता के यहां छापेमारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के यहां छापा मारा है। ईडी की टीम ने 10 से ज्यादा ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। यह छापेमारी दिल्ली जल बोर्ड में भ्रष्टाचार मामले में हुई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार के यहां छापेमारी हुई है। शलभ कुमार जो जल बोर्ड के पूर्व मेंबर रहे हैं। उनके यहां भी छापा मारा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम आदमी पार्टी के सांसद एनडी गुप्ता के आवास पर ईडी की छापेमारी चल रही है। डीजेबी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जगदीश अरोड़ा और अनिल अग्रवाल की रिमांड बढ़ी-दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार डीजेबी के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता जगदीश अरोड़ा और ठेकेदार अनिल अग्रवाल की ईडी हिरासत अगले पांच दिनों के लिए बढ़ा दी गई। मामले की सुनवाई दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में हुई। जगदीश अरोड़ा और अनिल अग्रवाल को दिल्ली जल बोर्ड को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर की आपूर्ति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया। उन्हें पांच दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद पेश किया गया था। ईडी ने दोनों की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने दोनों की पांच दिनों के लिए रिमांड बढ़ा दी। जल बोर्ड में भाजपा ने लगाया था घोटाले का आरोप-बीते साल 18 नवंबर 2023 को केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली जल बोर्ड में 3,237 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा किया था। उन्होंने जल बोर्ड के बैंक खातों की स्टेटमेंट व वित्तीय रिपोर्ट का जिक्र भी किया था और कहा था कि वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच बोर्ड के वित्तीय खर्च के बारे में कई जानकारियां छिपाई गई हैं। वर्ष 2017-18 के बाद से बोर्ड के खातों की डिटेल डिक्लरेशन भी सही ढंग से नहीं की गई। बोर्ड में इसी तरह के कई वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने बताया था कि बोर्ड ने अपने 450 से अधिक बैंक खातों में से लगभग 110 को बैलेंस शीट में दिखाया ही नहीं है। इनमें 77 खातों में लगभग 100 करोड़ से अधिक की राशि पड़ी हुई है। कई खातों के आगे शून्य दिखाया गया है जबकि उनमें करोड़ों रुपये पड़े हैं। बोर्ड के हिसाब-किताब में लगभग 300 करोड़ रुपये के लेन-देन की जानकारी ही नहीं है। बोर्ड की 2018 की वित्तीय रिपोर्ट में 1,167 करोड़ रुपये का हिसाब-किताब ही नहीं है। बैंक एडजस्टमेंट के नाम पर लगभग लगभग 117 करोड़ रुपये की एंट्री दिखाई गई है, जो कहीं से भी जायज नहीं लग रही है। लगभग 135 करोड़ रुपये की एफडी प्रमाणपत्रों की जानकारी भी उपलब्ध नहीं है। बोर्ड की वित्तीय स्टेटमेंट में खर्च नहीं होने वाली राशि में लगभग 1,601 करोड़ रुपये दिखाए गए हैं, जबकि बोर्ड के खातों में यह राशि कहीं दिख नहीं रही है। भाजपा ने उठाए थे सवाल-भाजपा ने कहा था कि ऐसे में सवाल उठता है कि जब पैसा खर्च ही नहीं हुआ, तो पैसा खातों में क्यों नहीं है। लगभग 600 करोड़ रुपये के काम के लिए 12 हजार वर्क आर्डर निकालकर काम सौंपा भी गया। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से वाटर टैंकर का भुगतान किया गया, जिससे प्रोजेक्ट कॉस्ट 35 प्रतिशत बढ़ गई। बोर्ड ने टैंकर से वाटर सप्लाई के लिए लगभग 250 करोड़ रुपये बढ़ाकर भुगतान किया गया, जबकि इस मद में 637 करोड़ रुपये का ही भुगतान करना था।

शादी समारोह के दौरान रंजिश में दो युवकों को मारी गोली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

वेलकम इलाके में शादी समारोह के दौरान दो युवकों को गोली मारने का मामला सामने आया है। मारपीट करने के बाद आरोपियों ने दोनों पर फायरिंग कर दी। पीड़ित सुमित (29) के कान को छूती हुई गोली निकली तो वहीं इसके रिश्ते के भाई राहुल (38) के सीने में गोली लग गई। इसके बाद आरोपी हवा में गोलियां चलाते हुए फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां राहुल की हालत नाजुक बनी हुई है। सुमित परिवार के साथ एस-ब्लॉक, वेलकम में रहता है। इसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्न ी और एक बेटा है। सुमित का प्रॉपर्टी का कारोबार है। वहीं राहुल परिवार के साथ बुराड़ी इलाके में रहता है। वह पेशे से कार चालक है। रविवार रात को रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए झील पार्क पहुंचे। अभी दोनों शादी स्थल पहुंचे ही थे कि चार आरोपियों ने उनको घेर लिया। मारपीट करने के बाद एक युवक ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। बाद में हवा में गोली चलाकर आरोपी वहां से फरार हो गए।

पिता की याचिका पर स्कूल को कोर्ट का निर्देश

नाम दशार्ने से पैतृक स्थिति खत्म नहीं होती: करें सुधार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि विवाह विच्छेद से माता और पिता के उनके वार्ड के स्कूल रिकॉर्ड में अपना नाम दशार्ने की पैतृक स्थिति खत्म नहीं होती। अदालत ने कहा, महिला को बच्चे की मां के रूप में पहचाने जाने का अधिकार है, लेकिन यह उसे स्कूल के दस्तावेज में अपना नाम दर्ज कराने के पिता के अधिकार से इन्कार नहीं दिया जा सकता। अदालत ने स्कूल को माता-पिता दोनों के नाम दशार्ने और दो सप्ताह के भीतर सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने यह निर्देश बच्चें के पिता की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। बच्चे के पिता के रूप में पहचाने जाने के अधिकार का दावा करते हुए स्कूल को रिकॉर्ड सही करने का निर्देश देने की मांग की थी। उन्होंने कहा, तलाक के बाद उनकी पूर्व पत्नी ने स्कूल में बच्चे के नाम से उनका का नाम हटाकर दूसरे पति का नाम लिखवा दिया है। कुछ वैवाहिक विवादों के बावजूद जून 2015 में तलाक की डिक्री द्वारा उनकी शादी को रद्द कर दिया गया। अदालत ने कहा कि पिता की माता-पिता की स्थिति कायम है। अविवाहित महिला के गर्भपात की याचिका खारिज- उच्च न्यायालय ने सोमवार को 20 वर्षीय अविवाहित महिला को 28 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि भ्रूण सामान्य होने पर भ्रूणहत्या नैतिक या कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि महिला की याचिका गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन के लिए कानून और नियमों के चार कोनों के अंतर्गत नहीं आती है। इसलिए अदालत भ्रूणहत्या के याचिकाकर्ता की प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि यदि महिला प्रसव के बाद नवजात को गोद देने की इच्छुक है, तो केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि प्रक्रिया जल्द से जल्द और सुचारू तरीके से हो।

संक्षिप्त खबरें

पस्तपार शिविर प्रभारी के रूप में पंकज कुमार ने लिया अपना योगदान

पतरघट/सहरसा। पस्तपार पुलिस शिविर में एसपी के निर्देश पर सोमवार को प्रभारी के पद पर पुअनि पंकज कुमार यादव ने अपना योगदान किया। पदस्थापित शिविर प्रभारी पुअनि पंकज कुमार यादव ने बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता होगी नशेड़ी व शराब तस्करी पर नकेल कसना, अपराध पर नियंत्रण करना, फालतू का शिविर पर पैरवीकारो की भीड़ पर अंकुश लगाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।भले पस्तपार डेढ़ पंचायत का पस्तपार पुलिस शिविर है लेकिन सहरसा एवं मधेपुरा जिला का सीमा क्षेत्र रहने के कारण अपराधिक घटना, शराब तस्करी सहित शिविर दलालों की भीड़ विधि-व्यवस्था में बाधक सिद्ध होते रहा है।पुअनि पंकज कुमार यादव के आने से पस्तपार बाजार में शरारती तत्वों के बीच दहशत का माहौल उत्पन्न हो रहा है। पतरघट ओपी में पुअनि पंकज कुमार यादव ने काफी चर्च में हमेशा रहते थे पंकज कुमार के नाम सुनते ही पतरघट क्षेत्र में अपराधी व शराब कारोबारी तत्वों के बीच दशक का माहौल दिख रहा था

सोनवर्षा राज नगर का वित्तिय वर्ष 24-25 का वार्षिक बजट तैयार

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत सोनवर्षा द्वारा वार्षिक बजट तैयार किए जाने को लेकर आमलोग समैत अन्य प्रतिष्ठानों से क्षेत्र को सूंदर, स्वच्छ व विकसित बनाने के उद्देश्य को लेकर उनका सूझाव मांगा गया है ।उक्त बाबत नगर पंचायत सोनवर्षा के चेयरमैन मनीष कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है की सोनवर्षा नगर का वित्तिय वर्ष 24-25 का वार्षिक बजट तैयार किया जा रहा है ।बजट में प्रदुषण नियंत्रण,स्वच्छता एवं अन्य किसी बहुमूल्य विषयों पर नगर क्षेत्र के नागरिक, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, विद्दालय, महाविद्दालय, सरकारी व गैर सरकारी संस्थान अपना बहुमूल्य सूझाव 10 फरवरी तक नगर पंचायत सोनवर्षा के कार्यालय में उपलब्ध करा सकते है ।ताकि नगर क्षेत्र के लिए विकासोन्मूखी बजट तैयार किया जा सके।

बैजनाथपुर चौक पर खुलेआम बिक रहे नशीले पदार्थ, पुलिस मौन

प्रात : किरण, संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा- देश के युवाओं को स्वस्थ रखने के लिए सरकार फिट इंडिया जैसे अभियान चला रही है। नशा मुक्ति अभियान के तहत अनेक कार्यक्रम कर युवाओं को नशे से दूर रखने का प्रयास होते हैं। इसके बावजूद नशे का जाल युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा हैं। नशे काला कारोबार करने वालों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने के कारण नशीले पदार्थ खुलेआम बिक रहे हैं। बैजनाथपुर चौक से लेकर गांव तक अवैध नशे का कारोबार फैल चुका है। पुलिस अफसरों के लाख दाबों के बाद भी नशे का सामान बैजनाथपुर चौक तक पहुंचता और गली मोहल्ले के विभिन्न प्रकार के दुकानों में खुलेआम बिक रहा है। शाम होते ही बैजनाथपुर पुलिस शिविर के खास बस्तियों में महफिल सजने लगती है। नशे के खिलाफ राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण भी आवाज उठाएगा। जागरूकता के साथ इस अभियान में पुलिस और प्रशासन को कार्रवाई कर इस सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए जागृत करेगा। पुलिस आए दिन छापामारी की कार्रवाई करके छोटे नशे बाजों को पकड़ कर जेल भेज कर खानापूर्ति की कार्रवाई करती है। जबकि यह नशे का कारोबार कैसे फल फूल रहा है। उनके खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस के पास ऐसे मामलों में कार्रवाई को लेकर कोई खास योजना नहीं हैं इसी कारण यह बैखोप किया जा रहा हैं। गाजा, चरस और स्मेक पीते हुए दिखाई देते हैं। हालांकि पुलिस जब इन पर कार्रवाई करने का प्रयास करती है तो यह लोग खुद को घायल करके पुलिस से बचने का प्रयास करते हैं। कई बार ऐसे मामले सामने आए। जब पुलिस ने इन नशेबाजों को पकड़ने गया तो इन लोगों ने ब्लेड से अपने हाथ की नस काटकर खुद को बचाने का प्रयास किया। कई बार हवालात में जाकर यह लोग स्वयं खुद पर हमला कर लेते हैं जिसके कारण पुलिस भी इनको पकड़ने से कतराती है। स्थानीय गणमान्य लोगों ने वरीय पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

सरस्वती स्थान देवघरा धमसैना में लगा हाई मास्क लाइट

प्रात : किरण, संवाददाता

सौरबाजार/ सहरसा- प्रखंड क्षेत्र के सहुरिया पश्चिमी पंचायत स्थित सरस्वती स्थान देवघरा धमसैना में कोशी के पुत्र सांसद दिनेश चन्द यादव के सौजन्य से हाई मास्क लाइट लगाई गई हैं। जिसका विधिवत उद्घाटन स्थानीय पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अनिमेष कुमार ने फीता काटकर किया।अब सरस्वती स्थान देवघरा रौशनी से जगमगाने लगे हैं। हाई मास्क लाइट लगने से स्थानीय लोगों ने सांसद दिनेश चंद्र यादव को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। मौके पर पूर्व मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि कोसी के पुत्र सांसद दिनेश चंद्र यादव के सौजन्य से सरस्वती स्थान देवघरा में हाई मास्क लाइट लगाई गई हैं। कोसी के पुत्र सांसद दिनेश चंद्र यादव का विकास करना प्राथमिकता है। उनके अंदर कोई भेदभाव नहीं है। उनका मकसद है घर में अंधेरा है तो उसे उजाला लाये। माननीय सांसद विकास के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। विकास के कार्य में किसी प्रकार की राजनीतिक सांसद महोदय नहीं करते हैं। विकास आम जनता के लिए अपरिहार्य हैं यही माननीय मुख्यमंत्री और माननीय प्रधानमंत्री का निर्देश भी है। उन्होंने कहा कि हम सभी ग्रामीणों को काफी दिनों से यह इच्छा थी कि सरस्वती स्थान देवघरा में हाई मास्क लाइट लगाई जाए, जिसे कोशी के पुत्र सांसद दिनेश चंद्र यादव ने स्वीकार करते हुए लगवाने का कार्य किया। मौके पर पैक्स अध्यक्ष संतोष कुमार उर्फ गब्बर यादव, संजय यादव, सरपंच प्रतिनिधि विनोद यादव, समिति प्रतिनिधी श्याम सुन्दर यादव, हरदेव यादव समेत अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित होकर पूर्व मुखिया प्रतिनिधि को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्रीनगर थाना के नए थाना अध्यक्ष बने मो. निसार आलम

- क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाना पहली प्राथमिकता होगी

प्रात : किरण, संवाददाता

कुमारखंड मधेपुरा श्रीनगर थाना में थानाध्यक्ष के रूप में मधेपुरा सदर थाना में पदस्थापित अपर निरीक्षक मो० निसार आलम ने अपना योगदान दिया। निवर्तमान थानाध्यक्ष पतरिग पासवान से पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान पतरिग पासवान का तबादला खगरिया जिले में किया गया है। श्रीनगर थाना में थानाध्यक्ष के रूप में योगदान लेते ही थानाध्यक्ष मो ० निसार आलम ने सभी कनीय पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के जवान तथा चौकीदार से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता थाना क्षेत्र में आपराधिक घटना लूट , राहजनी व छिनतई समेत सभी तरह के अपराधिक घटना पर अंकुश लगाते हुए क्षेत्र में शांति व सदभाव का वातावरण बनाए रखना है। मौके पर एसआई मनोरंजन सिंह, एसआई नागमणि सिंह, ,चौकीदार संतोष कुमार पासवान, मोजिब आलम, रूपेश कुमार, जफरूल उर्फ मखन आलम,पुलिस मित्र मो जहांगीर सहित सभी पुलिस बल के जवान और चौकीदार मौजूद थे।

16 फरवरी को केन्द्र सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलाफ चक्का जाम करेंगे

प्रात : किरण, संवाददाता

पतरघट/सहरसा। बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन अंचल कमिटी पतरघट गोलमा पश्चिमी पंचायत में बैठक प्रखंड अध्यक्ष रामविलास पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते निर्माण कामगार यूनियन जिला सचिव नसीम उद्दीन ने कहा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार मजदूरों के अधिकार पर लागातार हमला कर रहे हैं निबंधित श्रमिकों के पुत्री के सादी, भवन मरम्मती योजना, निबंधित श्रमिक के मृत्यु लाभ आदि योजना में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के लापरवाही के चलते मजदूरों के सैकड़ों आवेदन उनके पोर्टलों पर लंबित हैं जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई संयुक्त किसान मोर्चा एवं केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के राष्ट्रीय व्यापी आवाहन पर केन्द्र सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी 2024 को आम हड़ताल एवं चक्का जाम में सभी मजदूरों को शामिल होने का आवाहन किया मनोरमा चौक को सुबह सात बजे जाम करेंगे जिसके बाद 12 बजें प्रखंड मुख्यालय को बंद करेंगें वहीं नौजवान सभा के जिला सचिव कुलानन्द यादव ने कहा मंहगाई आसमान छू रहे सरकारी संस्थाओं से भर्ती करने के बदले लगें कामों से छंटनी जारी है जिसके खिलाफ आन्दोलन करने का संखनाद किया। उपस्थित बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन के प्रखंड अध्यक्ष रामविलास पासवान, सचिव रमेश कुमार, मो. मकसुद साहब,मो. मस्तान, साहब मुखिया, रानी कुमारी,बीबी साफो,मालती देवी, बिशो देवी कामनी देवी , टुनटुन मुखिया,रामु मुखिया आदि मौजूद थें।

तालाब खुदाई करने के दरमियान मिली विष्णु मूर्ति

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई सिकंदरा प्रखंड के सिझौड़ी गांव में मंगलवार को सिमरा पोखर खुदाई के दौरान अति दुर्लभ साढ़े तीन फुट की भगवान विष्णु के प्रतिमा पोखर से निकली है। प्रतिमा निकालने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सर्वप्रथम ग्रामीणों के द्वारा प्रतिमा को पानी से धोकर साफ किया। प्रतिमा के समक्ष महिलाओं के द्वारा पूजा अर्चना भी करनी शुरू कर दी गई। वहीं स्थानीय लोगों के द्वारा प्रतिमा निकलने की सूचना जिला प्रशासन को दी गई। प्रतिमा को एक झलक देखने के लिए लोगों का हुजूम उमर पाड़ा। चमकीले एवं काले पत्थर की निकली यह प्रतिमा को देख ऐसा प्रतीत होता है कि अति दुर्लभ एवं प्राचीन सैकड़ो वर्ष पुरानी प्रतिमा है। ग्रामीणों का मानना है कि भगवान विष्णु की यह प्रतिमा है। इस प्रतिमा में भगवान विष्णु के दोनों हाथ में कमल का फूल एवं दोनों साइड में दो छोटी प्रतिमा है।

पंचायत समिति की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रात : किरण, संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) ब्लॉक सभागार में सोमवार को हुई पंचायत समिति की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रखंड प्रमुख रानी भारती की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान पूर्व के बैठक में लिए किए गए प्रस्ताव पर कार्रवाई नहीं होने पर सदन में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। जिप सदस्य अनिकेत कुमार मेहता ने कहां की प्रखंड के अलग-अलग पंचायत में संचालित मुख्यमंत्री नल जल योजना काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन इस योजना से जुड़े अधिकारी योजनाओं को संचालित करने की दिशा सिर्फ औपचारिकताएं पूरी करते रहते है। उन्होंने कहा कि फुलौत के डाक बंगला चौक से आलमनगर तक जाने वाली सड़क में हो रही चोरी कारण के दौरान कई जगहों पर नल जल योजना से लगाए गए पाइप क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण लोगों को पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रही है। संबंधित अधिकारियों को सूचना दिए जाने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। जिप सदस्य श्री मेहता ने कहा खाद्यान्न वितरण करने के दौरान व्यापक पैमाने पर धांधली की जाती है। लाभुको के बीच सरकारी स्तर पर 5 किलो खाद्यान्न वितरण कराने का प्रावधान है, लेकिन उन्हें चार और साढ़े किलो की दर से ही उपलब्ध कराया जा रहा है। मोरसंडा पंचायत के मुखिया शेखर पासवान ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र धनेशपुर में ना तो दवा उपलब्ध रहती है और ना ही कभी भी वहां पर डॉक्टर या नर्स बैठती है। जिसके कारण बीमार लोगों को पीएससी ले जाने के दौरान काफी परेशानियों से जूझना पड़ता है। पैना पंचायत के मुखिया ईदुम खातून ने जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र को सौंदर्य करण करने तथा आंगनबाड़ी केंद्र के पास अवस्थित बिजली ट्रांसफार्मर को हटाने की मांग किया। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में संचालित होने वाली मध्यान्ह योजना के तहत अंडा और फल का वितरण नहीं होने शिक्षकों का समय पर भी नहीं आने सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। मनरेगा के तहत पशु सेंट का निर्माण करने, कचरा अपशिष्ट भवन का निर्माण का शुभारंभ करने, मिट्टी भराई तथा ईट सोलिंग योजना चलाने सहित कई योजनाओं का प्रस्ताव पारित किया गया। मौके पर बीडीओ ब्रजेश कुमार दीपक, मुखिया प्रफुल्ल कुमार, पसंस संजय कुमार, अंझली देवी, कुंदनी देवी, शशि दास आदि मौजूद थे

कबीर निर्वाण आश्रम का संत तपस्वी ने किया शिलान्यास

प्रात : किरण, संवाददाता

चौसा, मधेपुरा चौसा प्रखंड के घोघई पंचायत के कमलदाह पार में सद्गुरु कबीर निर्वाण आश्रम का शिलान्यास पूर्वोत्तर बिहार के सबसे चर्चित संत योगेश ज्ञान स्वरूप तपस्वी एवं महंथ बुचकुन दास जी द्वारा एक समारोह का आयोजन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संत योगेश ज्ञान स्वरूप तपस्वी ने कहा कि संतो का जीवन सबसे उत्तम जीवन होता है। संत अपने कर्म, वाणी व धर्म से मानव जीवन का कल्याण करते है। उन्होंने कहा कि आश्रम का शिलान्यास करते हुए मुझे अपार खुशी हो रही है। मौके पर स्थानीय बनारसी मेहता, अरविंद यादव, कैलाश यादव, पवन यादव, उमेश यादव,विजय शर्मा, विमल दास, विलास यादव, सुदो दास, अजय यादव, मुनेश्वर यादव,समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

भोकराहा गांव में खेतिहर मजदूर युनियन की बैठक आयोजित

प्रात : किरण, संवाददाता

कुमारखंड प्रखंड के भोकराहा गांव में बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर युनियन के तत्वावधान में कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर युनियन पश्चिमी के क्षेत्रीय प्रभारी रुपेश सरदार के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मौजूद बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर युनियन के जिला सचिव कामरेड ललन कुमार यादव ने कहा कि मजदूर सुई से लेकर हवाई जहाज निर्माण कार्य कर रहे हैं।देश के तरक्की में मजदूरों का ही योगदान हैं।इसके वाबजूद मजदूर मूलभूत बुनियादी सुविधा से अभी तक बंचित हैं।केंद्र प्रायोजित मनरेगा योजना में प्रति वर्ष एक सौ दिन रोजगार देने का प्रावधान है।मजदूरों को काम नहीं देने पर भत्ता देने का प्रावधान है।परन्तु सरजमीन पर 99 फीसदी मजदूरों का मनरेगा कार्यालय के द्वारा जॉब कार्ड ही नहीं बना है।कुछ मजदूरों का जॉब कार्ड बना भी है,तो इनसे संचालित मनरेगा योजना में काम ही नहीं कराया जाता है।लिहाजा मजदूरों का पलायन बदस्तूर जारी है।मौके पर कामरेड चन्देश्वरी रजक और कामरेड कैलाश ने संयुक्त रूप से कहा कि देश में खेतिहर-मजदूरों के हित में किसी भी तरह का केन्द्रीय कानून ही नहीं है।केन्द्र सरकार खेतिहर-मजदूर के हित में एक समान कानून बनाए। बैठक में मुख्य रुप से देवनारायण सरदार, राजकिशोर सरदार, इन्द्रदेव यादव, संझा देवी,मंजू देवी,गुड्डू सरदार, फुलमाला देवी,रेशमलाल सरदार आदि मुख्य रुप से मौजूद थे।

राजकीय पक्षी महोत्सव को ले 9 से 19 फरवरी तक खेलकूद प्रतियोगिता का होगा आयोजन, मैराथन दौड़ 13 फरवरी को

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई राजकीय पक्षी महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्थानीय श्रीकृष्णा सिंह स्टेडियम में 9 से 19 फरवरी तक खेलकूद प्रतियोगिता का होगा आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारी में जिला प्रशासन और वन प्रमंडल संयुक्त रूप से जुट चुकी है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजकीय पक्षी महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्थानीय श्रीकृष्णा सिंह स्टेडियम और नागी नकटी डेम झाझा में 9 से 19 फरवरी तक विभिन्न तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इनमें 9 से 11 फरवरी तक श्रीकृष्णा सिंह स्टेडियम परिसर में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जबकि 12 से 14 फरवरी तक फुटबॉल मैच का आयोजन होगा। साथ ही 14 फरवरी टग ऑफ बार का आयोजन होगा। वहीं 13 फरवरी को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा जो कटौना बाईपास से लेकर गिद्धौर तक 10 किलोमीटर निर्धारित किया गया है। मैराथन दौड़ सुबह 6 बजे प्रारंभ होगा। मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को नगद 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 15-15 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। वही 18 फरवरी को कबड्डी और 19 फरवरी को खोखो प्रतियोगिता का आयोजन नागी नकटी डेम झाझा में किया जाएगा। इस आयोजन में भाग लेने वाले टीम व प्रतिभागियों को रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। इक्छुक प्रतिभागी श्रीकृष्णा सिंह स्टेडियम परिसर स्थित खेल कार्यालय से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

नए बसावट को सड़क संपर्क से जोड़ने का निर्देश

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा मिशन मार्ग अंतर्गत एनएच 106 व एनएच 107 ग्रामीण कार्य प्रमंडल मधेपुरा,उदाकिशुनगंज और पथ प्रमंडल, मधेपुरा की समीक्षा बैठक झल्लू बाबू सभागार मंगलवार को जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एनएच 106 के समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने बुधमा ब्रिज के गर्डर लाचिंग का कार्य त्वरित गति से करते हुए 10 मार्च तक ट्रैफिक शुरू करने का निर्देश दिया है। साथ ही आरओबी के लेफ्ट सर्विस रोड का निर्माण कार्य 15 मार्च तक निर्माण कार्य पूर्ण करने एवं राइट साईड का सर्विस रोड 15 अप्रैल तक पूर्ण करने हेतु मैनपावर बढ़ाकर कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया है। एनएच 107 की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी संबंधित पदाधिकारी एवं कार्य एजेंसी को ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, मधेपुरा,उदाकिशुनगंज की समीक्षा के कम में डीएम ने पूर्व के बैठक में दिए गए निर्देश के अनुपालन के बारे में जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने नए बसावट को संपर्कता हेतु प्राक्कलन विभाग में समर्पित करना, अनुरक्षण हेतु चयनित पथों का प्राक्कलन विभाग में समर्पित करना एवं सभी निर्माण कार्य तीव्र को गति से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आगामी लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 को ध्याम में रखते हुए सभी बूथों पर आवागमन में कोई कठिनाई नहीं हो इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी धीरज कुमार सिन्हा, ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता विद्यानंद प्रसाद, प्रवीण सिन्हा के साथ साथ अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित हुए।

जनसुराज वाले प्रशांत किशोर आज सहरसा में कार्यकताओं के साथ करेंगे बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

सहरसा। जनसुराज वाले प्रशांत किशोर बुधवार को सहरसा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले है जिसको लेकर तैयारी जोरों शोरो पर चल रही है वही प्रशांत किशोर कल जन सुराज से जुड़े लोगों के साथ बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे वही जन सुराज से जुड़े कुमार अमृतराज ने बताया कि प्रशांत किशोर का एक ही लक्ष्य है कि युवाओं को हक और अधिकार मिले उनकी भागीदारी भी बराबर हो जिसको लेकर प्रशांत किशोर लगातार पदयात्रा के माध्यम से लोगों से जुड़ रहे हैं कल प्रशांत किशोर सहरसा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे जिसमें जैन स्वराज से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति को लेकर विचार विमर्श करेंगे

आज्ञत पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़े दो लोगों को मारी टक्कर, एक कि मौके पर हुई मौत, एक गंभीर, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर के समीप सड़क किनारे खड़े दो लोगो को आज्ञत पिकअप वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे एक कि मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान सिकंदरा थाना क्षेत्र के शिवडीह निवासी रामस्वरूप मंडल का 25 बर्षीय पुत्र मुकेश कुमार के रूप में हुई है। जबकि घायल की पहचान उसी गांव के रामजतन पांडा के 12 बर्षीय पुत्र अविनाश कुमार के रूप में हुई है। इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। बताया जाता है कि मुकेश और अविनाश जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर के मुख्य गेट के समीप बजरंग बली मंदिर के पास खड़ा था तभी सिकंदरा के तरफ से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने दोनों को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। घटना इतना जोरदार था कि मुकेश का सिर बुरी तरह कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकी अविनाश गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज शहर के एक निजी क्लीनिक में किया जा रहा है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और आक्रोशित ने जमुई-सिकंदरा मुख्य मार्ग स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर के समीप सड़क जाम कर दिया। साथ ही आरोपी पिकअप चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा मृतक के परिजनों को उचित मुहावजा देने की मांग करने लगे। वहीं घटना की जानकारी के बाद सिकंदर थानाध्यक्ष चंदन कुमार मौके पहुंचे और सड़क जाम कर रहे लोगों को सरकारी मदद दिलाने का भरोसा दिलाते हुए जाम को हटवाया गया।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवड़ा के शिक्षक को नहीं दिया गया वेतन

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनवर्षा राज/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के खजूराहा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्दालय भवडा.के एचएम नंद कुमार नीरज को करीब 82 महिनों से वेतन का भूगतान विभाग द्वारा नहीं किए जाने से उनके परिवार के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।उन्हैं वर्ष 15 के जनवरी माह में विद्दालय परिसर में बनवाए जा रहे भवन निर्माण में लापरवाही बरतने के आरोप में विभाग द्वारा उनका वेतन रोकते हूए एचएम के पद से हटा दिया गया था।आश्चर्य तो इस बात की है कि वर्ष 2015 से वर्ष 24 तक बीडीओं,आरडीडीई,शिक्षा विभाग के अपर सचिव,प्राथमिक शिक्षा विभाग के निदेशक एवं उच्च न्यायालय पटना द्वारा विभाग को अविलंब वेतन भुगतान का निर्देश दिया गया है ।बावजूद शिक्षा विभाग पर उक्त आदेशों का कोई असर नहीं है ।वर्ष 2015 के जनवरी माह में जब नंद कुमार नीरज को एचएम के पद से हटा दिया गया तब से वो अपने वेतन भूगतान हेतू विभिन्न अधिकारी,पदाधिकारी व न्यायालय का चक्कर लगाना प्रारम्भ कर दिया था ।इसी क्रम में उच्च न्यायालय में दायर उनकी याचिक पर वर्ष 2019 के जूलाई माह में उच्च न्यायालय पटना ने अपने निर्णय में विभाग को यथाशीघ्र वेतन देने का निर्देश जारी किया था ।बावजूद पूर्व एचएम को वेतन का भूगतान नहीं किया गया ।उसके बाद पूर्व एचएम कोसी प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक के शरण में पहूंचे ।उक्त मामले की सूनवाई उपरांत उपनिदेशक महोदय ने वर्ष 22 के जून माह में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,स्थापना सहरसा,बीडीओ सह प्रखंड शिक्षक नियोजन ईकाई के सचीव तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के नामें पत्र जारी कर पूर्व एचएम को वेतन भूगतान का आदेश दिया ।लेकिन ये आदेश भी काम नहीं आया ।वेतन भूगतान नहीं किए जाने पर पीड़ित पूर्व एचएम बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव के शरण में जा पहुंचा ।अपर मुख्य सचिव ने वर्ष 22 के जूलाई माह में जिला शिक्षा पदाधिकारी व स्थापना के जिला कार्यक्रम के नामें आदेश जारी कर ये स्पष्ट किया था कि किसी मामले के आरोपी से भी यदि आप कार्य ले रहे है तो उसका वेतन भूगतान आवंटन के अभाव के अलावे किसी भी परिस्थिति में नहीं रोका जा सकता है ।बावजूद वेतन का भूगतान नहीं होने पर पूर्व एचएम सोनवषार्राज के बीडीओं सह प्रखंड शिक्षक नियोजन ईकाई के सचीव के शरण में पहूंचा ।मामले की तहकिकात उपरांत बीडीओ ने भी गत 13 जूलाई 22 में एचएम भवडा, बीईओ,तथा स्थापना के डीपीओ के नामें पत्र जारी कर पूर्व एचएम के स्थगित वेतन को विमुक्त करने का आदेश निर्गत किया ।बावजूद यथास्थिति देख पूर्व एचएम नीरज प्राथमिक शिक्षा निदेशक,बिहार सरकार के शरण में पहूंचे ।मामले की गंभीरता को देख निदेशक महोदय ने 15 मार्च 23 को स्थापना सहरसा के डीपीओं के नामें सीधे पत्र जारी कर वेतन भूगतान करने को आदेश दिया ।दर दर भटककर आदेश लिए जाने के बावजूद वर्ष 24 में भी पूर्व एचएम को विभाग द्वारा भूगतन नहीं किया गया है

2 विकेट से पस्तपार ने दर्ज किया जित, सेमीफाइनल में बनाया जगह

पतरघट/सहरसा। प्रखंड क्षेत्र के बाबा शिवदत्त ळ20 क्रिकेट टूर्नामेंट का तीसरा लीग मुकाबला धबौली के ग्रीन पार्क स्टेडियम में पस्तपार और सौर बाजार के बीच खेला गया ।सौर बाजार की टीम टॉस जीतकर निर्धारित 20 ओवर में खेल कर 179 रन बना कर ऑल आउट हो गया। जवाब में उतरी पस्तपार की टीम 19.2 गेंद खेल कर 8 विकेट के नुकसान पर 180 रन बना कर 2 विकेट से जीत दर्ज किया और सेमीफाइनल पस्तपार के टिम ने अपना जगह बनाया। आज का मैन ऑफ द मैच अमन को दिया गया जिन्होंने शानदार शतक बना के 1 विकेट हासिल किया ।मुख्य अतिथि के रूप में पीसीबी के पूर्व कप्तान सह पस्तपर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष उत्तम सिंह के साथ धबौली दक्षिण पंचायत के सरपंच राम नाथ मंडल के द्वारा उदघाटन किया गया। मौके पे फ्रेंड्स ऑफ आनंद के प्रदेश सचिव चंद्रभानु सिंह पिंकू , बिट्टू सिंह मौजूद।

सम्पादकीय

झारखंड से शुरू हुई नई परंपरा

मुख्यमंत्री बना और पद पर रहते मुख्यमंत्री के विधानसभा का उपचुनाव हारने का भी रिकॉर्ड बना। मुख्यमंत्री के घर पर बिना समन की छापेमारी का भी अभी रिकॉर्ड बना है और हेमंत सोरेन पहले मुख्यमंत्री बने हैं, जो ईडी के अधिकारियों के साथ इस्तीफा देने राजभवन गए। अब प्रदेश में एक नया प्रयोग हुआ है या यूं कहें कि नई परंपरा शुरू हुई है।बाल ठाकरे के नेतृत्व वाले शिव सेना के शुरूआती दिनों को अपवाद मान लें तो झारखंड मुक्ति मोर्चा पहली प्रादेशिक पार्टी बनी है, जिसने परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया है। आज तक किसी प्रादेशिक पार्टी ने किसी भी स्थिति में परिवार से बाहर के किसी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया है। झारखंड में ईडी के दबाव में हेमंत सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा तो उन्होंने मजबूरी में ही सही लेकिन पार्टी के सबसे पुराने नेताओं में से एक चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। ऐसा नहीं है कि उनके परिवार में मुख्यमंत्री बनने योग्य लोग नहीं हैं। उनकी भाभी सीता सोरेन तीन बार से विधायक हैं और छोटे भाई बसंत सोरेन भी विधायक हैं। लेकिन हेमंत ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने का प्रयास किया, जो विधायक नहीं हैं। उनके लिए एक सीट भी खाली कराई गई थी लेकिन पार्टी और परिवार में विरोध को देखते हुए और राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाने से मना करने की संभावना को भांप कर हेमंत ने चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवाया है।इससे पहले झारखंड जैसी स्थिति बिहार में पैदा हुई थी। चारा घोटाले से जुड़े मुकदमे में 1997 में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के जेल जाने की नौबत आई तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। वे पढ़ी लिखी नहीं थीं और विधायक भी नहीं थीं। लेकिन लालू की पार्टी को पूर्ण बहुमत था और वे एकछत्र नेता था। इसके अलावा जितनी भी प्रादेशिक और परिवारवादी पार्टियां हैं उनमें कभी भी किसी बाहरी नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। बाल ठाकरे ने जरूर पहले मनोहर जोशी और नारायण राणे को सीएम बनवाया था और रिमोट कंट्रोल से उनको चलाने की बात भी कहते थे लेकिन बाद में उनके बेटे उद्धव ठाकरे ने खुद ही मुख्यमंत्री बनना सही समझा।बाकी पूरे देश में प्रादेशिक पार्टियों के नेता किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। कर्नाटक में एचडी देवगौड़ा ने अपने बेटे एचडी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया तो तमिलनाडु में करुणानिधि के बेटे एमके स्टालिन सीएम बने। हरियाणा में देवीलाल के बाद ओमप्रकाश चौटाला बने तो उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह के बाद अखिलेश यादव, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी के बेटे जगन मोहन व एनटीआर के दामाद चंद्रबाबू नायडू और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला व मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी महबूबा मुफ्ती सीएम बनीं। कह सकते हैं कि इन सबके सामने हेमंत सोरेन जैसा संकट नहीं था। संकट काल में ही सही लेकिन झारखंड में एक परंपरा शुरू हुई है। अगर इसका विस्तार होगा तो वह लोकतंत्र के लिए बेहतर होगा।

चंपाई सोरेन की जीत, भाजपा की बड़ी पराजय

झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा विश्वास मत हासिल करना भारतीय जनता पार्टी की कई मोर्चों पर बड़ी पराजय है। 31 जनवरी को जब वहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया था, तो उसके पहले ही हेमंत सोरेन ने पद से इस्तीफा देकर अपने विश्वसनीय चंपाई सोरेन को विधायक दल का नेता बना दिया था। यह अलग बात है कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने में पूरे 3 दिन लिये और तत्काल बहुमत हासिल करने को कह दिया। सोमवार 5 फरवरी को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सरकार ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर, जिसमें कांग्रेस 16 सदस्यों के साथ सबसे बड़ी सहयोगी है, बहुमत हासिल कर लिया। झारखंड विकास मोर्चा, राजद एवं सीपीआई (एमएल) के 1-1 सदस्य हैं। 81 सदस्यीय सदन में एक सीट रिक्त है। इस तरह गठबन्धन के 48 सदस्य हैं। बहुमत पाने के लिये 41 सदस्य चाहिये- उसे 47 मिले। भाजपा व उसकी सहयोगी पार्टियों के पास 32 सदस्य हैं परन्तु उसके 29 सदस्यों ने विश्वास मत के विरोध में वोट डाले। एक सदस्य लम्बे समय से बीमार हैं। चंपाई सोरेन की जीत का अनेक मायनों में महत्व है। पहला तो यह कि भाजपा का जेएमएम व गठबन्धन को तोड़ने का प्रयास वैसा सफल नहीं हो पाया जिस प्रकार से उसने हाल ही में बिहार में किया है। ईडी के जरिये ह्यऑपरेशन लोटसह्ल का षडयंत्र पूरी तरह से नाकाम हो गया। इतना ही नहीं, केन्द्रीय जांच एजेंसियों का डर इसलिये खत्म होता नजर आता है क्योंकि विश्वास मत के दौरान सदन में अपने भाषण में चंपाई सोरेन ने साफ कर दिया कि उन्हें ह्यहेमंत सोरेन-2ह्ल के रूप में ही जाना जाये। दूसरी तरफ ईडी की हिरासत में लाये गये हेमंत सोरेन ने सदन में बेखौफ कहा कि ह्यईडी उन लोगों का बाल भी बांका नहीं कर पाती जो जनता का लाखों करोड़ों रुपये डकारकर विदेश भाग गये हैं।ह्ल सबसे बड़ी बात तो यह है कि इंडिया गठबन्धन एकजुट रहा। भाजपा की कोशिशें थीं कि कुछ लोगों को तोड़कर भाजपा की सरकार बनाई जाये। सांसद निशिकांत दुबे का यह दावा भी खोखला साबित हो गया जिसमें उन्होंने कहा था कि जेएमएम के 18 विधायक पाला बदल सकते हैं। इस अवसर पर लोग बिहार के बरक्स झारखंड के घटनाक्रम को देख रहे हैं जिसमें साफ है कि तमाम राज्यपाल भाजपा के इशारे पर काम करते हैं। नीतीश कुमार ने 28 जनवरी की सुबह 11 बजे राष्ट्रीय जनता दल के साथ चलाई जा रही सरकार से इस्तीफा दिया, उन्हें उसी शाम 5 बजे भाजपा के साथ बनाई सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिला दी गयी। उन्हें विश्वास मत हासिल करने के लिये भी पर्याप्त समय दिया गया है। एक ही सरकार के दो राज्यपालों द्वारा दो तरह के नियम लागू करना भाजपा के लोकतंत्र विरोधी रवैये को तो साबित करता ही है, उससे यह भी साबित होता है कि सत्ता पाने के लिये भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। उल्लेखनीय है कि ना-नुकुर के साथ 3 फरवरी को चंपाई सोरेन को सीएम पद की शपथ दिलाई गयी, उसके तत्काल बाद राहुल गांधी की ह्यभारत जोड़ो न्याय यात्राह्ल में भाग लेने के लिये नए मुख्यमंत्री गोड्डा पहुंचे थे। वहां उनका पहुंचना और अब सदन में कांग्रेस का जेएमएम के साथ खड़ा होना बतलाता है कि गठबन्धन अटूट है। उसके सदस्य अब केन्द्रीय जांच एजेंसियों के डर से बाहर निकल चुके हैं। इसका असर उन राज्यों की गैर भाजपायी सरकारों पर भी सकारात्मक ही पड़ेगा जिन्हें गिराने की कोशिशें भाजपा करती आ रही है। इनमें मुख्यतः दिल्ली की अरविंद केजरीवाल की सरकार कही जा सकती है। उसके तीन मंत्री व एक सांसद पहले से ही ईडी की कार्रवाई से जेल की सलाखों के पीछे हैं तो वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल तथा शिक्षा मंत्री आतिशी मालेर्ना पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। चंपाई सोरेन के जरिये हेमंत सोरेन को मिली जीत से सभी का मनोबल बढ़ेगा। ऑपरेशन लोटस के माध्यम से झारखंड की गठबंधन सरकार को हटाकर अपनी सरकार बनाने के मंसूबे ध्वस्त होने से भी भाजपा के रवैये में कोई फर्क नहीं आयेगा- ऐसा उसके ट्रैक रिकार्ड को देखकर कहा जा सकता है। कई राज्यों में चुनी हुई सरकारों को अनैतिक तरीकों से गिराने वाली भाजपा की सत्ता लोलुपता जगजाहिर है। वह तो अपना रास्ता बदलने से रही पर यह एक ऐसा अवसर है जब स्वयं जांच एजेंसियों को अपनी साख फिर से प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिये। भाजपा सरकार के गैरकानूनी आदेशों को मानने तथा संसदीय प्रक्रिया में भाजपा का हाथ बंटाने की बजाये निष्पक्ष रूप से उसे काम करना चाहिये-यह भी झारखंड एपीसोड की एक सीख हो सकती है। बहरहाल, भाजपा को चाहिये कि वह ऐसे गैर वाजिब कामों से बाज आये और देश में स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करने की जिम्मेदारी ले, क्योंकि वही सत्तारुढ़ है और यही उसका उत्तरदायित्व है। जनतंत्र में सभी राजनैतिक दलों को भयरहित होकर काम करने तथा अपने विस्तार का माहौल मिलना चाहिये। चुनी हुई सरकारों को गिराना या उन्हें अस्थिर करना किसी भी देश के लिये निकृष्टतम कार्य ही कहा जायेगा। भाजपा ने जो कांग्रेस मुक्त या विपक्ष मुक्त भारत की अवधारणा बना रखी है, वह निहायत लोकतंत्र विरोधी है। झारखंड में ईडी के जरिये निर्वाचित सरकार को गिराने में नाकाम रही भाजपा को लोकतंत्र का ककहरा फिर से पढ़ने की जरूरत है। झारखंड में मिली नाकामी से वह कई सबक एक साथ ले सकती है, अगर लेना चाहे तो।

चुनावी साल का संयमित बजट

अगले वित्त वर्ष के लिए सरकार का अनुमान है कि यह घाटा 5.1 प्रतिशत रहेगा। विपक्ष का आरोप था कि सरकार कर्ज का बोझ बढ़ा रही है, लेकिन अंतरिम बजट में कर्ज की सीमा 14.1 लाख करोड़ रुपए रखी गई है। जो कुल उधार है, वह 11.74 लाख करोड़ रुपए ही है। इसका अर्थ यह है कि इस वर्ष सरकार पिछले साल से भी कम कर्ज लेगी। होता यह है कि हर साल कर्ज बढ़ता रहता है। इस बार अभूतपूर्व है कि यह जीडीपी के अनुपात में कम हो रहा है। गौरतलब है कि कर्ज में कमी से महंगाई की आशंका भी कम होती है। वित्तीय घाटा और महंगाई एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए होते हैं। इस पर भी सरकार ने समुचित ध्यान रखा है। कुल मिलाकर, जो वित्तीय प्रबंधन है, अर्थव्यवस्था का प्रबंधन है, उस दृष्टि से यह जो अंतरिम बजट है, उसे कोई भी, विपक्ष भी नहीं कह सकता है कि यह एक लोकलुभावन बजट है, जो चुनावी लाभ की दृष्टि से लाया गया है। इस बात में कोई शंका नहीं कि इन सालों में देश और दुनिया के समक्ष सबसे बुरी महामारी तो देखी ही, युद्ध और तनाव की स्थितियों के कारण ग्लोबल वैल्यू चेन के ध्वस्त होने के बावजूद इस सरकार ने अत्यंत बेहतर तरीके से अर्थव्यवस्था का संचालन किया है। 2014 में दुनिया की पांच सर्वाधिक जर्जर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से निकालकर भारत को दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में लाने का काम इस सरकार ने किया है। 2020-21 के ऋणात्मक जीडीपी संवृद्धि से बाहर निकालते हुए दुनिया की सर्वाधिक संवृद्धि दर तक लाने का श्रेय भी इस सरकार को जाता है।

डॉ. अश्विनी महाजन-
लेखक विख्यात अर्थशास्त्री

हालांकि 1 फरवरी, 2024 को संसद में प्रस्तुत एक अंतरिम बजट ही था, लेकिन आने वाले आम चुनावों में मात्र कुछ माह ही बचे हैं, इसलिए यह अपेक्षा की जा रही थी कि इस बजट में कुछ लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा हो सकती है। साथ ही साथ कुछ लोग मान रहे थे कि आयकर में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन ऐसी सभी संभावनाओं को नकारते हुए, अंतरिम बजट प्रस्तुत करते हुए वित्तमंत्री ने न केवल राजकोषीय संयम और विवेक का परिचय दिया है, बल्कि बजट के इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए, उन्होंने मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के कामकाज का लेखा-जोखा तो दिया ही, अपनी सरकार की उपलब्धियों को भी बताया। राजकोषीय घाटा और भी घटा : पिछले बजट में राजकोषीय घाटा के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) के अनुपात में 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। ऐसा माना जा रहा था कि चूंकि इस वर्ष नॉमिनल जीडीपी कम रहेगी, इसलिए वित्तीय घाटा अनुमान से भी अधिक हो सकता है। लेकिन हुआ यह कि संशोधित अनुमानों में यह घाटा 5.8 प्रतिशत रहने की आशा बजट में की गई है। इससे इंगित होता है कि सरकार ने वित्तीय विवेक का उपयोग करते हुए घाटे को कम रखने का प्रयास किया है। इसका कारण यह है कि सरकार के पास राजस्व पर्याप्त मात्रा में आ रहा है। देश में जो आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं, उसके कारण वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), व्यक्तिगत आयकर, कॉर्पोरेट आयकर आदि में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। सरकार का अनुमान था कि राजस्व वृद्धि की दर 10.7 प्रतिशत रहेगी, लेकिन यह वृद्धि दर 15 प्रतिशत रही है। इस बढ़ोतरी के कारण खर्च बढ़े के बावजूद वित्तीय घाटा कम रहा है। अगले वित्त वर्ष के लिए सरकार का अनुमान है कि यह घाटा 5.1 प्रतिशत रहेगा। विपक्ष का आरोप था कि सरकार कर्ज का बोझ बढ़ा रही है, लेकिन अंतरिम बजट में कर्ज की सीमा 14.1 लाख करोड़ रुपए रखी गई है। जो कुल उधार है, वह 11.74 लाख करोड़ रुपए ही है। इसका अर्थ यह है कि इस वर्ष सरकार पिछले साल से भी कम कर्ज लेगी। होता यह है कि हर साल कर्ज बढ़ता रहता है। इस बार अभूतपूर्व है कि यह जीडीपी के अनुपात में कम हो रहा है। गौरतलब है कि कर्ज में कमी से महंगाई की आशंका भी कम होती है। वित्तीय घाटा और महंगाई एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए होते हैं। इस पर भी सरकार ने समुचित ध्यान रखा है। कुल मिलाकर, जो वित्तीय प्रबंधन है, अर्थव्यवस्था का प्रबंधन है, उस दृष्टि से यह जो अंतरिम बजट है, उसे कोई भी, विपक्ष भी नहीं कह सकता है कि यह एक लोकलुभावन बजट है, जो चुनावी लाभ की दृष्टि से लाया गया है। इस बात में कोई शंका नहीं कि इन सालों में देश और दुनिया के समक्ष सबसे बुरी महामारी तो देखी ही, युद्ध और तनाव की स्थितियों के कारण ग्लोबल वैल्यू चेन के ध्वस्त होने के बावजूद इस सरकार ने अत्यंत बेहतर तरीके से अर्थव्यवस्था का संचालन किया है। 2014 में दुनिया की पांच सर्वाधिक जर्जर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से निकालकर भारत को दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में लाने का काम इस सरकार ने किया है। 2020-21 के ऋणात्मक जीडीपी संवृद्धि से बाहर निकालते हुए दुनिया की सर्वाधिक संवृद्धि दर तक लाने का श्रेय भी इस सरकार को जाता है। अर्थव्यवस्था के तमाम आयामों प्रौद्योगिकी, उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र सभी में भारत आगे बढ़ा है। पिछले 4 वर्षों में लगातार पूंजीगत खर्च बढ़ाया गया है और इस साल भी उसे जारी रखा गया है और इस बार हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11.11 लाख करोड़ के खर्च का प्रावधान रखा गया है। लोक कल्याणकारी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी और ग्रामीण), हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना, सभी को बिजली, शौचालय समेत कई अन्य योजनाओं को लागू किया गया। इस अंतरिम बजट में भी इसे आगे बढ़ाया गया है। 2 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों के निर्माण, 2 करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का कार्यक्रम तो पहले से चल रहे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का काम तो हुआ ही है, एक करोड़ लोगों को रूफ टॉप सोलर के माध्यम से मुफ्त बिजली देने का प्रावधान, मुफ्त की बिजली उपलब्ध करवाने वाले राज्यों को एक सबक भी है, जिसमें सोलर बिजली के उत्पादन के माध्यम से मुफ्त बिजली का प्रावधान है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि, जिसके माध्यम से सडक, रेल और अन्य प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण होगा। समझना होगा कि सडक, रेल, जल, वायु यातायात इंफ्रास्ट्रक्चर आदि सभी हमारी लॉजिस्टिक लागत को कम करता है जिससे हमारी प्रतिस्पर्द्धा शक्ति बढ़ती है, जिससे हमारे निर्यात बढ़ते हैं और आयात कम होते हैं। रूफ टॉप सोलर के जरिए एक करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली देने का प्रावधान : अंतरिम बजट के माध्यम से सरकार ने मुफ्त बिजली देने वालों के लिए एक नई दिशा देने का भी प्रयास किया है। कई सरकारें मुफ्त बिजली देने की तरह-तरह योजनाएं चला रही हैं। इस संबंध में यह सोचने की आवश्यकता है कि इस तरह की फ्रीबीज को बांटने के लिए धन कहां से आएगा। तो, यह प्रस्तावित किया गया है कि मुफ्त बिजली उन लोगों को दी जानी चाहिए जो अपने घरों पर सोलर पैनल लगाएं। इस प्रकार वे बिजली भी पैदा करेंगे और मुफ्त में बिजली भी हासिल करेंगे। ऐसे प्रयास से देश में स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन भी बढ़ेगा और लोगों को निःशुल्क बिजली भी मिलने लगेगी। हालांकि बजट प्रस्ताव में स्पष्ट नहीं है, पर अगर सरकार को सौर ऊर्जा के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान भी देती है, तो वह लाभकारी होगा क्योंकि उसका फायदा 25-30 साल तक मुफ्त बिजली के रूप में मिलता रहेगा।

भारतीय लोकतंत्र की अस्मिता से खिलवाड़

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर 30 जनवरी को मेयर का चुनाव कराया गया था। यह चुनाव पहले 18 जनवरी को शेड्यूल किया गया था, लेकिन प्रोसाइडिंग ऑफिसर ने किन्हीं कारणों से चुनाव स्थल में आने से मना कर दिया, जिसके बाद हाईकोर्ट ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चुनाव संपन्न कराने के आदेश दिए। इस चुनाव प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग के भी निर्देश अदालत ने दिए थे। मेयर के इस चुनाव को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत लड़ा और दोनों दलों के पास कुल 20 वोटों का समर्थन हासिल हुआ। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के पास एक सांसद का वोट मिलाकर कुल 16 वोट हुए थे। ऐसे में पीठासीन अधिकारी ने आप-कांग्रेस गठबंधन के 8 वोटों को रद्द कर दिया, और भाजपा को विजयी घोषित कर दिया गया। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली किए जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने नगर निगम कार्यालय के बाहर अनशन किया। कांग्रेस ने भी इसका समर्थन करते हुए चुनाव में धांधली होने का आरोप लगाया। बात हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची है। यहां चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के बाद पीठासीन अधिकारी को नोटिस जारी किया है। चुनाव में कथित धांधली को लेकर कॉर्पोरेट कुलदीप कुमार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में बतौर पक्षकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए।

डॉ. हिदायत अहमद खान-
लेखक वरिष्ठ पत्रकार

हमारे भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि जनता खुद अपनी सरकार चुनती है। इस खूबसूरती को बनाए रखना विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की अहम जिम्मेदारी में शामिल है, लेकिन समय-समय पर ऐसे उदाहरण देखने को मिल जाते हैं, जिससे लगने लगता है कि या तो लोकतंत्र को मजाक बनाया जा रहा है या फिर उसकी जानबूझ कर हत्या की जा रही है। इसी बात का एहसास देश को कराने की कोशिश अब सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी एक खास टिप्पणी से की है। दरअसल चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में जो कुछ हुआ वह वाकई चिंता का विषय बना हुआ है। इस पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने बेहद तल्ख लहजे में कहा है कि जिस प्रकार से मेयर चुनाव को कंडक्ट किया गया है वह बेहद गंभीर मामला है, जो वीडियो सामने आया है उसे देखने के बाद यह स्पष्ट होता है कि बैलेट पेपर को विकृत किया गया। यह लोकतंत्र का मजाक है। जो कुछ हुआ उससे हम स्तब्ध हैं। इस तरह लोकतंत्र की हत्या की इजाजत नहीं दे सकते हैं। यहां यह याद रखना होगा कि यह टिप्पणी किसी राजनीतिक नेता की नहीं है। इसे वाकई गंभीरता से लेने और व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में जरुरी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसमें देरी करना भी लोकतंत्र के कथित हत्यारों को प्रश्रय देने के बराबर ही माना जाएगा। अतः कोशिश तो यही होनी चाहिए कि जल्द से जल्द उचित फैसले के साथ उन तमाम लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए जिन्होंने लोकतंत्र का न सिर्फ मखौल उड़ाया बल्कि साजिशन लोकतंत्र की हत्या करने का अक्षम्य कुकर्म भी कर दिया। वाकई इस प्रकार से चुनाव प्रक्रिया को वाधित कर मन-मर्जी के परिणाम हासिल करने वाले कुकृत्य को लोकतंत्र की हत्या की परिधि में ही रखा जाना चाहिए और इसकी इजाजत किसी को भी नहीं दी जाना चाहिए, फिर चाहे वह किसी भी स्तर पर ही कृत्य क्यों न किया गया हो। गौरतलब है कि पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर 30 जनवरी को मेयर का चुनाव कराया गया था। यह चुनाव पहले 18 जनवरी को शेड्यूल किया गया था, लेकिन प्रोसाइडिंग ऑफिसर ने किन्हीं कारणों से चुनाव स्थल में आने से मना कर दिया, जिसके बाद हाईकोर्ट ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चुनाव संपन्न कराने के आदेश दिए। इस चुनाव प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग के भी निर्देश अदालत ने दिए थे। मेयर के इस चुनाव को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत लड़ा और दोनों दलों के पास कुल 20 वोटों का समर्थन हासिल हुआ। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के पास एक सांसद का वोट मिलाकर कुल 16 वोट हुए थे। ऐसे में पीठासीन अधिकारी ने आप-कांग्रेस गठबंधन के 8 वोटों को रद्द कर दिया, और भाजपा को विजयी घोषित कर दिया गया। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली किए जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी ने नगर निगम कार्यालय के बाहर अनशन किया। कांग्रेस ने भी इसका समर्थन करते हुए चुनाव में धांधली होने का आरोप लगाया। बात हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची है। यहां चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के बाद पीठासीन अधिकारी को नोटिस जारी किया है। चुनाव में कथित धांधली को लेकर कॉर्पोरेट कुलदीप कुमार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में बतौर पक्षकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए। अदालत के समक्ष जो सुबूत पेश किए गए उससे यह तो एहसास हुआ कि मामला न सिर्फ गंभीर है बल्कि लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है, इसे यूं ही नहीं जाने दिया जा सकता है। अतः देश की सर्वोच्च अदालत ने जो कहा वह काबिले जिक्र है और इस पर गंभीरता से विचार कर ऐसा आगे से न हो इस पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता भी है। वैसे इस मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट करेगा, तब देखना होगा कि कौन किस तरह से अपना पक्ष रखता है और अदालत उसे किस तरह से लेती है। ऐसे मामलों में अक्सर यह देखा जाता है कि मामला अदालत में चला जाता है और वर्षों तक तारीखें मिलती रहती हैं और अदालत से न्याय की आस लगाने वाले को लगने लगता है कि उसने शायद खुद ही कोई अपराध कर दिया है। इसलिए समय-समय पर यह मांग भी उठती रही है कि ऐसे मामलों की सुनवाई न सिर्फ जल्द की जाए बल्कि फैसले भी समय रहते लिए जाएं ताकि पीड़ित पक्ष को न्याय मिल सके। अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में पीठासीन अधिकारी को भी कड़ी फटकार लगाई है और तमाम दस्तावेज जमा करने को कहा है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि मामला ज्यादा नहीं खिंचेगा और दोषियों को सख्त सजा मिलेगी, ताकि आगे कोई इस प्रकार का व्यवहार भी न करे।

हिंदी साहित्य के तीनों साहित्यिक विभूतियों - महाकवि आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, मथुरा प्रसाद दीक्षित और पंडित शिवदत्त मिश्र की जयंती समारोह मनायी गई

- हिंदी साहित्य के गौरव स्तंभ थे महाकवि आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री : डॉ. अनिल सुलभ

डॉ. बिन्देश्वर प्रसाद गुप्ता -
प्रवक्ता- बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन पटना (बिहार)

गीति-साहित्य के अतुल्य कवि आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री बिहार के ही नहीं, हिन्दी साहित्य के विशाल आगार के गौरव-स्तम्भ हैं। हिन्दी के गीत-साहित्य की चर्चा, उनके बिना सदा अधूरी रहेगी। हिन्दी-साहित्य से ह्यगीतह्ल बेमौत मर गया होता, यदि जानकी जी और नेपाली जैसे कवियों ने इसमें प्राण न फूंके होते। वे संस्कृत और हिन्दी के मूर्द्धन्य विद्वान तो थे ही, साहित्य और संगीत के भी बड़े तपस्वी साधक थे। कवि-सम्मेलनों की वे एक शोभा थे। अपने कोकिल-कंठ से जब वे गीत को स्वर देते थे, हजारों-हजार धड़कने थम सी जाती थी। यह जानकारी महाकवि आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, आचार्य मथुरा प्रसाद दीक्षित और चिंतकि कवि पं शिवदत्त मिश्र की जयंती पर आयोजित समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने दी। डा. सुलभ ने कहा कि, इन तीनों विभूतियों को एक साथ स्मरण करना किसी बड़े तीर्थ की यात्रा के समान है। उन्होंने कहा कि मथुरा प्रसाद दीक्षित हिन्दी के विद्वान आचार्य, स्वतंत्रता-सेनानी, वरेण्य साहित्यकार और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के संस्थापकों में से एक थे। डा. सुलभ ने पं. शिवदत्त मिश्र को स्मरण करते हुए कहा कि, मिश्र जी एक संवेदनशील कवि और दार्शनिक-चिंतन रखने वाले साहित्यकार थे। ह्यकैवल्यह्ल नामक उनके ग्रंथ में, उनकी आध्यात्मिक विचार-संपन्नता और चिंतन की गहराई देखी जा सकती है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन के प्रधान मंत्री डा. शिववंश पाण्डेय ने महाकवि के साहित्यिक-कृतित्व की सविस्तार चर्चा की तथा उन्हें गीत का शिखर-पुरुष कहा। उपाध्यक्ष डॉ. मधु वर्मा ने कहा कि उनमें साहित्यिक सृजन की परिमित शक्ति थी । वे उदार व्यक्तित्व के थे । समाज में हेयदृष्टि से देखे जाने वाली उन उपेक्षित नारियों के ऊपर भी उन्होंने ह्य पाषाण ह्य काव्य संग्रह लिखा। सम्मेलन के प्रवक्ता पत्रकार डॉक्टर बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता ने कहा कि वे बहुत स्वाभिमानी महाकवि थे। आज जहाँ लोग पुरस्कार और सम्मान पाने के लालायित होते हैं , उन्होंने पद्मश्री को तो ठुकराया ही , साथ ही 1982 में जब पटना में महात्मा गाँधी सेतु का सदानन्द प्रसाद, मधुरानी लाल, नेहाल कुमार सिंह, डा. बिन्देश्वर प्रसाद गुप्ता ने भी शीर्षक- पल दो पल साथ बैठी रहो... तथा ब्रह्मानंद पांडे ने शीर्षक श्री राम दरबार गीत काव्य का पाठ किया। मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंध मंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया। सम्मेलन के संरक्षक सदस्य ई अवध बिहारी सिंह, डा विजय कुमार, सत्य प्रकाश, नन्दन कुमार मीत, अमन वर्मा, राहूल कुमार, मयंक कुमार मानस, उषा सिंह आदि प्रबुद्धजन आयोजन में उपस्थित थे। कहना न होगा कि तीनों साहित्यिक विभूतियों का जयंती समारोह आयोजित कर बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन ने न सिर्फ उन्हें स्मरण ही किया है बल्कि नई पीढ़ी को इन साहित्यिक विभूतियों से परिचित कराकर एक अतुल्य व अमूल्य कार्य का निर्वहन भी किया है ।

संक्षिप्त खबरें

द्वारिकापुरी में नाले और सीवर की सफाई कराने की मांग

नगर निगम के पूर्व पार्षद मोहम्मद जाकिर अली सैफी ने नगरायुक्त को पत्र भेजा है। इसमें द्वारकापुरी में नाले और सीवर की सफाई कराने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि वार्ड-92 में दिल्ली गेट के सामने द्वारिकापुरी में पीने का पानी गंदा आ रहा है। साथ ही सीवर लाइन की सफाई भी नहीं हो पा रही। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। पानी और सीवर लाइन एकसाथ मिलकर आने के कारण यह दिक्कत आ रही है। सीवर लाइन और पानी की लाइन जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है। सफाई काम ठीक प्रकार से नहीं होने के कारण वार्ड के लोग परेशान हैं। उन्होंने पत्र में विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना कर रहे वार्ड के लोगों की दिक्कत दूर करने की मांग की है।

आर्ट गैलरी भूखंड का भू उपयोग बदलेगा

जीडीए की कर्पूरीपुरम आवासीय योजना में आर्ट गैलरी का भूखंड आरक्षित (रिजर्व) है। अब प्राधिकरण इसका भू उपयोग बदलने पर विचार कर रहा है। इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है। जो सभी पहलुओं पर विचार कर इसका निर्णय करेगी। जीडीए ने कर्पूरीपुरम योजना लान्च करते समय यहां 548.52 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का आर्ट गैलरी बनाने के भूखंड आरक्षित रखा था। इसकी कीमत करीब 1.20 करोड़ रुपये है। यह भूखंड अभी तक नहीं बिका है। ऐसे में जीडीए अब विचार कर रहा है कि इस भूखंड का भू उपयोग बदल दिया जाए ताकि इस भूखंड को आसानी से बिक्री कर प्रयोग किया जा सके। जीडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि इस भूखंड कोई बार नीलामी प्रक्रिया में रखा गया, लेकिन नहीं बिक सका। ऐसे में अब एक कमेटी बनाई गई है, जो इस भूखंड के भू उपयोग को बदलने के सभी पहलुओं पर विचार करेगी। ताकि इसका भू उपयोग बदलकर इसे बेचा जा सके

तीन वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के एक गांव में तीन वर्षीय बालिका को टॉफी दिलाने के बहाने ले जाकर एक युवक ने उसके साथ कथित दुष्कर्म किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि बिजनौर के एक गांव में सोमवार शाम घर के पास खेल रही तीन वर्षीय बालिका को अंकित नामक युवक चॉकलेट दिलाने के बहाने एक खाली मकान में ले गया और उसके साथ कथित दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि बालिका के चीखने चिल्लाने पर आयी उसकी बड़ी बहन को देखकर अंकित मौके से फरार हो गया। जादौन ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बालिका का चिकित्सीय परीक्षण कराया है।

सुल्तानपुर में छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार

जिले के कोतवाली नगर इलाके में छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी एक निजी चिकित्सक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की निवासी 20 वर्षीय छात्रा ने आरोप लगाया है कि शादी का झांसा देकर कोतवाली कादीपुर के तवक्कलपुर नगरा निवासी डॉक्टर आजाद खान उसके साथ दो वर्षों से दुष्कर्म कर रहा है। बाद में, डॉक्टर के शादी से इनकार करने पर उसने आत्महत्या का प्रयास किया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को कोतवाली नगर के गोलाघाट स्थित पुल से 20 वर्षीय छात्रा ने गोमती नदी में छलांग लगा दी थी और वहां मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने गोताखोरों की मदद से छात्रा को नदी से बाहर निकाला और इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया जहां उसकी चिकित्सीय जांच हुई। अधिकारियों ने कहा कि छात्रा ने चिकित्सक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। नगर कोतवाली प्रभारी श्रीराम पाण्डेय ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया गया है और अदालत में पेश कर उसे जेल भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में पांच फीसदी आबादी भूखंडों की लिस्ट जारी, इन गांवों के लोग अगले 15 दिन दाखिल कर सकते हैं आपत्तियां

नोएडा, एजेंसी

नोएडा के किसानों के लिए बड़ी खबर है। विकास योजनाओं को लिए नोएडा अथॉरिटी को जमीन देने वाले किसानों को 5% आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इससे 31 गांवों को किसानों की लंबे वक्त से चल रही मांग पूरी हो जाएगी। नोएडा के सीईओ लोकेश एम. ने मंगलवार को बताया कि 347 काश्तकारों को देय 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इन किसानों की सूची तीन पत्रावलियों के जरिए नोएडा अथॉरिटी ने तैयार की हैं। तीनों लिस्ट वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई हैं। अगर इन नामों पर किसी को कोई आपत्ति है तो अगले 15 दिनों में दाखिल कर सकते हैं। इसके बाद इन 347 काश्तकारों को 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों का आवंटन कर दिया जाएगा। सेक्टर-146 में 31 गांवों के किसानों को भूखंड मिलेंगे सीईओ ने बताया कि शहर के सेक्टर-146 में 31 गांवों के किसानों को 5% आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाना है। इसके लिए साइट प्रस्तावित है। इनके अतिरिक्त 8 और गांवों मोहियापुर, सुथियाना, इलाहाबास, नगली-नगला, रसूलपुर नवादा, शहदरा, पर्थला खंजरपुर और छिजारसी के 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों का नियोजन प्राधिकरण की उपलब्ध और कब्जा प्राप्त भूमि पर किया गया है। इन 31 ग्रामों के लगभग 268 काश्तकारों, ग्राम सदरपुर के कुल 35 काश्तकारों और 8 ग्रामों के 44 काश्तकारों के कुल 347 काश्तकारों के लिए 5% आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। अगले 15 दिन आपत्तियां दाखिल करने का समय सीईओ ने कहा, ह्यदि किसी काश्तकार को इस सूची में कोई आपत्ति है या वह कोई सुझाव दर्ज कराना चाहते हैं तो इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के बाद 15 दिन की अवधि में अपनी आपत्ति या सुझाव दे सकते हैं। मसलन, किसी को नाम, वारिसान, मूल निवासी या विभाजन पर आपत्ति हो सकती है। यह आपत्ति नोएडा अथॉरिटी के मुख्यालय में महाप्रबन्धक (नियोजन) के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करनी होगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राधिकरण प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया करेगा। निर्धारित तिथि तक आने वाली आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद अंतिम सूची के मुताबिक भूखंडों का आवंटन कर दिया जाएगा।

श्री वेंक्टेश्वरा मे पाँच दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट "रणभूमि-2024" का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग की ओर से वार्षिक स्पोर्ट्स मीट ह्यह्यरणभूमि-2024ह्यह्य का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें अलग-अलग हाउस (रेड हाउस, ग्रीन हाउस, यलो हाउस एवं ब्लू हाउस) के लगभग 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने दो दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। पाँच दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुम्भ में शनिवार को समापन पर विजेता टीम एवं खिलाड़ियों को संस्थान की ओर से ट्राँफी, मेडल एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के मेजर ध्यानचन्द ओपन खेल परिसर में ह्यह्यखेल महाकुम्भह्यह्य वार्षिक स्पोर्ट्स मीट ह्यह्यरणभूमि-2024ह्यह्य का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रधान सलाहकार प्रो. वी. पी. एस. अरोड़ा, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. अनिल कुमार शुक्ला एवं नर्सिंग डीन डॉ. एना ऐरिक ब्राउन ने खेल मशाल जलाकर एवं हवा में गुब्बारे उड़ाकर किया। समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि खेल ही नहीं बल्कि जीवन की किसी भी ह्यह्यस्पर्धाह्यह्य में हम कभी हारते नहीं है, जब हम किसी स्पर्धा में प्रतिभाग करते हैं तो, या तो हम जीतते हैं या फिर सीखते हैं कि हमारे प्रदर्शन में कहाँ कमी रह गयी। इसलिए युवा विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग अवश्य करें। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि ह्यह्यफिट इण्डियाह्यह्य ह्यह्यखेलो इण्डियाह्यह्य जैसी शानदार योजनाओं से आज भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। आज ह्यह्यरणभूमि-2024ह्यह्य के पहले दिन कबड्डी, भालाफेंक, गोलाफेंक, 100 मीटर दौड़ समेत एक दर्जन प्रतियोगिताओं में विजेताओं ने अगले दौर में प्रवेश किया।इस अवसर पर सी. ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, प्रतिकुलपति डॉ. राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डेय, संयुक्त कुलसचिव डॉ. राजेश सिंह मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह, सी.एफ.ओ. विकास भाटिया, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. विवेक सचान, डॉ. मोहित शर्मा, मारूफ चौधरी, अरूण गोस्वामी, एस. एस. बघेल, मंजरी राणा, अनुष्का, रूविना, संजीव कुमार, रश्मि राणा, पूजा ऐरी, नीमा विष्ट, प्रतिभा, रीना नेगी, हरप्रीत कौर, हिमानी, सुमनदीप, पूजा कुमारी, जुनैद, पूजा सिजवाली एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

8 फरवरी को लगेगा रोजगार मेला, होंडा, यामाहा जैसी कंपनियों में मिलेगी नौकरी

नोएडा, एजेंसी

8 फरवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झुप्पा पलवल रोड जेवर में रोजगार मेले का होगा आयोजन। प्रधानाचार्य/नोडल अधिकारी राजकीय आई.टी.आई. नोएडा नीती मिश्रा ने बताया कि 8 फरवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झुप्पा पलवल रोड जेवर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में ऐसे अभ्यार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जो आई.टी.आई और कौशल विकास मिशन की विभिन्न योजनाओं से उत्तीर्ण अथवा 10वीं/12वीं/ आई0टी0आई0/ डिप्लोमा/ग्रेजुएट उत्तीर्ण हो। आयोजित होने वाले रोजगार मेले में इच्छुक अभ्यर्थी 08 फरवरी 2024 सुबह 10:00 बजे से सांय 4: 00 बजे तक अपने सभी मूल प्रमाण पत्र एवं रिज्यूम की छायाप्रति के साथ मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। नोएडा में प्रधानाचार्य/नोडल अधिकारी राजकीय आई.टी.आई. नोएडा नीती मिश्रा ने बताया कि रोजगार मेले में जनपद गौतमबुद्धनगर में स्थित लगभग 15 कम्पनियां/अधिष्ठान जैसे- होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट लिमिटेड, यामाहा मोटर लिमिटेड, ओरिएंट फैशन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, सिद्धि इंफोनेट प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ, मदर्सन सुमी वायरिंग, डिक्सन टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड, एलांटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं वैलमैन एंप्लॉयमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि उपस्थित रहेगी।

बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

नोएडा, एजेंसी

न्यायालय के आदेश पर बिसरख पुलिस ने दो बिल्डर समेत तीन के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया। आरोप है कि पीड़ित को ग्रेनो वेस्ट के शाहबेरी में फ्लैट दिलाने का झांसा दिया गया। बिल्डर ने न तो उसे फ्लैट दिया और न ही उसके रुपये वापस कर रहा है। ग्रेटर नोएडा के साकीपुर निवासी दीपांकर ने न्यायालय को बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उसे भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजा मिला था। उसे सत्यम भविष्य इंडिया ग्रुप और एसबीआई रेजिडेंसी 11 नाम के बिल्डर ने अपने प्रोजेक्ट में धन निवेश करने का झांसा दिया। पीड़ित का सवा सोलह लाख में फ्लैट का सौदा तय हुआ। पीड़ित ने दो साल में चार लाख 80 हजार रुपये दे दिए। आरोपियों ने उसे वर्ष 2020 में फ्लैट का कब्जा देने का वादा किया। निर्धारित अवधि बीतने के बाद उसने जब कब्जा देने की बात की तो आरोपियों ने एक साल का समय और मांगा। इसके बाद पीड़ित ने फिर फ्लैट का कब्जा देने की मांग की तो आरोपी बहाने बनाने लगे। मई 2023 में उसने फ्लैट के लिए जमा कराए रुपये वापस मांगे तो बिल्डर ने उन्हें इससे साफ इनकार कर दिया। उसने जब जांच की तो पता चला कि बिल्डर कई अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी कर चुका है। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। बिसरख थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर बिल्डर विकास चौधरी, राजकुमार और भानु चौधरी के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

पंचम वार्षिक फाल्गुन महोत्सव को लेकर तैयारी हुई तेज

नोएडा, एजेंसी

सेक्टर-104 स्थित राजधानी बैंकट में श्री श्याम सेवक परिवार नोएडा-ग्रेटर नोएडा द्वारा पंचम वार्षिक फाल्गुन महोत्सव के आयोजन के लिए परिवार की मीटिंग की गई। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य 15 फरवरी को वेडिंग विला में होने वाले वार्षिक महोत्सव को सफल बनाना था। श्री श्याम परिवार के अध्यक्ष सौरभ सिंगघ ने बताया कि इस बार का कीर्तन हर बार से कुछ अलग होगा। इस बार आपको समुद्र मंथन का महा विशाल दृश्य देखने को मिलेगा। मंडल के वरिष्ठ सदस्य अमित गोयल ने बताया कि प्रवेश द्वार पर आपको अयोध्या मंदिर और भगवान राम के दर्शन होंगे। निखिल अग्रवाल ने बताया कि इस बार बच्चों के लिए विशेष धार्मिक क्विज कम्पटीशन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बच्चों को होली गिफ्ट दिए जाएंगे। प्रवीन गर्ग ने बताया कि इस बार सतरंगी थीम पर बाबा के कीर्तन का आयोजन होगा और पूरा माहौल रंगमय होगा। इस संस्था के वरिष्ठ सदस्य नवनीत गुप्ता ने कहा कि इस बार वृंदावन से राधा कृष्ण की विशेष झांकी हमारे बीच रहेगी जोकि पंजाब से आए बैंड के साथ नृत्य प्रस्तुत करेंगी। संस्था के प्रवक्ता विकास जैन ने कहा कि इस बार प्रख्यात हिंदूवादी सनातनी भजन प्रवाहक बरेली से अंजलि द्विवेदी भारत वर्ष के युवा लाड़ले भाई शुभम रूपम अपनी आवाज से भक्तों को भाव विभोर करेंगे। इस अवसर पर लघु अग्रवाल सचिन गोयल निखिल अग्रवाल कपिल लखोटिया सौरव सिंगल अमित गोयल नरेन्द्र गोयल सुभाष गर्ग प्रवीन गर्ग सुंदर मित्तल विनय जैन भारत बंसल प्रिंस जैन राजेश मित्तल नरेन्द्र कुमार गोयल मनोज बंसल यश गर्ग मूलचंद गुप्ता पंकज अग्रवाल मोहन अग्रवाल राजकुमार गुप्ता मनोज जैन वीरेंद्र सिंगल कपिल जैन शुभम गोयल बंटी अग्रवाल विनीत महिपाल पंकज बंसल गौरव बंसल अंकुर बंसल लोकेश कुमार मनोज कुमार संदीप गर्ग रमन जी मनीष सिंगला विवेक अग्रवाल राकेश गोयल मनोज मित्तल संजय अग्रवाल नवीन अग्रवाल राकेश कुमार राजेश जिंदल हरीश जैन विशाल गर्ग सुभाष शर्मा अनिल कुमार ललित गोयल मुकेश गोयल मनीष अग्रवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह योजना में धांधली का आरोपी, 17 हुई लोगों की संख्या

बलिया, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मनियर क्षेत्र में पिछले महीने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में फजीवाड़े के मामले में पुलिस ने समाज कल्याण विभाग के एक लिपिक को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के लिपिक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को गत 25 जनवरी को मनियर इंटर कॉलेज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में कई अपात्र लोगों को लाभ दिलाने की कोशिश करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 17 आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके हैं। लिपिक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव का नाम इस मामले में विवेचना के दौरान सामने आया था। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपक श्रीवास्तव की शिकायत पर गत 30 जनवरी को मनियर थाने में समाज कल्याण विभाग के सहायक विकास अधिकारी सुनील कुमार यादव (जिन्हें निलंबित कर दिया गया है) और लाभ लेने वाली आठ महिलाओं झ्र अर्चना, रंजना यादव, प्रियंका, सोनम, पूजा, संजू, रमिता और सुमन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। हालांकि इन महिलाओं को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस मामले में अब तक समाज कल्याण विभाग के दो सहायक विकास अधिकारियों झ्र सुनील कुमार यादव और भानु प्रताप तथा लिपिक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव के साथ-साथ रवींद्र गुप्ता, आलोक श्रीवास्तव, उपेंद्र यादव, दीपक चौहान, मुकेश कुमार गुप्ता, रामजी चौहान, आशीष चौहान, संतोष यादव, अर्जुन वर्मा, रामनाथ, अच्छेलाल वर्मा, धर्मेंद्र यादव, गुलाब यादव, सरबजीत सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले के मुताबिक गत 25 जनवरी को मनियर इंटर कॉलेज में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कई ऐसे लोगों की शादी करायी गयी जो पहले से ही शादीशुदा थे। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपक श्रीवास्तव ने अपनी तहरीर में कहा है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मनियर इंटर कॉलेज में गत 25 जनवरी को सामूहिक विवाह सम्पन्न होने के बाद फर्जी वर-वधुओं के विवाह होने का मामला सामने आने पर मुख्य विकास अधिकारी ने 29 जनवरी को मामले की जांच के आदेश दिये थे। जांच में पाया गया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम में लाभार्थी के रूप में शामिल हुई मानिकापुर गांव की अर्चना की शादी जून 2023 को ही हो चुकी थी। इसके अलावा रंजना यादव और सुमन चौहान की शादी मार्च 2023 में, प्रियंका की शादी नवम्बर 2023 में, पूजा की शादी एक वर्ष पहले, संजू की शादी तीन वर्ष पहले और रमिता की शादी जुलाई 2023 में ही हो चुकी थी। इसके अलावा सोनम का विवाह अभी तय नहीं है। ये सभी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र नहीं हैं। अपात्र आवेदकों ने वास्तविक तथ्यों को छुपाते हुए योजना के तहत अवैध रूप से लाभ पाने के लिए आवेदन किया था। समाज कल्याण विभाग के सहायक विकास अधिकारी सुनील कुमार यादव ने उन आवेदनों की जांच में लापरवाही की जिससे यह फजीवाड़ा हुआ।

ज्ञानवापी परिसर के बंद सभी तहखानों के एएसआई सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 15 फरवरी को

वाराणसी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में बंद अन्य सभी तहखानों का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराये जाने का आदेश देने के आग्रह वाली याचिका पर सुनवाई के लिए 15 फरवरी की तिथि तय की है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने मंगलवार को बताया कि कार्यवाहक जिला जज अनिल कुमार (पंचम) की अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में बंद अन्य सभी तहखानों का एएसआई से सर्वे कराये जाने का आदेश देने के आग्रह वाली याचिका पर सुनवाई के लिए 15 फरवरी की तिथि तय की है। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में पक्षकार और विश्व वैदिक सनातन संघ की सदस्य राखी सिंह ने अपनी याचिका में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सभी बंद तहखानों का एएसआई से सर्वेक्षण करने का आदेश देने का आग्रह किया। राखी सिंह के वकील अनुपम द्विवेदी ने बताया कि याचिका में कहा गया है कि तहखानों के अंदर ह्यगुप्त तहखानेह्ल हैं और उनका भी सर्वेक्षण करना जरूरी है ताकि ज्ञानवापी मस्जिद का पूरा सच सामने आ सके। याचिका में बंद तहखानों का नक्शा भी शामिल किया गया है। यादव ने कहा, ह्यहिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि वर्ष 1991 के मामले में उच्च न्यायालय ने शेष कार्यवाही (सर्वेक्षण) कराने का आदेश दिया है। इस आदेश के मद्देनजर बचे हुए तहखानों का भी सर्वे कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस पर मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ताओं ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उच्च न्यायालय का ऐसा कोई आदेश नहीं है। ऐसे में शेष तहखानों के सर्वेक्षण का आदेश देने का कोई आधार नहीं है। यादव ने बताया कि दोनों पक्षों को सुनने के बाद जिला अदालत ने अगली तारीख दे दी। राखी सिंह सहित पांच महिला श्रद्धालुओं की पूर्व में दाखिल याचिका पर स्थानीय अदालत ने एएसआई को ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने को छोड़कर बाकी परिसर का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। जिला अदालत द्वारा हाल में ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार दिये जाने के बाद तहखाने को पिछले हफ्ते खोला गया था और उसमें पूजा-अर्चना शुरू कर दी गयी थी। जिला अदालत ने शैलेन्द्र कुमार पाठक की याचिका पर तहखाने में नियमित प्रार्थना की अनुमति दी थी। पाठक ने दावा किया था कि उनके नाना पुजारी सोमनाथ व्यास दिसंबर 1993 तक उस तहखाने में पूजा करते थे। मगर उसके बाद उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुलायम सिंह यादव सरकार ने इस तहखाने को बंद करा दिया था।

अयोध्याक धाम में 11 फरवरी को दर्शन के लिए सभी विधायक आमंत्रित : महाना

लखनऊ, एजेंसी

उत्तीर प्रदेश सरकार ने विधानसभा के सभी सदस्यों को 11 फरवरी को अयोध्या0 धाम में भगवान श्रीराम का दर्शन करने के लिए आमंत्रित किया है। सभी सदस्योंव को विधानसभा से अयोध्याध तक ले जाने के लिए बसों की व्येवस्था की गयी है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान सदस्यों को इसकी जानकारी दी। महाना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यकनाथ की ओर से सभी दलों के सदस्यों को 11 फरवरी, रविवार को अयोध्यो धाम चलने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा, ह्लहम सबको मालूम है कि 22 जनवरी को मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। उन्होने कहा, ह्यह्लमुख्य मंत्री जी की उपस्थिति में दलीय नेताओं ने अयोध्याक ले चलने का अनुरोध किया था। शिवपाल सिंह यादव जी (समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य) ने भी कहा था कि अध्यक्ष जी ले जाएंगे तो हम लोग चलेंगे। हम मुख्यममंत्री जी और अपनी तरफ से आप सभी को आमंत्रित कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ह्यह्ल11 फरवरी को सभी सदस्य अयोध्याभ धाम चलने के लिए आमंत्रित हैं। प्रातः आठ बजे यहां विधानसभा परिसर में सभी सदस्य आ जाएंगे और हम सभी लोग एक साथ चलेंगे। उन्हों ने कहा, ह्लहमने बसों की व्यसवस्था की है। मैं भी बस पर चलूंगा। यह बात मैंने इसलिए कह दी है ताकि कोई दूसरा सदस्य यह न पूछे कि हम अपनी गाड़ी से चल सकते हैं कि नहीं। उन्होंने सदन में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा, ह्लअयोध्यौ धाम में साढ़े 11 बजे पहुंचकर पहले हनुमानगढ़ी का दर्शन करेंगे। उसके बाद साढ़े 12 से दो बजे तक राम लला के दर्शन करेंगे। दो बजे से तीन बजे तक दोपहर भोजन की व्य वस्था वहां की गयी है और फिर वहां से सवा तीन बजे बस से ही सभी सदस्य लखनऊ वापस आएंगे। महाना ने इस बात पर जोर दिया कि जो भी सदस्य दर्शन करना चाहते हैं वे रविवार, 11 फरवरी को आठ बजे विधानसभा में आ जाएं।

रामभक्त गोली चलवाने वाली सपा का 2024 में करेंगे इलाज : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2024-25 की मंगलवार को चौथे दिन सदन की कार्यवाही में शामिल होने सत्ता दल और प्रतिपक्ष के विधायक पहुंचे। सदन की कार्यवाही में भाग लेने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी पहुंचे। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर करारा हमला बोला है। केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सपा का शिवद्रोही होने का, रामद्रोही और रामभक्तों को गोलियों से भूनने का इतिहास रहा है। अगर सदन में सपा पार्टी के 14 विधायक ऐसे निकल आए हैं जो भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बनने के विरोध में हैं। ये देश के रामभक्तों की भावनाओं का सम्मान नहीं करना चाहते हैं, ऐसे लोगों का 2024 में रामभक्त इलाज करेंगे। इस दौरान पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के गठबंधन तोड़कर एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के साथ आने की जानकारी उन्हें नहीं है। अगर कुछ ऐसा होगा तो बड़े स्तर का मामला है और दिल्ली व अन्य पार्टी के आलाकमान पदाधिकारियों को इसकी जानकारी होगी। यूसीसी लाने पर धामी सरकार को बधाई उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाए जाने के सवाल पर कहा कि भाजपा के तीन वैचारिक मुद्दों थे। पहला अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाना और समान नागरिक संहिता। उसकी शुरूआत अगर देवभूमि उत्तराखण्ड से हो रही है तो मैं भाजपा का कार्यकर्ता होने के नाते स्वागत करता हूं और पुष्कर सिंह धामी सरकार को बधाई देता हूं।

भाजपा की धांधली अब उनके समर्थकों के लिए भी घोर शर्मिंदगी का विषय : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तवर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव की धांधली का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा की धांधली अब उनके समर्थकों के लिए भी घोर शर्मिंदगी का विषय है। सपा प्रमुख ने सोमवार की देर रात सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर अपने एक पोस्टी में कहा, ह्लचंडीगढ़ मेयर चुनाव में कैमरे में दर्ज भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) की धांधली न केवल माननीय सर्वोच्च न्यायालय के लिए सबूत बनी है, बल्कि आज तक उनके समर्थक रहे लोगों के लिए घोर शर्मिंदगी का विषय भी है। यादव ने कहा, ह्लभाजपा ने 2022 के उप्र के विधानसभा चुनावों में वोटर लिस्ट की हेराफेरी से लेकर मतदान, मतगणना व परिणाम घोषित करने तक की प्रक्रिया में यही धांधली शासन-प्रशासन, चुनाव आयोग के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर समाजवादी पार्टी को जबरदस्ती हराने के लिए की थी। सपा प्रमुख ने कहा, ह्लआज सबूत सामने है और भाजपा समर्थक चुल्लू भर पानी ढूँढ रहे हैं जबकि सपा समर्थक आगामी लोकसभा चुनावों में 90 प्रतिशत पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) के साथ अपने वोट की रक्षा करने व भाजपा की हर धांधली को रोकने के लिए एकजुट हो गये हैं। यादव ने इसी पोस्टर में दावा किया, ह्लइस बार भाजपा की कोई भी घपलेबाजी और चालबाजी नहीं चलने दी जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने हालिया चंडीगढ़ महापौर चुनाव कराने वाले निर्वाचन अधिकारी को सोमवार को फटकार लगाते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि उन्होंने मतपत्रों को विरूपित किया, जिसके लिए उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उनका कृत्य ह्यलोकतंत्र की हत्याह्ल एवं ह्यमाखौलह्ल है। इस चुनाव में गड़बड़ी से ह्यस्तब्धह्ल प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि यह इस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या नहीं करने देगी और शीर्ष अदालत चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से संतुष्ट नहीं होने पर नये सिरे से चुनाव कराने का आदेश देगी।

ओवैसी को समझना होगा कि देश सरिया से नहीं संविधान से चलेगा : मोहसिन रजा

लखनऊ, एजेंसी

उत्तराखंड में धामी सरकार के समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल का उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहसिन रजा ने स्वागत किया है। इसके साथ ही रजा ने यूसीसी बिल पर असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर कहा कि भारत संविधान से चलता है। यहां नियम और कानून है। यह देश सरिया से नहीं चलता है। ओवैसी को अगर सरिया की इतनी ही फिक्र है तो उन्हें किसी इस्लामिक देश में चले जाना चाहिए। पूर्व मंत्री मोहसिन राजा ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में सभी का विकास हो रहा है। बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि देश का युवा पढ़े, लिखे और आगे बढ़े। धामी सरकार का यह विधेयक भी वहां की जनता को समान अधिकार प्रदान करेगा और यह किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की धामी सरकार मंगलवार को यूसीसी बिल लेकर आई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बिल को विधानसभा के पटल पर रखा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

54 लीटर शराब के साथ चार धंधेबाज गिरफ्तार

दिनारा (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने देसी शराब के साथ चार धंधेबाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के इंदौर टोला समीप मिली गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस घटना की सत्यापन को लेकर चिन्हित स्थल पहुंच 54 लीटर देसी शराब के साथ रंगे हाथों चारों धंधेबाजों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाज में बक्सर जिला अंतर्गत धनसोई थाना क्षेत्र के कैथहर खुर्द निवासी गौरी शंकर चौधरी,अभिषेक कुमार , सनी देवल कुमार व राकेश कुमार बताया जाता है। जिनके विरुद्ध संबंधित विभागों तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चला वसूला जुर्माना

काराकाट (रोहतास) नेशनल हाईवे-120 बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर जोरावरपुर पुल समीप काराकाट थानाध्यक्ष फूल देव चौधरी के नेतृत्व में पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला जुमार्ना वसूला। इस संबंध में थानध्यक्ष ने बताया कि वरीय पुलिस अधिकारी के दिशा-निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान तहत स्थानीय पुलिस के द्वारा 17 हजार जुमार्ना वसूला। जिस अंतर्गत पुलिस ने हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन ऑनर बुक, डिक्की, ट्रिपल लोडिंग सहित अन्य नियमों पर गहन जांच किया। साथ ही पुलिस अधिकारियों के द्वारा वाहन चालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि अगली बार से वाहन चलाते वक्त सभी नियमों का पालन अवश्य करें। जो अभियान निरंतर जारी है।

युवक की पिटाई कर अपराधी बाइक छीन फरार

नोखा (रोहतास) थाना क्षेत्र के खराड़ी पुल समीप बाइक सवार युवक को लाठी-डंडे से पिटाई कर अपराधी बाइक छीन फरार हो गए। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार को थाना क्षेत्र के धर्मपुरा रुपीपुर गांव निवासी सुरेंद्र कुमार का 30 वर्षीय बेटा कृष्ण कुमार इलाज जो सोमवार देर रात एक शादी समारोह से बाइक से गांव लौट रहा था। इसी क्रम में घात लगाए बैठे सासाराम-आरा स्टेट हाइवे के खराड़ी पुल समीप बाइक के साथ कुछ अज्ञात अपराधी बैठे थे। इसी क्रम में बाइक सवार के पहुंचते ही उसके ऊपर लाठी-डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर बाइक छीन कर भाग निकले।

पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

दिनारा (रोहतास) पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए दिनारा थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के कुम्हौरा निवासी जगदेव सिंह के पुत्र बिहारी सिंह को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। जिसके विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

नहर में गिरने से बाइक सवार युवक की डूबने से मौत

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने बिक्रमगंज-डुमरांव लाइन नहर से बाइक सहित युवक का शव बरामद किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसंदा खुर्द निवासी जयप्रकाश सिंह के 32 वर्षीय पुत्र अरुण कुमार सोमवार की देर रात करीब 9:30 बजे बिक्रमगंज से बाजार कर दुगार्डीह नहर होते हुए अपने बाइक से गांव जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक असंतुलन होने के कारण वह नहर में गिर पड़े। जिस दौरान उनकी मौत नहर में डूबने से हो गई। इसकी सूचना मिलते ही आनन फानन में स्थानीय लोगों ने नहर उसे बाहर निकाला। लेकिन तबतक बहुत देर हो चुकी थी। घटना के संबंध में लोगों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अंग्रेजी व देसी शराब के साथ एक कारोबारी को किया गिरफ्तार । जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के पड़सर निवासी श्रीनिवास सिंह के पुत्र हरि शरण सिंह को 180 एमएल के 66 पीस अंग्रेजी शराब और 5 लीटर देसी शराब के साथ रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

शराब कांड में संलिप्त आरोपी को जेल

नावानगर (बक्सर) स्थानीय थानाध्यक्ष नंदू कुमार के नेतृत्व में केसठ गांव में छापेमारी किया गया। छापेमारी में शराब कांड के फरार अभियुक्त पचरतन मुसहर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि पचरतन मुसहर अपने गांव में देखा गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर उसके गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

रोहतास में अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ पुलिस प्रशासन और खनन विभाग ने की संयुक्त छापेमारी

खनन विभाग और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में बालू लदे 06 हाईवा को किया गया जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिले के डेहरी-नासरीगंज मुख्य मार्ग पर आयरकोठा थाने के समीप पुलिस- प्रशासन और खनन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी की गई। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस- प्रशासन और खनन विभाग की टीम ने बालू लदे 06 हाईवा को जप्त कर लिया है। डेहरी अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि कुछ दिनों से अवैध बालू के खनन एवं परिवहन को लेकर शिकायतें मिल रही थी। जिसको लेकर डेहरी अनुमंडल प्रशासन-पुलिस एवं खनन विभाग की टीम के द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान खनन एवं परिवहन नियमों का उल्लंघन कर उनके मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले बालू लदे 06 हाईवा को जप्त कर लिया गया है। जप्त किए गए सभी गाड़ियों के खिलाफ संबंधित पदाधिकारी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसके

साथ ही जिस क्षेत्र में अवैध बालू खनन की शिकायतें प्राप्त हुई थी। वैसे सभी क्षेत्रो के कई घाटों का भी अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह और खनन विभाग के द्वारा निरीक्षण किया गया है। वही अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि आगे भी नियमों को ताख पर रखकर बालू खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

बालू माफियाओं के द्वारा नियमों को ताख पर रखकर बालू का किया जाता है खनन एवं परिवहन: बताते चले की रोहतास जिले के डेहरी अनुमंडल क्षेत्र के बडीहाँ, शंकरपुर अ और इ ,कटार, हुरका, बरन बिगहा,बेरकअप एवं बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के अमियावर,छोटकी सबदला, बड़की सबदला ,अतमीगंज बालू घाटो से खनन विभाग द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक सोन क्षेत्र से बालू का अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। इसके साथ ही बालू घाटों से रात्रि के समय ओभरलोडेड गाड़ियों पर बालू लोड कर बगल के राज्य उत्तर प्रदेश में भेजा जा रहा है। खनन नियमों का उल्लंघन कर पोकलेन मशीन के द्वारा सोन नदी से बालू का खनन कर ट्रक और हाईवा पर बालू लोड कर दिया जाता है। जिससे बालू माफियाओं को मोटी रकम की कमाई होती है।

पुलिस प्रशासन और खनन विभाग की इस कार्रवाई के दौरान पकड़े गए बालू लदे 06 हाईवा प्रमाणित करते हैं कि बालू माफियाओं के द्वारा बालू घाटों से नियमों का उल्लंघन कर बालू का खनन एवं परिवहन कर सरकार को चूना लगाया जा रहा है।

इतिहास : रोहतास के चावल हब से प्रसिद्ध नोखा राइस मिलों की सांसें हुई बंद

प्रात : किरण/ रवि प्रकाश/मंटू कुमार

रोहतास : सरकार की उदासीनता के कारण रोहतास जिला के नोखा विधानसभा क्षेत्र स्थित धान के कटोरे में राइस मिलों की धड़कन बंद हो गई है। ज्ञात हो कि जिले के सात विधानसभा में से नोखा विधानसभा क्षेत्र शुरू से ही राजनीतिक दृष्टिकोण से समृद्ध रहा है। जिसके अंतर्गत नोखा,राजपुर व नासरीगंज प्रखंड को मिलाकर बने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीति कार्यकर्ता या तो सूबे में मंत्री पद के साथ राष्ट्रीय राजनीति में अपने को बहुचर्चित चुके हैं। जो प्राचीन काल में नोखा प्रखंड औद्योगिक दृष्टिकोण से भी धान को कटोरे के रूप में पहचान बनाते हुए रोहतास क्षेत्र का यह कभी चावल उद्योग का हब हुआ करता था। लेकिन सरकारी उदासीनता और बदलते माहौल में अब यह उद्योग संकट की परिस्थिति से जूझ रहा है। जिसकी कोई खोज खबर तक लेने वाला नही है। जो इस सत्र 2024 के लोकसभा चुनाव में इस उद्योग की प्रति किसी राज्य सरकार सहित केंद्र सरकार की इसके प्रति

ध्यान आकृष्ट होता है की नही यह एक बड़ा मुद्दा होगा।

उद्योग बंद होते ही हजारों मजदूर हुए बेरोजगार : इतिहास के पन्नों से देखा जाए तो आज नोखा प्रखंड क्षेत्र के आज दर्जनों राइस मिल या तो बंद हो चुके हैं या बंदी के कगार पर पहुंच गए हैं। जिसके कारण अब हजारों मजदूरों के घरों चूल्हे नही जलने के संकट से भरी बादल मंडराने लगे हैं। एक समय था कि केवल नोखा क्षेत्र में कुल दो दर्जन राइस मिल संचालित होते थे। जहां से ट्रकों द्वारा चावल बंगलादेश, भूटान सहित अन्य देशों तक भेजा जाता था। यहां का चावल मंडी पूरे बिहार में प्रसिद्ध था। लेकिन उद्योग की उदासीनता के कारण आज चावल मंडी में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। वही आंकड़ों पर नजर डालें, तो एक राइस मिल में औसतन 75 से 80 लोगों को रोजगार मिलता था। किसानों, व्यवसायियों को भी अच्छी आमदनी हो जाती थी। लेकिन राइस मिलों के बंद होते ही मजदूरों के समक्ष रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

जबकि मिल बंद होने के कारण ट्रांसपोर्टर, होटल व ब्रोकर कार्य में लगे लोगों के समक्ष भी बेरोजगारी छा गई है। वर्तमान समय में भी संचालित मिलें भी एक-एक कर धीरे धीरे बंद हो रही है। जो कभी रोजगार के स्त्रोत साबित हो रहें थे। प्राचीन समय में धान का कटोरा कहे जाने वाला नोखा क्षेत्र को कभी राइस मिलों की नगरी भी कहा जाता था। जहां 1948 ई० में पहली अन्नपूर्णा जी राइस मिल की स्थापना की गई थी। उसके बाद लगातार राइस मिलें खुलती गई। एक समय था, जब नोखा, राजपुर व नासरीगंज प्रखंड में तीन दर्जन से अधिक राइस मिलें हुआ करती थीं। लेकिन अब नोखा में महज आधे दर्जन ही बड़ी राइस मिल ही बची हुई हैं। जो उसना चावल के बदले अब अरवा चावल बना रही हैं। वही राइस मिल की बदहाली से किसानों के समक्ष भी धान बेचने की समस्या निरंतर बनी रहती है।

मिलों के संचालन से गुलजार रहती थी चावल मंडी : पूर्वकाल समय में नोखा स्टेशन रोड स्थित चावल मंडी व्यवसायियों की चहल-कदमी से गुलजार हुआ करता था। जो 80 के दशक में नोखा का चावल बांग्लादेश,भूटान तक के व्यवसायी नोखा आकर चावल ट्रांसपोर्ट कर ले जाते थे। लेकिन 2010 के बाद मिलों की स्थिति धीरे-धीरे खराब होती चली गई। जो सरकारी उदासीनता व गलत नीति के कारण क्षेत्र के राइस मिल बंद होते गए। साथ ही 1990 में सिर्फ नोखा में ही 26 बड़ी राइस मिल थी। लेकिन वर्तमान में महज आधे दर्जन ही बची मिल भी घाटे में चल रही हैं। जिसके कारण अब मजदूरों के साथ सैकड़ों ट्रांसपोर्टर भी बेरोगार हो पलायन करने लगे है। जिसके उपर केंद्र व राज्य सरकार भी चुप्पी साधे ऐतिहासिक धरोहर धूमिल होते हुए देख रही है।

उजाले का बाट जोह रहा नगर पंचायत का मुख्य सड़क

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर नगर पंचायत के मुख्य सड़क पर लाइट की व्यवस्था नहीं होने के कारण आमजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोइलवर थाना चौक से स्टेशन जाने वाली सड़क पर नगर पंचायत के द्वारा लाइट की व्यवस्था नहीं किये जाने से राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। आरा से खुलकर सुबह 3:32 बजे कोइलवर पहुँचने वाली पैसिंजर ट्रेन पकड़ने के लिए रोजाना दर्जनों लोग आते जाते है परन्तु सुबह में अंधेरा होने के कारण उन राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसी तरह पटना से रात 9:55 बजे खुलने वाली पैसिंजर ट्रेन के 11 बजे रात को कोइलवर पहुँचने पर ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को सड़क पर लाइट नहीं होने से उन्हें घर तक जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी कोईलवर चौक स्थित अंडरपास के पास होता है अंडरपास के समीप कूप अंधेरा होने के कारण राहगीरों को जान माल का खतरा का डर भी सताता रहता है। सुबह में ट्रेन से पटना फुल का व्यापार करने वालों ने राहगीरों ने बताया की नगर के मुख्य सड़क पर अंधेरा के कारण डर लगता है। सड़क पर स्थित निजी घरों में लगे बल्ब के प्रकाश के सहारे हमलोग प्रतिदिन आते-जाते है। नगर पंचायत के उदासीन रवैये के कारण हम जैसे दर्जनों यात्रियों को रात में सड़क पर चलने में डर लगा रहा है जब नगर के मुख्य सड़क पर की अंधेरा छाया हुआ है तो नगर के अन्य सड़कों की क्या हाल होगी। नगर पंचायत के अधिकारियों को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

अपराधियों ने इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार को मारी गोली

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। गड़हनी, बेखौफ अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के गड़हनी गोला बाजार स्थित पुल के समीप हुई। मंगलवार की दोपहर हथियारबंद अपराधियों ने एक इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली बाए साइड सीने में लगी है जो अंदर फांसी हुई है।

गोली लगते ही वह खून से लतपथ होकर जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे आनन- फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। हालांकि परिजन उसे पटना ना ले जाकर उसका इलाज आरा शहर के बाबू बाजार स्थित शांति मेमोरियल अस्पताल में करा रहे हैं, जहां आरा के प्रसिद्ध सर्जन डॉ विकास सिंह उसका इलाज कर रहे है।

डॉ विकास सिंह ने बताया की गोली लगने से घायल युवक का खून काफी बह गया है हम लोग अभी युवक को खून चढ़ाएंगे उसके बाद उसे अबर्वेशन में रखा जाएगा। वहीं घटना की सूचना पाकर प्रशिक्षु डीएसपी रश्मि कुमारी,नवादा थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह एवं टाउन थानाध्यक्ष संजीव कुमार पुलिस बल के साथ आरा सदर अस्पताल पहुंचे और जख्मी युवक के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली।

फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जाता है कि घायल युवक चरपोखरी थाना क्षेत्र के बालबांध गांव निवासी सत्येंद्र सिंह का 23 वर्षीय पुत्र अनूप कुमार है। वहीं भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने बताया की युवक के रिश्तेदार ने उसे गोली मारी है, और प्रथम दृष्टिया प्रेम प्रसंग का लग रहा है और घायल युवक के भाई का गड़हनी थाना स्थित गड़हनी बाजार में इलेक्ट्रॉनिक का दुकान है जहां वो कभी कभी आया करता था वहीं भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने कहा है घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है और उन्हें जल्द ही पुलिस गिरफ्तार कर लेगी। वहीं गोलीबारी की घटना के बाद से गड़हनी बाजार को वहां के स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

मवेशियों को खुरपका और मुंहपका रोग का दिया गया टीकाकरण

बिक्रमगंज (रोहतास) पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजनान्तर्गत अनुमंडल क्षेत्र के दिनारा प्रखंड में बेलवईया ग्राम पहलवान डेयरी फार्म में खुरपका-मुंहपका,एफएमडी रोग के विरूद्ध टीकाकरण कार्य का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख रेणु देवी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी रोहतास डा० राजेश कुमार चौबे, जिला नोडल प्रदीप कुमार निराला, प्रखंड नोडल डॉक्टर- अविनाश चन्द्र प्रभाकर, प्रीति रंजन, अवधेश कुमार सिंह, शम्भु कुमार, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी

डॉ० राजेश कुमार चौबे, जिला पशुपालन पदाधिकारी रोहतास के द्वारा बताया गया कि एफएमडी रोग विषाणुओं से होने वाली पशुओं का एक मुख्य रोग है । इस रोग में संक्रमण का दर काफी अधिक होता है । रोग से ग्रसित पशुओं के मुख के अन्दर छाले पड़ जाते है एवं खुर मे घाव हो जाते है तथा काफी तेज बुखार होता है। पशुओं के चारा, दाना खाने में एवं पैर से चलने में काफी परेशानी होती है। टीकाकरण से पशुओं में एफएमडी रोग के विरूद्ध लड़ने की क्षमता विकसित हो जाती है। इस रोग के होने पर पशुओं की दूध उत्पादकता के काफी कमी आ जाने के कारण पशुपालको को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहभागिता से निजी टीकाकर्मियों के माध्यम से घर-घर जा कर सभी योग्य पशुओं का टीकाकरण किया जायेगा। इस अवसर पर पशुपालकों से आह्वान किया गया कि वे अपने पशुओं को इन रोग के विरूद्ध टीकाकरण अवश्य करवा ले।

परिवार मिशन विकास अभियान को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ मनोज कुमार एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० कमलेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में मिशन परिवार विकास अभियान की सफलता को लेकर एक बैठक की। जिसके तहत 5 से 24 फरवरी तक मिशन परिवार विकास अभियान की सफलता को लेकर संबद्ध विभाग के पदाधिकारीयो साथ समन्वय बैठक कर विशेष चर्चा होगी।

इस मिशन परिवार विकास अभियान अंतर्गत 5 से 11 फरवरी तक दंपति संपर्क पखवाड़ा 12 से 24 फरवरी तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा संपादित किया जाना है। वही आमजन में जागरूकता लाने के लिए सारथी रथ के माध्यम से प्रखंड के सभी गांव में प्रचार प्रसार किया जाएगा। बैठक में ,बीसीएम तस्लीम,जीविका प्रबंधक सहित आशा फैसिलिटेटर एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय आग्नेयास्त्र के सत्यापन में प्रशासन जुटा

नावानगर (बक्सर) स्थानीय थाना तथा सिकरौल में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहद आग्नेयास्त्र का सत्यापन संबंधित अधिकारियो द्वारा किया गया। तीन दिवसीय आग्नेयास्त्र सत्यापन के पहले दिन सिकरौल में 38 और नावानगर में 48 आग्नेयास्त्रों का सत्यापन हुआ। जिसमें राइफल,पिस्टल,दो नाली बंदूक शामिल रहा। जहां नावानगर में थानाध्यक्ष नंदू कुमार के उपस्थिति में सीओ अजीत कुमार द्वारा सत्यापन किया गया।

वही सिकरौल में थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में बीडीओ मनोज कुमार द्वारा सत्यापन का कार्य किया गया। सत्यापन के दौरान पदाधिकारियों द्वारा संबंधित थाने में आए अनुज्ञप्ति शस्त्र धारियों के लाइसेंस बुक,

लाइसेंस मिलान,नंबर मिलान,फोटो मिलान करके हस्ताक्षर मुहर किया गया। इसके साथ ही कारतूसों के बारे में जानकारी ली गई।

इस संबंध में नावानगर सीओ ने बताया कि नावानगर में 48 आग्नेयास्त्रों का सत्यापन किया गया ।वही बीडीओ ने बताया कि सिकरौल में 38 आग्नेयास्त्रों का सत्यापन किया गया उक्त सत्यापन तीन दिनों तक चलेगा।

साड़ के आतंक से लोग परेशान, शिकायत के बाद भी प्रशासन मौन

नावानगर (बक्सर) थाना क्षेत्र के सोनवर्षा बाजार में साड़ के आतंक से लोगों में दहशत कायम है। उनसे अबतक दर्जनों लोगों पर हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया है। जिसमें गंभीर रूप से जख्मी तीन व्यक्ति जिंदगी और मौत से जूझ रहें। जिनका ईलाज पटना के पीएमसीएच में जारी है। बताया जाता हैं कि साड़ विगत वर्ष के अगस्त में बाजार में आया था। जिसने अपने आतंक से सोनवर्षा बाजार में लोगो पर हमला कर उन्हें घायल कर रहा है। हालांकि इस संबंध में चार अगस्त को हमला में जख्मी विजय तुरहा,अजय तुरहा, इलाही मंसूरी के घटना के बाद ग्रामीणों राजकुमार के नेतृत्व में ग्रामीणों के संयुक्त हस्ताक्षर के साथ सोनवर्षा ओपी में साड़ को बाजार से बाहर कर किसी दूर जंगल में छोड़ने के लिए आवेदन भी दिया था। लेकिन इसके बावजूद स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बन मौन साधी नजर आई।

एनएसडी द्वारा आयोजित दुनियां के सबसे बड़े नाट्य महोत्सव भारंगम में प्रदर्शन के लिए आरा से नाटक गंगा स्नान की टीम हुई रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित 1 फरवरी से शुरू हुए भारत रंग महोत्सव में भाग लेने प्रभाव क्रिएटिव सोसाइटी भोजपुर की टीम युवा निर्देशक मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में आज रवाना हुई. शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री विष्णु सिंह,युवा नेता अभय विश्वास भट्ट, रंगकर्मी अनिल कुमार तिवारी 'दीपू' संगीतज्ञ लक्ष्मण दुबे व रंगकर्मी व शिक्षक सुधीर शर्मा ने आरा रेलवे स्टेशन पर कलाकारों को फुल माला पहना व मिठाई खिला कर रवाना किया. 9 फरवरी को डिब्रुगढ़ असम में प्रभाव क्रिएटिव सोसाइटी द्वारा लोक कलाकार भिखारी ठाकुर लिखित व युवा निर्देशक मनोज कुमार सिंह द्वारा निर्देशित प्रसिद्ध नाटक " गंगा स्नान " की प्रस्तुति होगी. विदित हो कि भारत रंग महोत्सव दुनियां का सबसे बड़ा नाट्य महोत्सव है जो इस वर्ष अपना रजत जयंती समारोह मना रहा है. इस वर्ष लगभग 850 आमंत्रित आवेदनों में देश विदेश से 62 नाटकों का चयन भारत रंग महोत्सव में प्रदर्शन के लिए हुआ है. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्ली संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव के इस वर्ष रजत जयंती के ब्रांड अम्बेसदर व रंगदूत एन एस डी के पूर्व छात्र,रंगमंच व हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी बने है.इस वर्ष महोत्सव की थीम " वसुधैव कुटुंबकम : वन्दे भारंगम है. यह महोत्सव दिल्ली, मुंबई, डिब्रुगढ़, पुणे, पटना, श्रीनगर, भुवनेश्वर, कटक आदि सहित देश के 16 नगरों में आयोजित हो रहा है. रूस, इटली, श्रीलंका सहित 8 विदेशी नाटकों के साथ आमंत्रित नाटकों सहित 150 नाटकों का मंचन होगा.महोत्सव का समापन 21 फरवरी को दिल्ली में होगा।

प्रभाव क्रिएटिव सोसाइटी के सचिव कमलेश कुंदन ने बताया कि भोजपुर जिले से यह पहला नाट्य दल है जो भारत रंग महोत्सव में अपने कला का प्रदर्शन करेगा. दल नायक तिरुपति नाथ कहा कि पूरी टीम इस महोत्सव में प्रदर्शन के लिए बहुत उत्साहित है. पिछले 25 दिनों से लगातार नाटक का अभ्यास कर रही है. जम कर पसीना बहाया है. इस नाटक का संगीत निर्देशन कर रहें लोक संगीतकार श्याम शमीर्ला ने कहा कि इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के माध्यम से हमारे लोकनाट्य, लोक संस्कृति व लोक संगीत को अंतर्राष्ट्रीय मंच मिलना भोजपुर और भोजपुरी के लिए गौरव की बात है ।नाटक में विभिन्न भूमिकाओं में साहेब लाल यादव, जीतेन्द्र प्रसाद, राजा, सुंदरम राज, मुकेश मुस्कान, दीपू कुमार, आशा पाण्डेय, ऋतु पाण्डेय, मेहंदी राज साधना श्रीवास्तव, लव कुश सिंह, राजा बसंत, अभय ओझा, सूरज कांत पाण्डेय आदि है.निर्देशक मनोज कुमार सिंह व पुरे नाट्य दल को वेद जी (संस्कार भारती बिहार) अमित रौशन(बेगूसराय), अभय सिन्हा(पटना) रोहित त्रिपाठी (भिलाई छत्तीसगढ़)अशोक दास (असम)तनवीर अख्तर (पटना इप्टा), अनिल कुमार तिवारी ' दीपू ' संयोजक आरा रंगमंच, श्रीधर शर्मा (भूमिका), मनोज कु सिंह (समाजसेवी), नागेंद्र नाथ पाण्डेय (आरा) राकेश ठाकुर (प्रपौत्र भिखारी ठाकुर, कुतुबपुर), श्री राम दास राही (लेखक), संजय राय (समाजसेवी), श्री लक्ष्मण दुबे (शिक्षक), सुधीर शर्मा (लेखक व रंगकर्मी) आदि कई प्रबुद्ध जनों ने सफल मंचन के लिए शुभकामनायें दी है।

एसडीएम ने बिजली विभाग का किया औचक निरीक्षण

बिक्रमगंज (रोहतास) विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल कार्यालय में एसडीएम अनिल बसाक ने निर्वाध विद्युत आपूर्ति को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा लॉगबुक, उपभोक्ता का शिकायत पंजी आदि का जांच किया गया। साथ ही निरीक्षण के क्रम में निदेशित किया गया कि ग्रिड से लाइन मिलने के पश्चात निर्वाध रूप से विद्युत आपूर्ति की जाय। उनके द्वारा ग्रिड सब स्टेशन नारायणपुर से निरीक्षण करने के पश्चात बिक्रमगंज विद्युत विभाग में प्रवेश किया गया। ऊक्त निरीक्षण के क्रम के विद्युत कार्यपालक अभियंता ब्रजेश कुमार, सहायक अभियंता राज कुमार तथा कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज नवदीप गोयल आदि उपस्थित थे।

कुआं में गिरने से एक व्यक्ति की मौत

शिवसागर (रोहतास) बड्डी ओपी थाना क्षेत्र के नईया गांव स्थित कुआं में गिरने से एक व्यक्ति की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी भोला बिंद के रूप में बताया जा रहा है। इस संबंध में बड्डी थानाध्यक्ष विश्वजीत सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है। साथ ही इस घटना मामलें पुलिस द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी है। दूसरी तरफ इसकी खबर सुन परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सीताराम जिंदल को प्राकृतिक चिकित्सा और लोकोपकारी कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मभूषण से किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। परोपकार एवं स्वास्थ्यसेवा के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम, डॉ. सीताराम जिंदल, को प्रतिष्ठित पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। इस खबर से पूरे भारत में खुशी की लहर फैल गई है। यह सम्मान उन्हें अभूतपूर्व परोपकारी कार्यों के लिए दिया गया है, खासकर प्राकृतिक चिकित्सा (नेचरक्योर) के क्षेत्र में। दवारहित चिकित्सा में डॉ. जिंदल का योगदान और जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट (जेएनआई) की स्थापना ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिलाया है ।1932 में हरियाणा के नालवा गांव में जन्मे डॉ. जिंदल का प्राकृतिक चिकित्सा का कार्य विश्वविद्यालय के दिनों से ही शुरू हो गया था, जब उन्हें पेट की टीबी से जूझना पड़ा था। ऐसा लग रहा था उनकी समस्या का कोई इलाज नहीं है, फिर उन्होंने एक छोटे-से प्राकृतिक चिकित्सा क्लीनिक में शरण ली। उपवास रखने, एनीमा और दूसरे अपारंपरिक तरीकों से उन्हें आराम महसूस होने लगा। इस बदलावकारी अनुभव की वजह से प्राकृतिक चिकित्सा और योग पर उनका गहरा विश्वास हो गया। एक व्यापक नैचुरोपैथी और योग अस्पताल खोलने की

सोच से प्रेरित होकर डॉ. जिंदल ने साल 1977-79 में बेंगलुरू के बाहरी इलाके में एक बड़ी जमीन खरीदी। यहां से जेएनआई की नींव पड़ी, जोकि अनुसंधान विंग से परिपूर्ण था। इसे जिंदल एल्युमिनियम लिमिटेड (जेएएल) से काफी ज्यादा आर्थिक सहायता मिलती थी। इससे डॉ. जिंदल की प्राकृतिक चिकित्सा को एक नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता झलकती है।

उस समय प्रचलित पारंपरिक प्राकृतिक चिकित्सा से उलट, डॉ. जिंदल ने इस विज्ञान को आधुनिक तथा नया बनाने के मिशन की शुरूआत की। पुरानी रूढ़ियों में बंधे प्राकृतिक चिकित्सा के तौर-तरीकों में उत्साह तथा विकास की कमी को पहचानते हुए, वे दवारहित थैरेपीज को ऊपर उठाने और आगे बढ़ाने में जुट गए। 1969 में स्थापित एसजे फाउंडेशन उनके परोपकारी अभियानों के लिए एक आर्थिक स्तंभ बन गया। बिना किसी सरकारी या व्यक्तिगत सहयोग के यह पूरी तरह से जेएएल के योगदान पर निर्भर हो गया।

डॉ. जिंदल के अथक प्रयासों ने दवारहित तरीके से स्वस्थ होने के क्षेत्र पर काफी गहरा प्रभाव डाला है। वे जेएनआई को अस्थमा, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, आर्थराइटिस और कैंसर के कई प्रकारों सहित विभिन्न बीमारियों के उपचार में विशेषज्ञता हासिल करने वाली एक विश्व-स्तरीय फैसिलिटी के तौर पर स्थापित कर रहे हैं। 550 बिस्तरों वाला यह संस्थान उन लोगों के लिए आशा की किरण बन गया है जोकि अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दवा-रहित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

जेएनआई के साथ-साथ डॉ. जिंदल ने कई सारे परोपकारी कार्यों को पूरा किया है, जोकि सामाजिक उत्थान के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है। इसके अंतर्गत एलोपैथी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों का निर्माण, गांवों के विकास से जुड़ी पहल, स्वास्थ्यसेवा एवं शिक्षा के लिए गांवों को गोद लेना और स्वास्थ्यसेवा तथा शिक्षा के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे विभिन्न एनजीओ को सहायता पहुंचाना शामिल है। डॉ. जिंदल के लोकोपकारी प्रयास, प्राकृतिक चिकित्सा से भी कहीं आगे है, जिसमें अपने पैतृक गांव नालवा में आठ चैरिटेबल इकाईयों का निर्माण शामिल है। इससे आस-पास के इलाकों के काफी सारे लोगों को लाभ मिल रहा है। गरीब विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के माध्यम से सहयोग देना और स्वास्थ्यसेवा तथा शिक्षा के क्षेत्र में सेवारत एनजीओ को आर्थिक मदद पहुंचाना, सामाजिक कार्यो के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है। डॉ. जिंदल के कार्यो का प्रभाव जेएनआई की चारदीवारी से बाहर भी है।

नैचुरोपैथी तथा योग पर जोर देने वाले, स्वास्थ्य को लेकर उनके व्यापक तरीके ने दुनियाभर में लाखों लोगों की जिंदगियों को बदल दिया। सुरक्षात्मक देखभाल और दवाओं के साइड इफेक्ट के बारे में जानकारी देने की उनकी प्रतिबद्धता, प्राकृतिक चिकित्सका पर उनकी आस्था के अनुरूप है। जिसमें उनका मानना है कि प्राकृतिक चिकित्सा एलोपैथिक अस्पतालों से बोझ को काफी कम कर सकती है। अपने इस पूरे सफर में, डॉ. जिंदल, स्वास्थ्य समस्याओं के लिए काफी सारे नवाचार और थैरेपीज लेकर आए।

प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ एस रजाउल्लाह के निधन से शोक की लहर

शेरघाटी ।प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक व अंजुमन तरक्की उर्दू बिहार शाखा शेरघाटी के अध्यक्ष डॉ एस रजाउल्लाह का मंगलवार को पटना में निधन हो जाने से शेरघाटी के चिकित्सकों व साहित्यिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। वार्ड कॉउंसलर शाहिद ईमाम ने बताया कि डॉ एस रजाउल्लाह को बुधवार के दिन शेरघाटी के काजी मुहल्ला कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। वर्षो तक उर्दू जुबान व अदब की खिदमत करते रहे रजाउल्लाह की मौत से लोग काफी सदमे में हैं। इनके निधन पर सौ से अधिक पुस्तकों के लेखक व प्रसिद्ध शायर नावक हमजापुरी,डॉ शहाब उद्दीन, डॉ उदय कुमार,मुंशी नईम उद्दीन,अंजुमन तरक्की उर्दू बिहार शाखा शेरघाटी के उपाध्यक्ष इमरान अली, जहीर अनवर, सचिव मो अली,अवामी उर्दू निफाज कमिटी के प्रमंडलिय अध्यक्ष जमशेद अशरफ,अरविन्द कुमार, शौकत अली, कौशल पांडे, दीनानाथ और जाकिर अहमद ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

12वीं फेल को विक्रांत ने बताया करियर का रीस्टार्ट मोमेंट

विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल साल 2023 की सबसे सफल फिल्म बनकर सामने आई। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। मुख्य कलाकार विक्रांत मैसी ने फिल्म में अपने अभिनय से हर किसी के दिल को छू लिया, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट एक्टर क्रिटिक्स का अवार्ड मिला। हाल ही में एक साक्षात्कार में विक्रांत ने 12वीं फेल को रीस्टार्ट मोमेंट बताया। साक्षात्कार में विक्रांत फिल्म के निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के साथ बातचीत को याद करते हुए बताया कि 12वीं फेल डायरेक्टर ने उनसे कहा था कि इंडस्ट्री में कई वर्षों से काम करने के बावजूद वे लोगों के लिए अंजान हैं। विक्रांत ने बताया कि विधु विनोद चोपड़ा ने उनसे कहा था कि तुझे कोई नहीं जानता। बहुत सारे लोग तुझे नहीं जानते, तू काम कर रहा है इतने सालों से। फिल्म रिलीज के 3 माह बाद भी थिएटर में जमी हुई है। हाल ही में 12वीं फेल ने सिनेमाघरों में अपने 100 दिन पूरे के मौके का जश्न भी मनाया। इस दौरान फिल्म के कलाकार और निर्देशक एक साथ नजर आए। इस जश्न के मौके पर फिल्म की लीड एक्टर विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल को अपने करियर में रीस्टार्ट मोमेंट बताया। उन्होंने कहा, मेरे करियर में 12वीं फेल मेरे लिए असल में ये एक रीस्टार्ट मोमेंट ही था। इस दौरान विक्रांत ने विधु विनोद चोपड़ा की बात को याद करते हुए उसे स्वीकार किया। उन्होंने फिल्म में मौका देने के लिए निर्देशक का आभार भी व्यक्त किया।

मॉडलिंग की दुनिया से इन अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड में रखा कदम, आज टॉप एक्ट्रेस में हैं शुमार

बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसी कई सारी अभिनेत्रियां है, जिन्होंने मॉडलिंग की दुनिया से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। इनमें से कुछ एक्ट्रेस फ्लॉप हो गई तो वहीं कुछ ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई। आज हम आपको कुछ ऐसी अभिनेत्रियों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने मॉडलिंग की दुनिया से इंडस्ट्री में टॉप एक्ट्रेस का सफर तय किया।

दीपिका पादुकोण

इस लिस्ट में पहला नाम पहला नाम दीपिका पादुकोण का है। अपनी हालिया रिलीज फाइटर से सुर्खियां बटोर रही दीपिका इंडस्ट्री में आने से पहले मॉडलिंग की दुनिया में बड़ा नाम थीं। उन्होंने साल 2007 में फिल्म ओम शांति ओम से अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद दीपिका ने बॉक्स ऑफिस पर कई सफल फिल्में दी और इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं।

कैटरीना कैफ

मेरी क्रिसमस से सुर्खियां बटोर रही कैटरीना कैफ भी मॉडलिंग की दुनिया से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्होंने साल 2003 में फिल्म बूम से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। हालांकि, उनकी यह फिल्म फ्लॉप रही थी, लेकिन इसके बाद कैटरीना ने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पकड़ मजबूत की और देखते ही देखते दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया। आज कैटरीना की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है।

अनुष्का शर्मा

अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर चर्चा बटोर रही अनुष्का शर्मा ने भी पहले मॉडलिंग करती थीं। इसके बाद साल 2008 में उन्होंने यशराज फिल्म के साथ रब ने बना दी जोड़ी से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। अनुष्का की यह फिल्म हिट रही और पहली फिल्म से ही वे दर्शकों के दिलों को भा गईं। इसके बाद अनुष्का ने बॉक्स ऑफिस पर कई सफल फिल्में दीं और बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शुमार हो गईं।

प्रियंका चोपड़ा

इस लिस्ट में हॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा का नाम भी शामिल है। प्रियंका मॉडलिंग की दुनिया की बड़ी नाम थीं। उन्होंने साल 2002 में अब्बास मस्तान की फिल्म हमराज से इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद प्रियंका ने एक के बाद एक कई सफल फिल्में दीं। बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद प्रियंका ने हॉलीवुड का रूख किया। प्रियंका ने साल 2018 में हॉलीवुड स्टार निक जोनस से शादी की और वहां सक्रिय हो गईं।

प्रभास की फिल्म में दीपिका के अलावा मृणाल ठाकुर के नाम की भी चर्चा

पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास का किरदार भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि से प्रेरित बताया जा रहा है। वहीं, इस फिल्म में दीपिका एक योद्धा की भूमिका में दिखाई देंगी। साउथ सुपर स्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रभास की यह फिल्म एक पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण के अलावा अमिताभ बच्चन और कमल हासन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब कल्कि 2898 एडी में एक और अभिनेत्री की एंट्री हो गई है।

मेहमान भूमिका में नजर आ सकती हैं मृणाल

पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास का किरदार भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि से प्रेरित बताया जा रहा है। वहीं, इस फिल्म में दीपिका एक योद्धा की भूमिका में दिखाई देंगी। मीडिया में आ रही खबरों की मानें तो प्रभास की इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर भी अहम किरदार निभाती दिखेंगी। फिल्म के निर्माताओं की तरफ से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन अफवाहों का बाजार गर्म है कि कल्कि 2898 एडी में मृणाल शायद कैमियो करती नजर आएंगी।

कल्कि 2898 एडी की स्टार कास्ट

सुपरस्टार प्रभास पहली बार कल्कि 2898 एडी में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते दिखाई देंगे। दर्शकों में इस नई जोड़ी को एक साथ देखने के लिए काफी उत्साह है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रभास और दीपिका के अलावा इस फिल्म में जूनियर एनटीआर, दुलकर सलमान और नानी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ सकते हैं। वहीं, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन और कमल हासन के नाम की पहले ही पुष्टि कर दी गई है।

फिल्म की रिलीज डेट

कल्कि 2898 एडी एक पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो प्रभास की इस फिल्म की शूटिंग 12 फरवरी से शुरू हो सकती है। महंगे बजट की इस फिल्म को इस साल मई के महीने में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

स्त्री 2 के बाद शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी श्रद्धा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने साल 2013 की फिल्म आशिकी 2 से अपने बॉलीवुड सफर की शुरुआत की थी। श्रद्धा को इंडस्ट्री में 10 साल से अधिक समय हो गया है। उन्होंने इन वर्षों में हॉरर कॉमेडी से लेकर डांस ड्रामा तक हर तरह की फिल्मों में काम कर खुद को साबित किया है। श्रद्धा अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने खुलासा किया, उनकी आगामी परियोजनाएं समय यात्रा और पौराणिक कथाओं पर आधारित होंगी। श्रद्धा कपूर ने अपने फैंस से बातचीत करते हुए कहा, तो देखो अभी स्त्री 2 आ रही है। साथ ही दो-तीन फिल्में अभी डेवलप हो रही हैं और दोनों बेहद ही दिलचस्प जोन की हैं। मैं चाहती हूं कि जो भी काम करूं वो मेरा सबसे अच्छा करूं। फिलहाल ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहूंगी, लेकिन, जो फिल्म है, उसकी कहानी पौराणिक क्षेत्र से है और दूसरी टाइम ट्रैवल से जुड़ी हुई है। उम्मीद है, आप सब उत्साहित होंगे और निश्चित रूप से स्त्री 2 आ रही है। एक फैन ने कमेंट कर सवाल किया कि क्या उन्हें अश्वत्थामा पर आधारित शाहिद कपूर की फिल्म ऑफर हुई है?, वहीं एक अन्य ने लिखा, स्त्री 2 के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक अन्य फैन ने लिखा, उनके लिए अच्छा है। वहीं, एक फैन ने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए लिखा, आपकी आंखें बहुत अच्छी हैं और आवाज सबसे प्यारी है। अभिनेत्री की निजी जिंदगी के बारे में बात करें, तो इन दिनों वह अपनी शादी की खबर को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, श्रद्धा ने रविवार को अपनी कुछ तस्वीरें साझा कर कैप्शन में लिखा था, अच्छी लग रही हूं। शादी कर लूं? तभी से उनकी शादी की खबरें सुर्खियों में बनी हैं। श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल श्रद्धा कपूर की कई फिल्में लाइन-अप हैं। इनमें कार्तिक आर्यन के साथ चंदू चैंपियन भी शामिल है, जिसकी जून में रिलीज होने की संभावना है। वहीं, सुपरहिट हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री का सीक्वल भी इस साल रिलीज होने के लिए तैयार है। स्त्री 2 30 अगस्त को रिलीज होगी। इसके अलावा अनुराग बसु की भी एक फिल्म में श्रद्धा नजर आने वाली हैं।

वायु सेना अधिकारी की भूमिका निभाने पर असमंजस में थे करण

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फाइटर ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, करण सिंह ग्रोवर और अनिल कपूर के अभिनय को भी खूब सराहा गया। अब फाइटर में स्क्वाड्रन लीडर सरताज गिल की भूमिका निभाने वाले अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने अपना अनुभव साझा किया है। साथ ही उन्होंने ऋतिक, दीपिका और सिद्धार्थ समेत टीम के अन्य लोगों के साथ काम करने के अनुभव का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वर्दी पहनना और वायु सेना अधिकारी के जीवन को पर्दे पर चित्रित करना उनके लिए गर्व का क्षण था। करण सिंह ग्रोवर ने कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात वर्दी पहनने का अवसर काफी सम्मानजनक है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। इसके अलावा, फिल्म के पात्रों के माध्यम से हम देखते हैं कि कैसे ये वायु सेना के पायलट देश के लिए अपनी जान देते हैं। वास्तव में यह एक शानदार अनुभव था। अधिकारियों के बीच रहने, वर्दी पहनने और वास्तविक सुखोई के आसपास रहने का अवसर मिला।

टेलीकॉलर से दिलबर गर्ल बनीं नोरा

दिलबर गर्ल नोरा का जन्म 6 फरवरी 1992 को कनाडा में हुआ था नोरा डांसर के अलावा मॉडल भी हैं, उन्होंने बॉलीवुड में अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर जगह बनाई है। नोरा ने फिल्म रोर- टाइगर ऑफ द सुंदरबन से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। नोरा को रिएलिटी शो 'बिग बॉस' के सीजन नौ में भी देखा गया, जहां उन्हें लोकप्रियता मिली। आज भले ही दुनिया नोरा को सफल अभिनेत्री के रूप में देखती है, लेकिन नोरा ने इस मुकाम पर आने के लिए काफी संघर्ष किया नोरा जब पहली बार भारत आईं, तब उनके पास सिर्फ 5000 रुपये थे।

डिवोर्स के बाद एक्स-वाइफ संग काम करने पर बोले आमिर

आमिर खान इन दिनों अपनी सेकेंड एक्स वाइफ किरण राव के साथ फिल्म 'लापता लेडीज' के प्रमोशन में बिजी हैं। इस फिल्म को किरण ने डायरेक्ट और आमिर ने प्रोड्यूस किया है। अब एक इंटरव्यू में आमिर ने डिवोर्स के बाद किरण के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर बात की। एक्टर ने कहा कि काम के दौरान किरण कई बार उनके ऊपर चिल्ला देती हैं पर वो इस प्रोसेस को एंजॉय करते हैं। हम एक परिवार की तरह हैं एक इंटरव्यू में आमिर ने कहा, 'ये किसी डॉक्टर ने कहा है कि डिवोर्स हो जाता है तो आप फौरन दुश्मन हो जाते हैं? मैं लकी हूं कि किरण मेरी लाइफ में आईं। हम दोनों एक दूसरे को पर्सनली और प्रोफेशनली पूरा करते हैं। हम ह्यूमन और इमोशनल लेवल पर आज भी कनेक्टेड हैं और हमेशा रहेंगे। हम एक परिवार की तरह हैं।

हम हमेशा काम को लेकर एक्साइटेड रहते हैं

किरण की तारीफ करते हुए आमिर ने आगे कहा, 'किरण के पास कमाल के आइडियाज हैं और वो बहुत ही इंटेलिजेंट हैं। वो कई बार मुझ पर चिल्ला भी देती हैं पर हम साथ काम करना एंजॉय करते हैं। हम हमेशा अपने काम को लेकर एक्साइटेड रहते हैं।'

2021 में हो गया था तलाक

आमिर और किरण ने 2021 में शादी के 15 साल बाद तलाक ले लिया था। हालांकि, दोनों मिलकर अपने बेटे आजाद की पैरेंटिंग भी कर रहे हैं और साथ में काम भी कर रहे हैं। हाल ही में किरण, आमिर और फर्स्ट एक्स-वाइफ रीना दत्ता की बेटी आयरा खान की शादी में भी एक्टिवली पार्टिसिपेट करती नजर आई थीं। आयरा ने 10 जनवरी को उदयपुर में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से शादी की है। 1 मार्च को रिलीज होगी 'लापता लेडीज' फिल्म 'लापता लेडीज' 1 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसमें नितांशी गोयल, प्रतिभा रांता, स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। सोमवार को मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'डाउटवा' भी रिलीज किया है।

प्रेम कहानी के बाद युद्ध भूमि में दिखेंगे शाहिद!

शाहिद कपूर बॉलीवुड के सबसे चहेते एक्टर्स में से हैं। अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इन सब के बीच शाहिद अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। खबर है कि उन्हें एक नई फिल्म ऑफर की गई है। फिल्म में अभिनेता को छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाने का ऑफर दिया गया है। शाहिद की अपनी अगली फिल्म के लिए 'ओएमजी 2' के डायरेक्टर अमित राय से बातचीत चल रही है। जिसमें दोनों के किसी हिस्टॉरिकल फिल्म पर साथ काम करने की चर्चा है। हालांकि, फिल्म की औपचारिक तौर पर घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कहा जा रहा है फिल्म का बजट काफी भारी भरकम होने वाला है। शाहिद की यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी के पराक्रम और शौर्य को दर्शाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छत्रपति शिवाजी भारतीय सिनेमा की अब तक की महंगी फिल्मों में से एक होगी। बता दें कि डायरेक्टर अमित राय को इस तरह के विषयों पर काम करना काफी पसंद है। यही वजह है कि उनकी स्टोरी और विजन से प्रोड्यूसर्स भी काफी प्रभावित हुए हैं और अब कास्ट को फाइनल करने की बात चल रही है। रिपोर्ट्स की मानें, तो कास्ट की बात छिढ़ते ही सबसे पहले नाम शाहिद कपूर का आया है। वहीं, शाहिद ने भी इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच करने पर अपना भरपूर उत्साह दिखाया है और इसमें काम करने के लिए हां कह दिया है। प्रोड्यूसर्स अब इसके लिए फाइनेंसर्स और स्टूडियो की तलाश में जुट गए हैं। किसी टॉप स्टूडियो के फिल्म से जुड़ने के बाद ही उनका नाम और फिल्म को औपचारिक रूप से अनाउंस किया जाएगा।

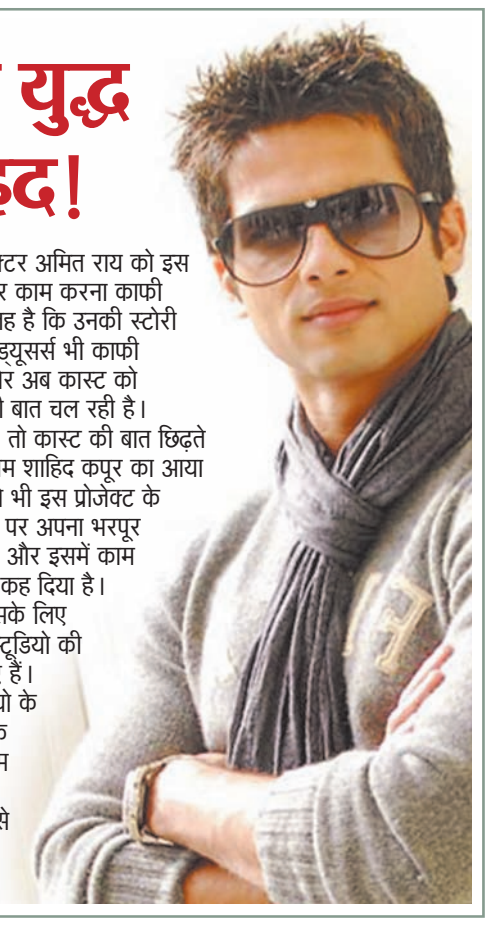

संक्षिप्त समाचार

कच्चा तेल दो साल में 38 प्रतिशत सस्ता, ग्राहकों को लाभ नहीं

नौ माह में कंपनियों को 69,000 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल पिछले दो साल में 38 प्रतिशत सस्ता हुआ है। बावजूद इसके खुदरा ग्राहकों को घरेलू बाजार में कोई राहत नहीं मिली है। तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस दौरान जस का तस रखकर चालू वित्त वर्ष के नौ माह में 69,000 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाई हैं। यह कंपनियां सस्ता कच्चा तेल खरीद कर महंगे भाव पर

पेट्रोल और डीजल बेच रही हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब दो साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है। कंपनियों का अनुमान था कि 2023-24 में कुल सालाना 39,356 करोड़ का मुनाफा होगा। हालांकि, नौ माह में ही उससे ज्यादा लाभ कमा लिया है। तीन सरकारी कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन 90 प्रतिशत बाजार पर काबिज हैं।

तीनों कंपनियों ने दो तिमाहियों (अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर) में रिकॉर्ड कमाई दर्ज की। इंडियन ऑयल ने 2021-22 के 9 माह में 24,184 करोड़ और 2020-21 के 9 माह में 21,836 करोड़ मुनाफा कमाया था।

भारी फायदे में पहुंची बीपीसीएल- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) को 2022-23 के नौ माह में 1,870 करोड़ और 2021-22 में 8,789 करोड़ लाभ हुआ था।

17 रुपये का हो रहा था घाटा- तेल कंपनियों ने छह अप्रैल, 2022 से कीमतों को यथावत रखा है। उन्हें 24 जून, 2022 के समाप्त हफ्ते में पेट्रोल पर 17.40 रुपये और डीजल पर 27.70 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा था।

मनरेगा कोष के गबन मामले में पश्चिम बंगाल में छापेमारी

25 लाख फर्जी रोजगार कार्ड बनाकर हुई गड़बड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कोष के कथित गबन की जांच के सिलसिले में मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि बताया कि सॉल्ट लेक के आईए ब्लॉक में एक पूर्व खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के आवास पर छापा मारा गया। वहीं एजेंसी के कर्मियों ने हुगली जिले के चिनसुराह में भी एक व्यवसायी के आवास और कार्यालय पर भी छापेमारी की।

उन्होंने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में राज्य सरकार के एक कर्मचारी से जुड़ी संपत्ति की भी तलाशी ली जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि पूर्व बीडीओ हुगली जिले के धनियाखाली में तैनात थे। उन्होंने दावा किया कि ''अनियमितताओं'' में संलिप्तता के सबूत मिलने के बाद छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि कथित अनियमितताएं राज्य में मनरेगा के तहत जारी किए गए लगभग 25 लाख ''फर्जी'' रोजगार कार्ड से संबंधित हैं।

मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड ने रतलाम में एक एडवांस्ड डायग्नोस्टिक लैब लॉन्च किया

रतलाम, एजेंसी। भारत के अग्रणी डायग्नोस्टिक सेवा प्रदाता मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के रतलाम में एक अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक लैब लॉन्च किया है। इस अत्याधुनिक विश्व स्तरीय लैब में प्रतिमाह 6000-8000 सेंपल्स को संसाधित करने की क्षमता है, जिसमें लगातार पैथोलॉजी परीक्षणों से लेकर एडवांस मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स तक शामिल हैं। इस उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रह्लाद पटेल, महापौर, रतलाम नगर निगम, श्रीमती मनीषा शर्मा, अध्यक्ष, रतलाम नगर निगम, और पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, एक प्रतिष्ठित चिकित्सक और स्त्री रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे । इस शुभारंभ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रह्लाद पटेल ने कहा, हम मेट्रोपोलिस के उन्नत डायग्नोस्टिक सेंटर का हार्दिक स्वागत करते हैं, जो रतलाम निवासियों की स्वास्थ्य की आवश्यकताओं के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया है। ऐसे वक्त में जहां स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

लाल सागर संकट से लाखों हस्तशिल्पियों की रोजी-रोटी पर संकट, चाह रहे हैं सरकार से मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों का इन दिनों दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग रूट लाल सागर पर एक तरह से कब्जा हो गया है। उनके हमलों की वजह से लाल सागर में माल की आवाजाही एकदम से ठप पड़ गई है। इसका असर भारत के निर्यातकों पर भी पड़ा है। अब उन्हें अमेरिका या यूरोपीय देशों में माल भेजने के लिए लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इससे उनका फ्रेट कॉस्ट बढ़ गया है। इसी को देखते हुए एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल फोर हैंडिक्राफ्ट ने सरकार से फ्रेट पर सब्सिडी की मांग की है।

ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने एनबीटी डिजिटल से बातचीत में बताया कि इस समय हस्तशिल्प के निर्यातक लाल सागर संकट से कुछ ज्यादा ही परेशान है। उनका कहना है कि लाल सागर संकट से पहले यहां से अमेरिका तक माल भेजने के लए 40 क्यूबिक फुट वाले कंटेनर का फ्रेट कॉस्ट 1500 से 2000 डॉलर पड़ता था।

यह अब बढ़ कर 6000 डॉलर पहुंच गया है। जिस हिसाब से भाड़ा बढ़ा है, उस हिसाब से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत नहीं मिल रही है। क्योंकि इस समय दुनिया भर के बाजारों में सुस्ती छाई है।

हस्तशिल्प कारोबार से जुड़े हैं 67 लाख लोग- उनका कहना है देश के हर हिस्से में आपको हस्तशिल्पी या आर्टिजन मिल जाएंगे। देश भर में करीब 67 लाख हस्तशिल्पी हैं, जिनका सामान दुनिया भर के बाजारों में पहुंचाने में ईपीसीएच मदद करता है। समुद्री मार्ग का भाड़ा बढ़ जाने से इनका सामान दुनिया भर के बाजार में भेजने में बहुत दिक्कत हो रही है। इसलिए सरकार माल भाड़े में सब्सिडी दे। यह सब्सिडी उसी तरह से हो सकती है, जिस तरह से निर्यातकों को लोन पर इंटरेस्ट सब्सिडी मिलती है। ऐसा होने पर छोटे कारोबारियों और हस्तशिल्पियों का माल दुनिया भर के बाजार में भेजना आसान हो जाएगा।

लो वैल्यू हाई वॉल्यूम आइटम

ईपीसीएच के महानिदेशक राकेश कुमार का कहना है कि हैंडिक्राफ्ट के आइटम वैल्यू में लो और वॉल्यूम में हाई होते हैं। जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर में देखें तो 10 हजार डॉलर का माल एक छोटे से डिब्बे में आ जाता है। लेकिन हैंडीक्राफ्ट का आइटम काफी बड़े-बड़े होते हैं। औसतन देखें तो 40 वर्ग फुट वाले कंटेनर में 15,000 डॉलर का ही माल आ पाता है। अब 15,000 डॉलर के माल को बाजार तक भेजने में ही 6,000 डॉलर खर्च हो जाएं तो आर्टिजन कैसे सर्वाइब करेंगे।

ग्लोबल सप्लाई चेन बाधित

कामर्शियल जहाजों पर हूती विद्रोहियों के हमलों के कारण दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग मार्ग में आवाजाही ठप है। जहाजों के निर्यात और आयात के लिए लंबे रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं। जब माल ढुलाई का मार्ग लंबा हो गया है तो कंटेनर का ट्रांजिट टाइम भी बढ़ गया है। इससे इंश्योरेंस का प्रीमियम भी बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि इंटरनेशनल कार्गो में अनिवार्य रूप से इंश्योरेंस करवाना होता है।

विलय के क्रियान्वयन से जुड़ी जी की याचिका पर एनसीएलटी ने जारी किया नोटिस, 12 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने सोनी पिक्चर्स की भारतीय इकाई के साथ विलय को लागू करने की मांग करने वाली जी एंटरटेनमेंट की याचिका पर नोटिस जारी किया है। ट्रिब्यूनल 12 मार्च को मामले की सुनवाई करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सोनी समूह की भारतीय इकाइयों ने भी एनसीएलटी के समक्ष आवेदन

दायर किया था, जिसमें विलय के कार्यान्वयन से जुड़े जी के आवेदन को चुनौती दी गई थी।

एनसीएलटी ने जी की याचिका को उसके शेयरधारक मैड मैन फिल्म वेंचर्स के साथ जोड़ दिया है, जिसे भारतीय ब्रॉडकास्टर का प्रॉक्सी कहा गया है। मैड मैन फिल्म वेंचर्स ने इससे पहले सोनी और जी के बीच विलय योजना लागू करने के लिए एनसीएलटी से संपर्क किया था।

ट्रिब्यूनल ने कल्वर मैक्स और बांग्ला एंटरटेनमेंट को भी नोटिस जारी कर जी के आवेदन पर जवाब दाखिल करने को कहा है। एनसीएलटी की ओर से याचिका सूचीबद्ध होने के बाद, जी के शेयरों की कीमतों में निचले स्तरों से 1.4 प्रतिशत तक का उछाल आया है।

चीन से पैसा निकाल रहे हैं दुनियाभर के इन्वेस्टर्स

दुनियाभर के निवेशकों की भारत में बढ़ी दिलचस्पी

जापान के रिटेल इन्वेस्टर्स भी भारत में लगा रहे पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब दो दशक तक चीन की इकॉनमी रॉकेट के स्पीड से बढ़ी। इस दौरान दुनियाभर के निवेशकों ने वहां जमकर पैसा लगाया। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। चीन की इकॉनमी संघर्ष कर रही है और भारत की अर्थव्यवस्था कुलांचे मार रही है। यही वजह है कि दुनियाभर के दिग्गज निवेशक चीन को छोड़कर भारत में पैसा लगा रहे हैं। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट के दिग्गज ने अगले एक दशक तक भारत को निवेशकों के लिए सबसे बड़ा डेस्टिनेशन बताया है। 62 अरब डॉलर के हेज फंड ने अपने फ्लैगशिप हेज फंड में भारत को अमेरिका के बाद सबसे बड़ा दांव बताया है। यहां तक कि कंजरवेटिव माने जाने वाले जापान के रिटेल इन्वेस्टर्स भी चीन में अपना निवेश कम कर रहे हैं और भारत का रुख कर रहे हैं।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर के निवेशकों की भारत और चीन पर करीबी नजर है। भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी अर्थव्यवस्था है। दूसरी ओर चीन की इकॉनमी कई तरह की मुश्किलों से जूझ रही है। साथ ही पश्चिमी देशों के साथ उसकी खाई बढ़ती जा रही है। सिंगापुर के एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स में एशियन इक्विटीज पोर्टफोलियो मैनेजर विकास प्रसाद ने कहा कि कई कारणों से लोगों की भारत में दिलचस्पी है। इसका एक कारण यह भी है कि भारत चीन नहीं है। भारत के अगले

कई साल तक तेजी से ग्रोथ करने की उम्मीद है। पिछले दो दशक में भारत की जीडीपी 500 अरब डॉलर से 3.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुकी है। अगले कई साल तक भारत की इकॉनमी से सालाना सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है।

स्टॉक मार्केट- कैपिटल फ्लो में भारत के प्रति निवेशकों का आकर्षण साफ दिखता है। यूएस एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड मार्केट में भारतीय स्टॉक्स खरीद रहे फंड को 2023 की अंतिम तिमाही में रेकॉर्ड इनफ्लो मिला जबकि चीन के चार सबसे बड़े फंड्स का कंबाइंड आउटफ्लो करीब 80 करोड़ डॉलर रहा। जनवरी में भारत कुछ समय के लिए हॉन्ग कॉन्ग को पछाड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा इक्विटी मार्केट बन गया था। कुछ निवेशकों को कहना है कि भारत लगातार बढ़ता जाएगा। मोर्गन की मानें तो 2030 तक भारत दुनिया का तीसरा बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया। एमएससीआई इंक डेवलपिंग मार्केट इक्विटीज बेंचमार्क में भारत का वेट 18 प्रतिशत पहुंच गया है जबकि चीन का कम होकर 24.8 प्रतिशत रह गया है।

जापान के रिटेल इन्वेस्टर्स भी भारत पर बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। भारत पर फोकस्ड पांच म्यूचुअल फंड्स इनफ्लो के मामले में टॉप 20 में शामिल हैं। नोमूरा इंडियन स्टॉक फंड में एसेट्स चार साल के टॉप पर है। मार्शल जैसे हेड फंड्स का कहना है कि भारत की मजबूत ग्रोथ और राजनीतिक स्थिरता के कारण निवेशक भारत का रुख कर रहे हैं। अमेरिका और दूसरे कई देशों की कई कंपनियां भी भारत का रुख कर रही हैं। उदाहरण के लिए आईफोन के कुल ग्लोबल आउटपुट में भारत की हिस्सेदारी सात परसेंट है।

आईआईएम लखनऊ ने सिटी रन 2024 का आयोजन किया

लखनऊ, एजेंसी। फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा महिंद्रा सोलराइज़ के सहयोग से, 4 फरवरी 2024 को स्वच्छ भारत मिशन द्वारा प्रस्तुत लखनऊ सिटी रन 2024 का आयोजन किया गया।

इस वर्ष की थीम स्वच्छता के लिए दौड़ का उद्देश्य स्वच्छ वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ फिटनेस की जीवन शक्ति को जोड़ना है। इस आयोजन को स्वच्छ भारत मिशन, किरण फाउंडेशन, डेकाथलॉन, एक्सिस बैंक और अन्य प्रतिष्ठित भागीदारों से मजबूत समर्थन मिला, जो एक स्वस्थ और स्वच्छ शहर के लिए एक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ।

प्रतिभागियों के पास दो श्रेणियों का विकल्प था - 5 किमी रन फॉर फन और 10 किमी रन फॉर ऑल। 5 किमी श्रेणी में, पहले तीन स्थान विशेष रूप से महिला प्रतिभागियों को समर्पित थे, जबकि 10 किमी श्रेणी में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 की तीसरी तिमाही के लिए शानदार नतीजे पेश किये

तिरुपुर, एजेंसी। गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग और सेलिंग के बिज़नेस में लगी लीडिंग कंपनी, गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड (बीएसई- 539216) ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए शानदार कमाई की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने ऑपरेशनल रेवेन्यू 18 प्रतिशत की सालाना ग्रोथ के साथ 33.36 करोड़ रुपये रिपोर्ट किया। एबिटा सालाना आधार पर 75 प्रतिशत बढ़कर 2.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 304 प्रतिशत उछला और 1.41 करोड़ रुपये पर रिपोर्ट किया गया।

31 दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीनों के लिए, ऑपरेशनल रेवेन्यू 9 प्रतिशत की कमी के साथ 93.92 करोड़ रुपये हुआ, जबकि एबिटा सालाना 26 प्रतिशत बढ़कर 5.99 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 99 प्रतिशत बढ़कर 2.11 करोड़ रुपये हुआ।

कंपनी ने आगे कहा कि, कंपनी की मौजूदा ऑर्डर बुक डोमेस्टिक और एक्सपोर्ट में मज़बूत और विविध है। हम दोनों बाज़ारों से अधिकतम कारोबार हासिल करने के लिए समान रूप से प्रयास कर रहे हैं। सूती वस्त्र हमारे प्रमुख उत्पाद हैं, गर्मियों के महीने ऐतिहासिक रूप से हमारे लिए बहुत व्यस्त और व्यवसाय पैदा करने वाले होते हैं। देश में अब धीरे-धीरे गर्मियां शुरू हो रही हैं, हमें ग्राहकों से और ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। गारमेंट मंत्रा एक ऐसी कंपनी है जो बड़े पैमाने पर भारतीय आबादी की फैशन और जीवनशैली संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित है। कंपनी के प्रमोटर्स के पास टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 3 दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। गारमेंट मंत्रा के 3 व्यावसायिक डिवीज़न हैं। गारमेंट मंत्रा बुने हुए फैब्रिक के साथ-साथ बुने हुए गारमेंट्स दोनों की मैन्युफैक्चरिंग और सेल्स के व्यवसाय में लगी हुई है। इसकी विनिर्माण सुविधाएं तिरुपुर निट सिटी ऑफ इंडिया में स्थित हैं। कंपनी की पूरी श्रृंखला में लगभग 5,000 प्रोडक्ट्स शामिल हैं और ये मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर ग्राहकों के साथ केंद्रित हैं, जो घरेलू आबादी का लगभग 70 प्रतिशत हैं। कंपनी के उत्पाद थोक विक्रेताओं और वितरकों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से पूरे भारत में उपलब्ध हैं। गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड (उत्पाद की गुणवत्ता से समझौता किए बिना उत्पाद की किफायती लागत पर ज़ोर देता है। गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड के पास यूनिक बिज़नेस मॉडल हैं जो प्रमुख रेवेन्यू और ग्रोथ ड्राइवर होंगे; पूर्ति और फुल चॉइस- होलसेल और रिटेल टेक्सटाइल सरप्लस मॉडल जो देश-भर के होलसेलर्स और रिटेलर्स के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों से टेक्सटाइल सरप्लस के सोर्स से जुड़ा है, इस व्यवसाय का बड़ा हिस्सा छोटे असंगठित खिलाड़ियों के पास है जिनकी घरेलू स्तर पर बड़े बाज़ारों तक सीमित पहुंच है।

हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने एफआईआई को इक्विटी शेयर्स के आवंटन की मंजूरी दी

मुंबई, एजेंसी। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टिंग सर्विसेज़ में प्रमुख, हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (बीएसई- 532467) ने घोषणा की है कि उसने एफआईआई /एफपीआई को, अन्य नॉन-प्रमोटर ग्रुप एंटिटी के बीच 35,00,000 इक्विटी शेयर्स के आवंटन को मंजूरी दे दी है। कंपनी एफआईआई - वेस्पेरा फंड लिमिटेड, एरीज़ अपॉर्चुनिटीज़ फंड लिमिटेड, एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटीज़ फंड, किफ्तार आईएन एलएलसी समेत अन्य व्यक्तियों और बॉडी कॉरपोरेट्स को शेयर आवंटित करेगी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त करने के अलावा, 02 जनवरी, 2024 को एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग में सदस्यों से अरूवल प्राप्त किया था।

हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (बीएसईः 532467) भारत के तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर लैंडस्केप में सबसे आगे है, जिसने स्ट्रेटिजिकली हाई-क्वॉलिटी और विश्वसनीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध सेवाएँ प्रदान करने के लिए समर्पित एक व्यावसायिक कार्यक्षेत्र के विकास में कदम रखा है। राष्ट्र-निर्माण प्रक्रिया में बढ़ती मांग के जवाब में, हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड तेजी से उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है।

टाटा मोटर्स के फ्लीटएज ने 5 लाख कमर्शियल वाहनों को डिजिटल तरीके से जोड़ा

मुंबई, एजेंसी। भारत में कमर्शियलवाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज अपने डेडिकेटेड कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म फ्लीटएज के साथ 5 लाख कमर्शियल वाहनों को जोड़ने की घोषणा की है। वाहनों के कुशल प्रबंधन के लिए विशेषतौर पर डिजाइन किया गया,फ्लीट एजस्मार्ट टेक्नोलॉजीज का इस्तेमाल कर वाहन का अपटाइम बढ़ाता है और सड़क सुरक्षा में सुधार करता है। यह प्लेटफॉर्मइससे जुड़े हर वाहन की स्थिति, सेहत, जगह और ड्राइवर के व्यवहार पर वास्तविक समय में कार्यवाही के योग्य जानकारियाँ साझा करता है। इस प्रकार वाहनों के मालिक एवं प्रबंधक परिचालन क्षमता को बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स खर्च कम

करने और अपना फायदा बढ़ाने के लिये बेहतर फैसले कर सकते हैं। अपनी तरह की इस पहली उपलब्धि को हासिल करने के बारे में श्री भारत भूषण, हेड- डिजिटलबिजनेस, टाटा मोटर्स कमर्शियलव्हीकल्सने कहा, 'टाटा मोटर्स लॉजिस्टिक्स को शानदार और सक्षम बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। फ्लीटएज अपनेमहत्वपूर्ण मजबूत प्रस्ताव, डाटा पर आधारित इंटेलिजेंस, रियल-टाइम जानकारियों और वाहन के पूर्वानुमान के साथ इस कोशिश में एक असली गेमचेंजर रहा है।

टी-20	कब	वेन्यू	समय
पहला	6 जुलाई 2024	हरारे स्पोर्ट्स क्लब	शाम 4:30 बजे से
दूसरा	7 जुलाई 2024	हरारे स्पोर्ट्स क्लब	शाम 4:30 बजे से
तीसरा	10 जुलाई 2024	हरारे स्पोर्ट्स क्लब	रात 9:30 बजे से
चौथा	13 जुलाई 2024	हरारे स्पोर्ट्स क्लब	शाम 4:30 बजे से
पांचवां	14 जुलाई 2024	हरारे स्पोर्ट्स क्लब	शाम 4:30 बजे से

जुलाई में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी टीम इंडिया

- 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी
- हरारे में होंगे मुकाबले

नईदिल्ली (एजेंसी)। जून में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम जुलाई में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को दौरे की घोषणा की। दौरे में भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। मुकाबले 6 से 14 जुलाई के बीच खेले जाएंगे, सभी मुकाबले हरारे में होंगे।

आखिरी बार 2022 में किया था दौरा

भारतीय टीम ने 2022 में आखिरी बार जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस दौरान टीम ने 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली थी। टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया था। आखिरी टी-20 सीरीज भारत ने जिम्बाब्वे ने 2016 में खेली थी, जहां टीम इंडिया 2-1 से जीती थी।

ग्लोबल क्रिकेट को बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी - जय शाह

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, बीसीसीआई ने वर्ल्ड क्रिकेट कम्युनिटी में योगदान देने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम समझते हैं कि यह जिम्बाब्वे के लिए रिबिल्डिंग का दौर है और इस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट को हमारे समर्थन की जरूरत है।

मेजबानी के लिए हम रोमांचित है -जेडसी अध्यक्ष

जेडसी के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा, हम जुलाई में टी-20 सीरीज के लिए भारत की मेजबानी करने के लिए बिल्कुल रोमांचित हैं। इस साल भारत का यहां आना हमारे देश के लिए सबसे बड़े इवेंट्स में से एक होगा। दौरे के महत्व और परिमाण पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है, खासकर जब यह ऐसे समय में आ रहा है जब हम खुद को बेहतर कर रहे है। इस दौरे की पुष्टि जेडसी और बीसीसीआई के बीच चर्चा के बाद हुई। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देखों के बीच बाइलैटरल टाईज को मजबूत करना हैं।

वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा जिम्बाब्वे

जिम्बाब्वे इस साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं किया।इस साल अफ्रीका से नामिबिया, युगांडा और साउथ अफ्रीका खेलेंगे। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप भी नहीं खेल सका था। टीम ने आखिरी बार 2022 का टी-20 वर्ल्ड कप खेला था, जिसमें वह लीग स्टेज से बाहर हो गया था। इससे पहले, टीम आईसीसी के प्रतिबंध के कारण 2021 का वर्ल्ड कप नहीं खेल सकी थी। इतना ही नहीं, टीम 2019 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई नहीं हुई थी।

रोहित शर्मा को क्यों मुंबई इंडियन की कप्तानी से हटाया, कोच मार्क बाउचर ने खोला राज

केप टाउन (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने खुलासा किया है कि रोहित शर्मा को टीम की कप्तानी से हटाना एक कठिन निर्णय था। रोहित शर्मा आईपीएल 2024 से पहले इसलिए सर्वाधिक चर्चा हासिल कर रहे हैं क्योंकि जिस मुंबई इंडियंस को उन्होंने 5 बार बतौर कप्तान खिताब दिलाया है, उसके अब वह कप्तान नहीं रहेंगे। मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को दो बार फाइनल में पहुंचाने वाले हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया है। इस फैसले के बाद बाउचर ने कहा कि फ्रेंचाइजी प्रबंधन

यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि वह रोहित से अतिरिक्त बोझ हटाना चाहते थे।

बाउचर ने दक्षिण अफ्रीका में एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा कि हमने हार्दिक को एक खिलाड़ी के रूप में वापस लाने के लिए विंडो देखी। हम अभी भी उन्हें (रोहित को) एक खिलाड़ी के रूप में चाहते हैं। हम जानते हैं कि वह टीम के लिए क्या कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि वह कप्तानी के बोझ के बिना अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले। संभवतः उनके बल्ले से कुछ सीज़न सर्वश्रेष्ठ नहीं रहे हैं, लेकिन उन्होंने कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुंबई इंडियंस समूह ने इस पर काफी सोचा और यह कदम उठाने की सोची।

बाउचर को उम्मीद है कि रोहित बल्ले से अधिक स्वतंत्र रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह अभी भी भारत की कप्तानी कर रहे हैं इसलिए प्रचार तो बना रहेगा, लेकिन जब वह आईपीएल में कदम रखेंगे, तो कप्तान के रूप में उन पर से अतिरिक्त दबाव हट जाएगा और हो सकता है कि हमें रोहित शर्मा से इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मिल जाए। चेहरे पर अच्छी मुस्कान के साथ खेलना और खूबसूरत परिवार के साथ समय बिताना, ऐसा करने का कोई आसान तरीका नहीं है। बाउचर ने कहा कि रोहित का व्यस्त कार्यक्रम भी भारतीय कप्तान पर दबाव डालता है। बाउचर बोले- एक बात जो मैंने रोह (उपनाम) के साथ समझी वह यह है कि वह एक शानदार लड़का है और वह सदियों से कप्तानी कर रहा है और वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और न केवल एमआई के लिए बल्कि भारत के लिए भी, वह एक जगह जाता है और वहां जाता है। कैमरे उस पर हैं और वह बहुत व्यस्त है।

विलियमसन ने लगाया 31वां टेस्ट शतक

जो रूट से आगे निकले, साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड को 528 रन की बढ़त

माउंड मॅन्गानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने टेस्ट क्रिकेट में 31वां शतक लगा दिया है। इसी के साथ वह एक्टिव प्लेयर्स में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 30 टेस्ट शतक हैं। विलियमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 109 रन की पारी खेली। उन्होंने पहली पारी में भी शतक लगाकर 118 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड को 528 रन की बढ़त- माउंट मॅन्गानुई के बे ओवल मैदान में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका पर 528 रन की बढ़त बना ली है। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 179 रन बना लिए। पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 511 और साउथ अफ्रीका ने 162 रन बनाए थे। मैट हेनरी और मिचेल सैंटनर ने 3-3 विकेट लिए।

दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत- टेस्ट के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी 162 रन बनाकर खत्म की। न्यूजीलैंड ने 349 रन की बढ़त के साथ अपनी दूसरी पारी शुरू की। टीम ने दूसरी पारी में ओपनर टॉम लैथम का विकेट 10 रन के स्कोर पर ही गंवा दिया। लैथम 3 ही रन बना सके।

विलियमसन के अलावा कोई नहीं टिका- नंबर-3 पर उतरे केन विलियमसन के ओपनर डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 92 रन की पार्टनरशिप की। कॉन्वे 29 रन बनाकर आउट हुए और दोनों की साझेदारी टूटी। उनके बाद रचिन रवींद्र भी 12 रन बनाकर आउट हो गए। विलियमसन ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने से 4 ओवर पहले ही शतक पूरा कर लिया। सेंचुरी के बाद उन्होंने तेज खेलना शुरू किया लेकिन वह 109 रन बनाकर आउट हो गए।

एक्टिव प्लेयर्स में विलियमसन से ज्यादा शतक सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने लगाए हैं।

नील ब्रांड को 2 विकेट

दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 179 रन बना लिए। डेरिल मिचेल 11 और टॉम ब्लंडेल 5 रन बनाकर नॉटआउट रहे। टीम की कुल बढ़त 528 रन की हो चुकी है। ऐसे में संभव है कि चौथे दिन की शुरुआत से ही साउथ अफ्रीका अपनी दूसरी पारी में बैटिंग शुरू कर दे।

साउथ अफ्रीका से दूसरी पारी में कप्तान नील ब्रांड ने 2 विकेट लिए। एक-एक विकेट डेन पैटरसन और रुआन डे स्वार्ट को भी मिला। ब्रांड ने पहली पारी में 6 विकेट लिए थे। वह अपना डेब्यू मैच खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान नील ब्रांड ने दूसरी पारी में 2 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लिए थे।

साउथ अफ्रीका ने 80/4 से आगे बढ़ाई पारी

साउथ अफ्रीका ने तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 80/4 के स्कोर से आगे बढ़ाई। डेविड बेडिंघम और कीगन पीटरसन ने खेलना शुरू किया। बेडिंघम ज्यादा देर टिक नहीं सके और 83 के स्कोर पर टीम ने पांचवां विकेट गंवा दिया। बेडिंघम 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनके बाद रुआन डे स्वार्ट खाता खोले बगैर ही एलबीडब्ल्यू हो गए।

पीटरसन टिके, दूसरे एंड से गिरते रहे विकेट

100 रन के अंदर 6 विकेट गंवाने के बाद पीटरसन ने टीम को संभाला। वह टीम को 100 रन के पार ले गए, लेकिन उनके सामने क्लाइड फोर्च्यून 9 रन बनाकर आउट हो गए। पीटरसन ने टीम का स्कोर 150 के पार पहुंचाया लेकिन खुद भी 45 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। पीटरसन के जाते ही साउथ अफ्रीका ने अगले 10 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए। शेफो मोरेकी 5 और डेन पैटरसन 1 रन बनाकर आउट हो गए। टीम 72.5 ओवर में 162 रन ही बना सकी।

कप्तान साउदी को छोड़ सभी को मिले विकेट

न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने पहली पारी में 5 गेंदबाजों को आजमाया। पारी में उन्हें छोड़ सभी ने विकेट निकाले। मैट हेनरी (3) और काइल जैमिसन (2) की पेस जोड़ी ने मिलकर 5 विकेट निकाले। वहीं लेफ्ट आर्म स्पिनर्स मिचेल सैंटनर (3) और रचिन रवींद्र (2) ने भी मिलकर 5 ही विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड- टिम साउदी (कप्तान), टॉम लैथम, डेवोन कॉन्वे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, काइल जैमिसन और मैट हेनरी।

साउथ अफ्रीका- नील ब्रांड (कप्तान), एडवर्ड मूर, रेनार्ड वान टोन्डर, जुबैर हमजा, डेविड बेडिंघम, कीगन पीटरसन, रुआन डे स्वार्ट, क्लाइड फोर्च्यून (विकेटकीपर), डुआन ओलिवर, शेफो मोरेकी और डेन पैटरसन।

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता तीसरा वनडे

वेस्टइंडीज 86 पर ऑलआउट, बार्टलेट को 4 विकेट; सीरीज 3-0 से कंगारुओं के नाम

ओवल (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में 8 विकेट से हरा दिया है। केनबेरा में पहले बैटिंग करते हुए वेस्टइंडीज टीम 86 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया से जेवियर बार्टलेट ने 4 विकेट लिए।

87 रन का टारगेट होम टीम ने 6.5 ओवर में ही 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। जैक फ्रेजर मैगर्क ने 41 और जोश इंग्लिस ने 35 रन बनाए। तीसरे वनडे में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली।

वेस्टइंडीज की शुरुआत ही खराब हुई- केनबेरा के मनुका ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर पर ही पहला विकेट गंवा दिया। योर्न ओटली 8 ही रन बनाकर जेवियर बार्टले का शिकार हुए। यहां से एलिक एथनाज ने कीसी कार्टी के साथ टीम को संभाला।

पावरप्ले के बाद लगी विकेट की झड़ी

पहले पावरप्ले में एक ही विकेट गंवाने के बाद वेस्टइंडीज की पारी बिखर गई। 11वें ओवर में कार्टी 10 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद कप्तान शाई होप 4, एलिक एथनाज 32, रोस्टन चेज 12, रोमारियो शेफर्ड 1 और अल्जारी जोसेफ 6 रन बनाकर आउट हो गए।

टेडी बिशप, मैथ्यू फोर्ड, गुडाकेश मोटी और ओशन थोमस खाता भी नहीं खोल सके। टीम 24.1 ओवर में 86 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया से जेवियर बार्टलेट को 4 विकेट मिले। लांस मौरिस और एडम जम्पा ने 2-2 विकेट निकाले, जबकि एक सफलता शॉन एबट को मिली। वहीं एक बैटर रन आउट भी हुआ।

विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों की शैली से परिचित होंगे भारतीय युवा खिलाड़ी : हरमनप्रीत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय हॉकी पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सोमवार को कहा कि एफआईएच प्रो लीग चरण में भारतीय टीम के युवा हॉकी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खेलने शैली जान पाएंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि हम अभी दक्षिण अफ्रीका के एक सफल दौरे से वापस लौटे हैं वहां हमें प्रो लीग से पहले फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के खिलाफ अपने खेल को परखने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि इस बार कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है और यह उनके लिए दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों की खेल शैली से परिचित होने का एक शानदार अवसर होगा।

भारतीय कप्तान ने कहा कि हम प्रो लीग को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं क्योंकि इसे जीतने से हमें एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 के लिए सीधी क्वालिफिकेशन मिलेगी। इसके साथ ही यह आयोजन पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत प्रो लीग के इस सत्र के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को स्पेन से, उसके बाद 11 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ भिड़ेगा।

माइकल क्लिंगर बने गुजरात जायंट्स के हेड कोच

मिताली राज और नूशिन के साथ काम करेंगे, सीजन-1 में आखिरी स्थान पर थी टीम

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल क्लिंगर को विमेंस प्रीमियर लीग 2024 से पहले गुजरात जायंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज राचेल हेन्स

की जगह लेंगे। क्लिंगर अब गेंदबाजी कोच नूशिन अल खादीर और सलाहकार मिताली राज के साथ काम करेंगे।

क्लिंगर के नियुक्ति के बारे में जानकारी देते हुए गुजरात जायंट्स की सलाहकार मिताली राज ने कहा कि माइकल क्लिंगर के टीम के साथ जुड़ने से खिलाड़ियों को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। माइकल शानदार बैटर रहे हैं। उनके अनुभव का फायदा टीम के युवा खिलाड़ियों को होगा।

क्लिंगर बीबीएल में भी कोच की भूमिका निभा चुके हैं- क्लिंगर रिटायरमेंट के बाद 2019-20 दो सीजन के लिए बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। वहीं वह इस सीजन में डब्ल्यूबीबीएल में सिडनी थंडर के सहायक कोच थे। सिडनी थंडर इस सीजन में चौथे स्थान पर रही।

पिछले साल गुजरात जायंट्स ने 2 मुकाबले ही जीते थे- पिछले साल गुजरात जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। गुजरात जायंट्स को 8 में से 6 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। टीम पॉइंट टेबल में सबसे नीचे 5वें स्थान पर थी।

ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में कमिंस-स्टार्क की वापसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ मिचेल मार्श ही कप्तानी करेंगे; सीरीज 21 फरवरी से

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की वापसी हुई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी टीम का ऐलान किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ कप्तानी करने वाले मिचेल मार्श ही न्यूजीलैंड के सामने भी टीम की कप्तानी करेंगे।ऑस्ट्रेलिया टीम 21 फरवरी से न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। टीम यहां 3 टी-20 और 2 टेस्ट खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवर्स सीरीज खेल रही है।

फैबियन एलन के साथ गन पॉइंट पर लूट

होटल के बाहर फोन और बैग छीना,फ्रेंचाइजी ने कहा- खिलाड़ी पूरी तरह सुरक्षित

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के इंटरनेशनल क्रिकेटर फैबियन एलन के साथ बंदूक की नोंक पर लूट हो गई। जमैका के ऑलराउंडर वर्तमान में एस-20 लीग में खेल रहे हैं। 28 साल के एलन पार्ल रॉयल्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

फेबियन को जोहान्सबर्ग में टीम होटल के बाहर निशाना बनाया गया। बंदूक से लैस हमलावरों ने सैंडटन सन होटल के पास एलन को बंदूक दिखाकर उनका फोन और बैग समेत निजी सामान जबरन छीन लिया। इस घटना ने स्र20 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पार्ल रॉयल्स टीम, एसए 20 और क्रिकेट वेस्टइंडीज के सूत्रों ने इस घटना की पुष्टि की है। फ्रेंचाइजी ने भी उनके सुरक्षित होने की पुष्टि की।

फ्रेंचाइजी ने कहा, खिलाड़ी का पूरा ध्यान रखा जा रहा- पार्ट रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने घटना के बाद कहा, कैरेबियन ऑलराउंडर पूरी तरह सुरक्षित हैं। वह अपनी टीम के साथ एलिमिनेटर की तैयारी कर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अपने प्लेयर्स की सेफ्टी का ध्यान रखने के साथ उन्हें पर्सनल टाइम भी देती है।

घटना के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। फेबियन भी इस वक्त अच्छा महसूस कर रहे हैं और एलिमिनेटर खेलने के लिए अवेलेबल भी हैं।

खिलाड़ियों की सुरक्षा में दूसरी बार चूक- बीते दिनों एस20 के खिलाड़ियों की सुरक्षा में चूक का यह दूसरा मामला है। इससे पहले भी एक घटना हो चुकी है। यह लीग का दूसरा सीजन है, जो प्लेऑफ चरण में पहुंच गया है।

संक्षिप्त समाचार

मेघालय में दो संदिग्ध डकैतों की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी

शिलांग, एजेंसी। मेघालय के दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स जिले में भीड़ ने तीन संदिग्ध डकैतों को बुरी तरह पीटा, जिससे उनमें से दो की मौत हो गई, जबकि दूसरे का तुरा सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा कि दो संदिग्ध डकैतों की पहचान बालेन जी. संगमा (30) और स्केन डी. शिरा (30) के रूप में हुई है, जिन्होंने चोटों के कारण दम तोड़ दिया, जबकि तीसरे की पहचान बेतुवेल डी. शिरा (22) के रूप में हुई है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार को हुई घटना के बाद पुलिस जलुआग्रे (मंगसांग गिट्टिम) पहुंची और घायल व्यक्ति को बचाया और मारे गए आरोपियों के शव बरामद किए।पुलिस ने एक मारुति 800 कार, खून के धब्बे वाली लकड़ी और बांस की छड़ें, एक क्षतिग्रस्त मोबाइल हैंडसेट, एक खुखरी (तेज धार वाला हथियार), एक क्षतिग्रस्त कलाई घड़ी, यूनाइटेड गारो पीपुल्स फोरम (यूजीपीएफ) के अध्यक्ष की एक मुहर भी जब्त की। मौके से विभिन्न पहचानपत्र, 1,700 रुपये नकद और यूजीपीएफ पदाधिकारियों के नाम वाली एक नोटबुक मिली।पुलिस के अनुसार, दो संदिग्ध डकैतों को हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, जबरन वसूली और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन सहित विभिन्न अपराधों के लिए पहले भी गिरफ्तार किया गया था।

हम कोई भी मस्जिद नहीं देंगे, बहुत हुआ। हम अदालत में लड़ाई लड़ेंगे-असदुद्दीन ओवैसी

नईदिल्ली, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामला कोर्ट में है। इसी बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने साफ कर दिया है कि मुस्लिम पक्ष अब कोई भी मस्जिद नहीं देगा। साथ ही उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस का जिक्र कर कहा है कि हम देखेंगे कि क्या होता है। हाल ही में वाराणसी के एक कोर्ट ने व्यासजी के तहखाने में पूजा के अधिकार के आदेश जारी किए थे। ओवैसी ने कहा, हम कोई भी मस्जिद नहीं देंगे, बहुत हुआ। हम अदालत में लड़ाई लड़ेंगे। अगर दूसरा पक्ष 6 दिसंबर जैसा काम दोबारा करना चाहता है, तो हम देखेंगे कि क्या होता है। हम एक बार धोखा खा चुके हैं। हम दोबारा धोखा नहीं खाएंगे। 6 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। समझौते की संभावनाओं पर उन्होंने कहा, मैं साफतौर पर कहा रहा हूं कि यह ऐसे खत्म नहीं होगा। हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और अदालतों को दिखाएंगे कि हमारे पास क्या दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा, ज्ञानवापी में हम नमाज पढ़ रहे हैं। बाबरी मस्जिद मामले में तर्क दिया गया था कि आप (मुसलमान) वहां नमाज अदा नहीं करते हैं। यहां हम लगातार नमाज पढ़ रहे हैं। यहां तक कि साल 1993 तक यहां कोई पूजा नहीं हुई थी। मस्जिद के नीचे हिंदू धर्म से जुड़ी चीजें मिलने को लेकर उन्होंने कहा, कल अगर हम राष्ट्रपति भवन खोदने लगेंगे तो हमें कुछ न कुछ मिलेगा। हम उस जगह पर सैकड़ों सालों से नमाज पढ़ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के मुसलमानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में भरोसा नहीं है। पीटीआई भाषा के अनुसार, वाराणसी जिला न्यायाधीश की अदालत में एक महिला ने सोमवार को याचिका दाखिल कर ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में बंद अन्य सभी तहखानों का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की मांग की है। जिला अदालत ने अर्जी पर सुनवाई के लिए छह फरवरी की तारीख तय की है। विश्व वैदिक सनातन संघ की संस्थापक सदस्य और मां श्रृंगार गौरी मामले में एक पक्षकार राखी सिंह ने यह याचिका दाखिल की है, जिनकी पहले की एक याचिका पर एएसआई सर्वेक्षण हुआ था।

वाम दलों ने कर लिया राहुल गांधी की सीट का बंटवारा

नईदिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर अब तक अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसी बीच कहा जाने लगा है कि गठबंधन के साथी दल सीपीआई की नजरें कांग्रेस नेता राहुल गांधी की केरल की वायनाड सीट पर भी हो सकती हैं। हालांकि, इसे लेकर अब तक अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। साल 2019 में वायनाड से 4 लाख से ज्यादा के अंतर से जीत हासिल की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन एलडीएफ ने सीपीआई के लिए चुनी चार सीटों में वायनाड को भी शामिल किया है। हाल ही में पार्टी की हैदराबाद में बैठक हुई थी। अब सीपीआई महासचिव डी राजा के हवाले से कहा जा रहा है कि कांग्रेस को वायनाड छोड़ने के लिए कहने पर कोई चर्चा नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार भी नहीं किया है। उन्होंने कहा, एलडीएफ में सीट शेयरिंग फॉर्मूले के बीच वायनाड उन चार सीटों में से एक है, जो सीपीआई के खाते में आई है। फिलहाल, इसे लेकर बात जारी हैं। पश्चिम बंगाल में हमें तीन सीटें मिली हैं। 2019 में राहुल ने वायनाड के अलावा उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से भी चुनाव लड़ा था। हालांकि, कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर उन्हें स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।अमेठी में चुनाव लड़ने के साथ ही राहुल ने राजनीति में एंट्री की थी। इससे पहले अमेठी सीट उनके पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पास थी।

मध्य प्रदेश में 7 सांसद बदलने तो एकदम तय, पर एक दर्जन से ज्यादा का कटेगा पत्ता; किनके नाम

नईदिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा चुनाव 2024 के शेड्यूल का ऐलान मार्च के पहले सप्ताह तक हो सकता है। भाजपा उससे पहले ही बड़ी संख्या में टिकटों पर फैसला कर लेना चाहती है ताकि उसके उम्मीदवारों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वहीं यूपी, एमपी जैसे बड़े राज्यों में भाजपा फेरबदल भी करने जा रही है और चर्चा है कि बड़ी संख्या में नए चेहरों को ही टिकट दिए जा सकते हैं। मध्य प्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं और यहां एक दर्जन से भी ज्यादा सांसदों को हटाकर नए चेहरों को मौका देने की रणनीति बन रही है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कुल 5 सांसद तो ऐसे हैं, जो अब मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य हैं।

इन लोगों को अब राज्य में ही राजनीति का अवसर मिलेगा और सांसद के तौर पर नए नेताओं को मौका दिया जाएगा। इसके अलावा 2 सांसद ऐसे हैं, जो विधानसभा इलेक्शन में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इन सांसदों में फग्गन सिंह कुलस्ते और गणेश सिंह शामिल हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन दोनों नेताओं को इस बार शायद ही लोकसभा का टिकट मिल पाए। इसके अलावा विधायक बने नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, रीति पाठक, राकेश सिंह और उदय प्रताप सिंह भी शायद फिर से मौका न पा सकें।

पार्टी की ओर से तय प्रभारियों ने अपनी डिटेल रिपोर्ट नेतृत्व को सौंप दी है। इस पर मंथन के बाद ही टिकटों के ऐलान होने शुरू होंगे। माना जा रहा है कि फरवरी के आखिरी सप्ताह से भाजपा अपने उम्मीदवारों के नाम फाइनल करना शुरू कर देगी। पिछले दिनों ही खबर आई थी कि भाजपा

नेतृत्व 70 प्लस की उम्र और कमजोर फीडबैक वाले नेताओं को दोबारा मौका नहीं देगा। इस खबर के बाद से ही वे नेता पसोपेश में हैं, जिनकी उम्र अधिक है और रिपोर्ट कार्ड भी पक्ष में नहीं दिख रहा। भाजपा को लगता है कि इसके जरिए ऐंटी-इनकम्बैंसी की भी काट होगी और नया नेतृत्व भी उभर सकेगा।

यह स्थिति कांग्रेस से एकदम उलट है। कांग्रेस में तो पार्टी पुराने नेताओं पर ही दबाव डाल रही है कि वे चुनाव में उतरें। इसकी एक वजह फंड की कमी भी है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि भाजपा कैंडिडेट्स के पास फंड की कमी नहीं है। ऐसे में हम यदि नए चेहरों को उतारेंगे तो उनकी स्थिति कमजोर दिखेगी। उन्होंने कहा कि हम तो नेताओं से यह भी कह रहे हैं कि यदि वे खुद चुनाव में नहीं उतरना चाहते हैं तो कम से कम एक लोकसभा सीट का काम ही संभाल लें। इससे उम्मीदवारों को बल मिलेगा और फंडिंग की किल्लत भी कम होगी।

अध्यक्ष जी कार्यकर्ता कुत्ता नहीं होता, मल्लिकार्जुन खरगे की बात पर भड़क गए कांग्रेस दिग्गज

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए पार्टी प्रमुख से कहा है कि कार्यकर्ता कुत्ता नहीं होता। आचार्य प्रमोद को कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा का करीबी भी कहा जाता है। आचार्य फिलहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चर्चा में हैं।

वीडियो में क्या?

करीब डेढ़ मिनट लंबे इस वीडियो में खरगे को किसी कार्यक्रम के दौरान भाषण देते सुना जा सकता है। वह कह रहे हैं, एक हमारे पास कहावत है कि जब आप बाजार में जाते हो, तब अच्छा कुत्ता खरीदना है या प्राणी को लेना या जानवर को लेना है, तो लोग जानवर के बाजार में जाकर छानबीन करते हैं। अगर ईमानदार एक प्राणी को भी लेना है, तो उसका कान पकड़कर ऐसा ऊपर उठाते हैं। उन्होंने आगे कहा, ऊपर उठाने के बाद अगर वह भौंकता है, तो ठीक है अगर कुई कुई करता है तो ठीक नहीं है, कोई लेता नहीं उसको। तो आप भी सिलेक्शन करते वक्त जो भौंकता है, जो लड़ता है, जो आपके साथ रहता है उसको ले लो। उसको बूथ लेवल कमेटी का एजेंट बनाओ। और जब बूथ में कोई बैठता है, तो ऐसे आदमी को लगाओ, वो सुबह अगर 7 बजे जाता है, जो पेटी बंद होने पर साइन करके ही बाहर आना चाहिए। इसपर आचार्य प्रमोद ने कहा, कार्यकर्ता कुत्ता नहीं होता, कर्मठ और कर्मवीर होता है माननीय अध्यक्ष जी, बात कड़वी जरूर है लेकिन सच है। खास बात है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में खरगे के अलावा वायनाड सांसद राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को भी टैग किया है। इससे पहले आचार्य कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भी सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था, कांग्रेस पार्टी में हमारे ऐसे सब महान समझदार नेता है। एक तरफ देश का 2024 का महाभारत सज रहा है, दूसरी तरफ पार्टी राजनीतिक पर्यटन कर रही है। असल में हम 2024 के बाद सोचेंगे कि 2024 में जीतना कैसे है। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा है कि हम खुद को 2029 लोकसभा चुनावों के लिए तैयार कर रहे हैं। अगर हम 2024 के लिए तैयारी कर रहे होते, तो ऐसा नहीं होता।

जांच के दायरे में सर्दी-खांसी और दर्द की 3 दवाएं, 30 साल से ले रहे हैं लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दर्द, खांसी और सर्दी की तीन दवाएं जांच के दायरे में हैं। केंद्रीय दवा नियामक ने इन दवाओं को बनाने वाली कंपनियों से इनका असर और सुरक्षा जांचने के वास्ते नए सिरे से ट्रायल करने को कहा है। ये वो दवाएं हैं जिन्हें अक्सर सर्दी और खांसी के समय दिया जाता है। इसके अलावा, निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) में उपलब्ध एक दर्द निवारक दवा भी जांच के घेरे में है। ये दवा पिछले 30 साल से अधिक समय से बेची जा रही है। एक सिंगल डोज देने के लिए दो या उससे अधिक दवाओं को मिलाकर देने को एफडीसी कहा जाता है। खांसी और सर्दी की जिन दवाओं का सुरक्षा आकलन करने के लिए नए सिरे से ट्रायल का सुझाव दिया गया है उनमें में से एक में पैरासिटामोल (एंटीपायरेटिक), फिनाइलफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड (नाक संबंधी सर्दी–खांसी की दवा) और कैफीन एनहाइड्रस (प्रोसेस्ड कैफीन) युक्त दवाएं शामिल हैं। दूसरी दवा में कैफीन एनहाइड्रस, पैरासिटामोल, हाइड्रोक्लोराइड (नमक) और क्लोरफेनिरामाइन मैलेट (एंटी–एलर्जी दवा) शामिल हैं।

बच्चे से लगाव नहीं हुआ वापस करना है, बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द किया गोद लेने का आदेश

मुंबई, एजेंसी। दत्तक माता-पिता गोद लिए बच्चे के साथ उनका भावनात्मक लगाव पैदा नहीं हो पाया है इसलिए बंबई हाईकोर्ट ने दत्तक ग्रहण का एक आदेश रद्द कर दिया। दत्तक माता-पिता ने अदालत के समक्ष कहा कि हम बच्चे के साथ लगाव पैदा नहीं कर पाए, इसलिए हम बच्चे को वापस करना चाहते हैं। माता-पिता ने बच्चे के खराब व्यवहार और आदतों के बारे में ट्रस्ट से शिकायत की भी थी।

न्यायमूर्ति आर. आई. छागला की एकल पीठ ने दिसंबर 2023 में बाल आशा ट्रस्ट द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछले महीने यह आदेश पारित किया। इसके बाद ट्रस्ट ने याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर गोद लेने संबंधी 17 अगस्त 2023 का आदेश रद्द कर दिया जाता है तो यह बच्चे के हित में होगा।

अदालत ने केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) को जल्द से जल्द उपयुक्त दत्तक माता-पिता की पहचान करने के लिए बच्चे को गोद लेने की खातिर संबंधित पंजीकरण फिर से करने का भी निर्देश दिया। ट्रस्ट ने गोद लेने वाले माता-पिता को बच्चे के व्यवहार संबंधी मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए परामर्श (काउंसलिंग) सत्र में शामिल होने की सलाह दी थी।

संबंधित अधिकारियों- सीएआरए, राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण, जिला बाल संरक्षण इकाई, और विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसी को गोद लेने वाले माता-पिता की बच्चे को अपने पास रखने और उसकी देखभाल करने में असमर्थता के बारे में भी अवगत कराया गया था। गोद लेने वाले माता-पिता ने ट्रस्ट की सलाह पर दो परामर्श सत्रों में भाग भी लिया था। याचिका में कहा गया कि परामर्शदाता ने पाया कि गोद लेने वाले माता-पिता का बच्चे के साथ भावनात्मक लगाव नहीं है। गोद लेने वाले माता-पिता और उनकी स्वयं की सात वर्षीय बेटी से प्यार करता है।

पीठ ने गोद लेने के आदेश को रद्द करने के अलावा निर्देश दिया कि दत्तक माता-पिता द्वारा बच्चे के हित के लिए उसके नाम पर किए गए दो लाख रुपये उन्हें वापस किए जाएंगे। इसने कहा कि गोद लेने वाले माता-पिता को निर्देश दिया जाता है कि वे याचिकाकर्ता-संस्था को बच्चे से संबंधित सभी मूल रिपोर्ट और दस्तावेज तुरंत लौटाएं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भीषण तूफान से तबाही, बाढ़ और भूस्खलन से करोड़ों लोगों का जीवन हुआ बाधित

लॉस एंजेल्स, एजेंसी।
कैलिफोर्निया में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। समुद्री तूफान की वजह से राज्य में भारी बारिश और तेज हवाओं का असर देखा गया। तेज और तूफ़ानी बारिश की वजह से राज्य में बहुत नुकसान हुआ। एक सप्ताह से भी कम समय में पश्चिमी तट को अपनी चपेट में लेने वाला दूसरा पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान सोमवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में पहुंच गया। इस तूफान की वजह से पूरे क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई जिससे सड़कों पर बाढ़ आ गई और भूस्खलन हुआ। कुछ दिन पहले दक्षिणी कैलिफोर्निया में वायुमंडलीय नदी के कारण मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए और इसके बाद अब पाइनएप्पल एक्सप्रेस तूफान ने राज्य में तबाही मचा रखी है।

सोमवार को कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिमी एरिजोना के कुछ हिस्सों में बाढ़ और तेज हवा की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में लगभग 3 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में बाढ़, तेज़ हवा और शीतकालीन

तूफान की स्थिति को देखते हुए लोगों को अलर्ट मैसेज दिए गए हैं। अधिकारियों ने निवासियों से बाहर जाने और ड्राइविंग को जितना हो सके सीमित करने का आग्रह किया था।

राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, रविवार से पूरे लॉस एंजिल्स में 10 इंच (25.4 सेमी) से अधिक बारिश हुई है। यह क्षेत्र, देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, इस क्षेत्र में पूरे सप्ताह बारिश जारी रहने का अनुमान है। एनडब्ल्यूएस द्वारा पोस्ट किए गए एक ऑनलाइन नोटिस के अनुसार, महत्वपूर्ण बाढ़ जारी है और इसके बढ़ने की आशंका है।

ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स को हुआ कैंसर

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स 3 को कैंसर हो गया है। बकिंघम पैलेस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। बयान जारी करते हुए बकिंघम पैलेस ने कहा कि वह अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर रहे हैं। पिछले महीने 75 साल के किंग चार्ल्स लगभग तीन दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे। उनका बढ़े हुए प्रोस्टेट का इलाज किया गया था। इसी दौरान डॉक्टरों को कैंसर जैसी दिक्कत के बारे में पता चल गया था। पैलेस की तरफ से कहा गया है कि चार्ल्स अपने इलाज को लेकर बेहद पॉजिटिव हैं।

सोमवार को पैलेस ने पुष्टि की कि उन्हें कैंसर है, हालांकि वह प्रोस्टेट कैंसर से ग्रसित नहीं हैं। पैलेस ने कहा कि कुछ दिन किंग सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहेंगे हालांकि वह हेड ऑफ स्टेट के तौर पर काम करते रहेंगे। बीमारी का पता लगने के बाद किंग चार्ल्स ने फोन करके अपने बेटों प्रिंस ऑफ वेल्स

विलियम और ड्यूक ऑफ ससेक्स हैरी को इस बारे में बताया। इसके अलावा अपने तीनों सिब्लिंग को भी स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी।

बकिंघम पैलेस ने अपने बयान में कहा, महाराज ने अपनी बीमारी के बारे में सबको बताने का फैसला किया। उम्मीद है कि जनता भी इस बात को समझेगी। बहुत सारे लोग जानते होंगे कि गंभीर बीमारी से जूझने के बाद किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं यूके के पीएम ऋषि सुनक ने भी किंग चार्ल्स के जल्दी ठीक होने की कामना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी उनके जल्द ठीक होने की कामना की है। बता दें कि नवंबर 2022 में महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स महाराज बने। 6 मई 2023 को उनकी ताजपोशी की गई थी। वह इंग्लैंड के सबसे बुजुर्ग राजा हैं।

चुनाव ड्यूटी से गायब रहने पर गिरफ्तारी वारंट जारी, 134 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

जमशोरो, एजेंसी।
2024 के चुनावों के लिए अपने चुनाव कर्तव्यों को पूरा करने में विफल रहने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। स्थानीय न्यूज एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। यह निर्णय जमशोरो में सहवान के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा बुलाई गई एक आपातकालीन बैठक के दौरान लिया गया। सहवान के रिटर्निंग ऑफिसर की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकारी कर्मचारियों द्वारा अपने निर्धारित चुनाव कर्तव्यों का पालन न करने पर चर्चा की गई। रिटर्निंग ऑफिसर ने पुलिस को 134 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिन्होंने अपने निर्धारित चुनाव कर्तव्यों को निभाने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान स्थित समाचार चैनल एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रिटर्निंग ऑफिसर के निर्देश के तहत, जिला प्रशासन ने शिक्षा, स्वास्थ्य और जलापूर्ति

सहित विभिन्न विभागों से संबंधित इन सरकारी कर्मचारियों की गिरफ्तारी के आदेश जारी किए हैं। इन कर्मचारियों की अपने चुनाव कर्तव्यों को पूरा करने में अनिच्छा एक चिंता का विषय है। इस सप्ताह की शुरुआत में, इसी तरह की कार्रवाई कराची में की गई थी, जहां सिंध स्वास्थ्य विभाग के 267 कर्मचारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे, क्योंकि अपने चुनाव कर्तव्यों को पूरा करने में असफल कर रहे थे।

वारंट क्क्र-110-कराची, दक्षिण के रिटर्निंग ऑफिसर मुहम्मद हयात द्वारा जारी किए गए थे। कर्मचारी, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, वह अपने निर्धारित चुनाव कर्तव्यों से लगातार अनुपस्थित रहे हैं, जिसके कारण गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इन घटनाक्रमों के जवाब में, 1 फरवरी को मुख्य चुनाव आयुक्त (ष्टश्वष्ट) सिकंदर सुल्तान ने बैठक के बाद एक प्रेस बयान में कहा कि जो लोग शांति भंग करके चुनाव में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाएगा।

चुनावी प्रक्रिया के दौरान शांति रखने की अपील

इसके अतिरिक्त, उन्होंने चुनावी प्रक्रिया के दौरान शांति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव में बाधा डालने का प्रयास करने वालों को सख्त परिणाम भुगतने होंगे। गिरफ्तारी वारंट जारी करना चुनावों के सुचारू संचालन और सरकारी कर्मचारियों द्वारा चुनाव कर्तव्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने के किसी भी प्रयास पर कानून के तहत निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन से बढ़ेगी भारत की समुद्री सुरक्षा, अमेरिका ने रक्षा सौदे को बताया ऐतिहासिक

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने भारत को स्त्क-9क्क प्रीडेटर ड्रोन बेचने की अनुमति दे दी है। इस रक्षा सौदे को लेकर अब अमेरिका ने बयान जारी किया है। अमेरिका ने कहा है कि करीब 4 अरब डॉलर की अनुमानित लागत से भारत को 31 ड्रोन बेचे जाएंगे, जिससे उनकी समुद्री सुरक्षा में इजाफा होगा। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बताया कि हमारा मानना है कि यह बिक्री भारत को समुद्री सुरक्षा और समुद्री क्षेत्र में जागरूकता क्षमता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस रक्षा सौदे से भारत को इन विमानों का पूर्ण अधिकार मिलेगा और इस क्षेत्र में हम अपने भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना जारी रखेंगे। बता दें कि भारत ने अपने सशस्त्र बलों की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन खरीदने का फैसला किया है। जिनमें से 15 सी-गार्जियन ड्रोन नौसेना को मिलेंगे। इसके अलावा थलसेना और वायुसेना को आठ-आठ स्काई-गार्डियन ड्रोन मिलेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129